परमाणु हथियारों पर संरा सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेगा जापान पेज-11

ऋषभ पंत लॉरियस 'वर्ल्ड कमबैक ऑफ द ईयर' के लिए नामांकित पेज-12

महाकुंभ नहीं पहुंचे पाए श्रद्धालुओं को सीएम योगी का तोहफा। जो श्रद्धालु महाकुंभ में स्नान करने नहीं पहुंच पाए थे, उनके लिए घर-घर पहुंच रहा त्रिवेणी संगम का जल।
-ओशन जैन@ocjain4

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 14 माह के निम्न स्तर पर पेज-13

www.facebook.com\rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtriya www..rashtriyasahara.com

दक्षिण भारतीय फिल्म में डेब्यू को तैयार सोनाक्षी सिन्हा पेज-14

राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण

■ नई दिल्ली ■ लखनऊ ■ गोरखपुर ■ पटना ■ कानपुर ■ देहरादून ■ वाराणसी से प्रकाशित

नई दिल्ली
मंगलवार ● 4 मार्च ● 2025
14 पृष्ठ, मूल्य ₹ 4.00

सर्राफा	दिल्ली सोना (प्रति 10 ग्राम) ₹ 87,900	चांदी (प्रति किलो) ₹ 96,500	शेयर	सेंसेक्स 73,086 -112	निफ्टी 22,119 -5	विनिमय दर	₹/$ 87.32 + 0.05	मौसम (दिल्ली)	तापमान अधिकतम 28°	न्यूनतम 14°

संक्षिप्त खबरें

रोहित पर टिप्पणी के लिए कांग्रेस प्रवक्ता को फटकार

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की कप्तानी और फिटनेस के स्तर पर सवाल उठाने वाली कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद को आड़े हाथों लेते हुए बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने सोमवार को कहा कि ऐसे में जबकि भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी खेल रही है , एक जिम्मेदार व्यक्ति द्वारा इस तरह का 'ओछा' बयान देना दुर्भाग्यपूर्ण है । भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी में दुबई में मंगलवार को आस्ट्रेलिया से सेमीफाइनल खेलेगी । सैकिया ने कहा, ''यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक जिम्मेदार व्यक्ति ऐसा ओछा बयान दे रहा है, जब टीम इतना महत्वपूर्ण आईसीसी टूर्नामेंट खेल रही है। इससे व्यक्ति या टीम का मनोबल गिर सकता है । (विवरण पेज 9)

SC ने इलाहाबादिया को 'शो' के प्रसारण की अनुमति दी

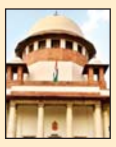

नई दिल्ली (भाषा)। सुप्रीम कोर्ट ने पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया को उनके 'द रणवीर शो' को प्रसारित करने की सोमवार को अनुमति दे दी, बशर्ते वह 'नैतिकता और शालीनता' बनाए रखें और यह वचन दें कि यह सभी आयु वर्ग के लिए उपयुक्त है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इलाहाबादिया की इस दलील पर गौर किया कि पॉडकास्ट उनकी आजीविका का एकमात्र स्रोत है और उनके द्वारा काम पर रखे गए लगभग 280 लोग इस शो पर निर्भर हैं। (विवरण पेज 9)

जयशंकर आज से ब्रिटेन, आयरलैंड की यात्रा पर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर 4 से 9 मार्च तक ब्रिटेन और आयरलैंड की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक रणनीतिक साझीदारी है जिसने रक्षा और सुरक्षा, व्यापार एवं अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य, शिक्षा, लोगों से लोगों के बीच संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में परस्पर सहयोग को मजबूत किया है। यात्रा के दौरान विदेश मंत्री अपने ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी के साथ चर्चा करेंगे और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी मुलाकात करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, संविधान लागू होने के 75 साल बाद तो कम से कम पुलिस को भी

समझनी होगी अभिव्यक्ति की आजादी

■ अनुच्छेद 19 (1) (ए) के तहत वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार को संरक्षित करने के महत्व को रेखांकित किया

■ कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी की याचिका पर फैसला सुरक्षित

■ याचिका में कथित तौर पर भड़काऊ गीत पर उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध किया गया

नई दिल्ली (एसएनबी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि संविधान लागू होने के 75 साल बाद तो 'कम से कम' पुलिस को वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को समझना चाहिए। इस टिप्पणी के साथ ही न्यायालय ने सोमवार को कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी की उस याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया जिसमें कथित तौर पर भड़काऊ गीत साझा करने के लिए उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध किया गया है।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) के तहत वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार को संरक्षित करने के महत्व को रेखांकित किया। न्यायमूर्ति ओका ने कहा, जब वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात आती है, तो इसे संरक्षित करना होगा। न्यायाधीश ने कहा, प्राथमिकी दर्ज करने से पहले पुलिस को कुछ संवेदनशीलता दिखानी होगी। उन्हें संविधान के अनुच्छेद को पढ़ना और समझना चाहिए। संविधान लागू होने के 75 साल बाद अब तो कम से कम पुलिस को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को समझना होगा। न्यायमूर्ति ओका ने कहा, आखिरकार तो यह एक कविता थी और वास्तव में यह अहिंसा को बढ़ावा देने वाली थी। न्यायमूर्ति ओका ने कहा, इसके अनुवाद में कुछ समस्या प्रतीत होती है। यह किसी धर्म के विरुद्ध नहीं है। यह कविता अप्रत्यक्ष रूप से कहती है कि भले ही कोई हिंसा में लिप्त हो लेकिन हम हिंसा में लिप्त नहीं होंगे। कविता यही संदेश देती है। यह किसी विशेष समुदाय के विरुद्ध नहीं है। गुजरात के जामनगर में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह के दौरान कथित भड़काऊ गीत के लिए प्रतापगढ़ी के खिलाफ तीन जनवरी को प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

गुजरात पुलिस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, 'सड़क छाप' किस्म की कविता थी और इसे फैज अहमद फैज जैसे प्रसिद्ध शायर और लेखक से नहीं जोड़ा जा सकता। उन्होंने कहा, (सांसद के) वीडियो संदेश ने परेशानी पैदा की। सांसद की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा, वीडियो संदेश प्रतापगढ़ी ने नहीं बल्कि उनकी टीम ने साझा किया था। मेहता ने कहा, सांसद को उनकी टीम द्वारा उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो संदेश अपलोड किए जाने पर भी जवाबदेह ठहराया जाएगा। दलीलें सुनने के बाद पीठ ने फैसला सुरक्षित रख लिया। सिब्बल ने पूर्व में कहा था कि हाईकोर्ट का आदेश कानून की दृष्टि से गलत है

फाइल फोटो

क्योंकि न्यायाधीश ने कानून को नजरअंदाज किया।

कांग्रेस के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतापगढ़ी पर आईपीसी की धारा 196 (धर्म, जाति आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और 197 (राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंचाने वाले आरोप, दावे) के तहत मामला दर्ज किया गया था। प्रतापगढ़ी द्वारा 'एक्स' पर अपलोड की गई 46 सेकेंड की वीडियो क्लिप में, जब वह चल रहे थे, तो उन पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाई जा रही थीं। इस दौरान पृष्ठभूमि में एक गाना बज रहा था। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि इस गाने के बोल भड़काऊ, राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले हैं।

प्राथमिकी को रद्द करने और दरकिनार करने की अपनी याचिका में उन्होंने दावा किया कि कविता में 'प्रेम और अहिंसा का संदेश' है। प्रतापगढ़ी ने कहा, उन्हें परेशान करने के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई। प्रतापगढ़ी ने दावा किया कि कांग्रेस का सदस्य होने के कारण उन्हें फंसाया गया।

शीर्ष अदालत ने 21 जनवरी को कथित रूप से संबंधित गीत का संपादित वीडियो पोस्ट करने के लिए प्रतापगढ़ी के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगा दी थी और गुजरात सरकार तथा शिकायतकर्ता किशनभाई दीपकभाई नंदा को उनकी अपील पर नोटिस जारी किया था। कांग्रेस नेता ने गुजरात हाईकोर्ट के 17 जनवरी के आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने की उनकी याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया गया था कि जांच अभी प्रारंभिक चरण में है।

राम मंदिर पर आतंकी हमले की साजिश का भंडाफोड़

नई दिल्ली (एसएनबी) । खुफिया इनपुट के आधार पर गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) और फरीदाबाद स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने संयुक्त ऑपरेशन में आतंकी कनेक्शन के संदेह में एक युवक को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार आरोपी की पहचान अब्दुल रहमान (19) पुत्र अबूबकर के रूप में हुई है।वह उत्तर प्रदेश के फैजाबाद (अयोध्या) का निवासी है।संदिग्ध को फरीदाबाद से गिरफ्तार किया गया, जहां वह आतंकी साजिश को अंजाम देने की तैयारी में था।उसके पास से दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए गए, जिन्हें सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत निष्क्रिय करा दिया।

■ गुजरात व हरियाणा पुलिस की साझा कार्रवाई में धरा गया एक युवक

सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार संदिग्ध अब्दुल रहमान पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के संपर्क में था और उसे अयोध्या के राम मंदिर पर आतंकी हमले के लिए तैयार किया गया था।जांच में खुलासा हुआ है कि रहमान कई कट्टरपंथी जमातों से जुड़ा हुआ था और फैजाबाद में एक मटन शॉप चलाता था।एजेंसियों को मिली जानकारी के अनुसार, राममंदिर निर्माण के बाद पाकिस्तान आईएसआई ने भारत में बड़ी आतंकी साजिश रचने की योजना बनाई थी, जिसमें अयोध्या स्थित राम मंदिर को निशाना बनाने का प्लान था।

जांच में यह भी सामने आया है कि अब्दुल रहमान पहले भी कई बार अयोध्या के राम मंदिर की रेकी कर चुका था और उसने वहां की सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी आईएसआई को साझा की थी। आतंकियों का मकसद राम मंदिर पर हैंड ग्रेनेड से हमला कर बड़े पैमाने पर तबाही मचाना था। खुफिया इनपुट के बाद इस ऑपरेशन को अंजाम देने में गुजरात एटीएस की भूमिका अहम रही।एटीएस को इनपुट मिला था कि एक संदिग्ध आतंकी भारत में सक्रिय है, जो आतंकी संगठन के निर्देश पर किसी बड़े हमले की तैयारी में जुटा हुआ है।इस जानकारी के आधार पर गुजरात एटीएस और फरीदाबाद एसटीएफ ने जाल बिछाया और संदिग्ध को गिरफ्तार किया। जांच के अनुसार, फैजाबाद से ट्रेन पकड़कर अब्दुल रहमान पहले फरीदाबाद पहुंचा था, जहां उसे एक हैंडलर ने हैंड ग्रेनेड दिए।

ED ने PAYTM को थमाया 611 करोड़ वसूली का नोटिस

नई दिल्ली (एसएनबी)। ईडी ने सोमवार को कहा कि उसने विभिन्न मामलों में फेमा के नियमों के 'उल्लंघन' के लिए पेटीएम की मूल कंपनी, उसके प्रबंध निदेशक और उससे जुड़ी इकाइयों को 611 करोड़ रुपए की वसूली के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

■ आरबीआई दिशानिर्देशों के उल्लंघन का मामला

पेटीएम की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी के संस्थापक विजय शेखर शर्मा, इसके चेयरमैन, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी हैं। यह नोटिस न्यायिक कार्यवाही शुरू होने से पहले जांच एजेंसी के एक विशेष निदेशक ने जारी किया है। पेटीएम के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी कानून और नियामकीय प्रक्रियाओं के अनुसार मामले के समाधान के लिए काम कर रही है। प्रवर्तन निदेशालय ने बयान में कहा कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए पेटीएम की प्रमुख कंपनी वन97 कम्युनिकेशन लि. (ओसीएल), इसके प्रबंध निदेशक और लिटिल इंटरनेट प्राइवेट लि. और नियरबाय इंडिया प्राइवेट लि. जैसी पेटीएम की अन्य अनुषंगी कंपनियों को लगभग 611 करोड़ रुपए का कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जांच में पाया गया कि वन 97 कम्युनिकेशन लि. ने सिंगापुर में विदेशी निवेश किया और अनुषंगी की वैश्विक अनुषंगी के गठन के बारे में भारतीय रिजर्व बैंक को आवश्यक सूचना नहीं दी।

माधबी बुच को हाईकोर्ट से राहत

मुंबई (भाषा)। बंबई हाईकोर्ट ने बाजार नियामक सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश पर चार मार्च तक कोई कार्रवाई न करने का एसीबी को निर्देश दिया। मुंबई स्थित एक विशेष अदालत ने शनिवार को शेयर बाजार में कथित धोखाधड़ी और नियामकीय उल्लंघन के संबंध में बुच और पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच का आदेश दिया था। इस आदेश के खिलाफ बुच और अन्य की याचिका पर न्यायमूर्ति एस जी डिगे की एकल पीठ ने कहा कि इन याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई होगी।

माया ने भतीजे को पार्टी से भी निकाला

लखनऊ (एसएनबी)। बसपा प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को सोमवार को पार्टी से भी निष्कासित कर दिया। इससे पहले, मायावती ने रविवार को आकाश आनंद को पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर और अपने उत्तराधिकारी समेत सभी पदों से हटा दिया था।

मायावती ने 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, बसपा की अखिल भारतीय स्तर की बैठक में कल आकाश आनंद को पार्टी हित से अधिक पार्टी से निष्कासित अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव में लगातार बने रहने के कारण नेशनल कोआर्डिनेटर सहित सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया था, जिसका उसे पश्चताप करके अपनी परिपक्वता दिखानी थी। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा, लेकिन, इसके विपरीत आकाश ने जो अपनी लंबी-चौड़ी प्रतिक्रिया दी है। वह उसके पछतावे व राजनीतिक परिपक्वता का नहीं बल्कि उसके ससुर के ही प्रभाव वाला ज्यादातर स्वार्थी, अहंकारी व

■ इससे पहले आनंद को पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर और अपने उत्तराधिकारी समेत सभी पदों से हटा दिया था

गैर-जिम्मेदाराना बयान है, जिससे बचने की सलाह मैं पार्टी के ऐसे सभी लोगों को देने के साथ उन्हें दंडित भी करती रही हूं। बसपा प्रमुख ने कहा, अतः परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान आंदोलन के हित में तथा मान्यवर कांशीराम जी की अनुशासन की परम्परा को निभाते हुए श्री आकाश आनंद को, उनके ससुर की तरह, पार्टी व आंदोलन के हित में पार्टी से निष्कासित किया जाता है।

अंदर के पन्नों पर

छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय सरकार का दूसरा बजट पेश ■ पेज-09

संघर्ष विराम वार्ता ठप होने से गाजावासियों की बढ़ी चिंता ■ पेज-11

संपादकीय
08 यूक्रेन, यूरोप और ट्रंप

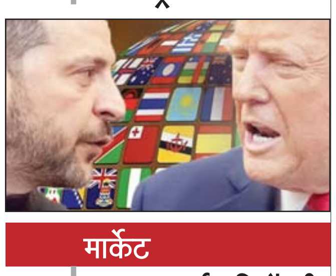

मार्केट
13 1000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी ओला

मुट्ठी में दुनिया
14 अनार कैंसर की रोकथाम में भी मददगार

अब दुनिया कहीं ज्यादा दिलचस्प : जयशंकर

नई दिल्ली (एसएनबी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में सहयोग के जरिये भारत और बेल्जियम के बीच 'स्थिर' संबंधों के अधिक समकालीन स्वरूप में विकसित होने की संभावना है। जयशंकर ने बेल्जियम के उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री मैक्सिम प्रीवोट के साथ बैठक के दौरान यह टिप्पणी की।

■ विदेश मंत्री ने भारत-बेल्जियम संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर की चर्चा

प्रीवोट बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय आर्थिक प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में भारत का दौरा कर रहे है, जिसका उद्देश्य कई प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देना है। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने यूक्रेन की स्थिति सहित विभिन्न वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा की। जयशंकर ने बैठक में अपने शुरुआती संबोधन में कहा, 'इस समय दुनिया सामान्य से कहीं अधिक दिलचस्प है।' उनकी यह टिप्पणी पिछले हफ्ते व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके यूक्रेनी समकक्ष वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच जुबानी जंग के बाद यूक्रेन संघर्ष पर नये सिरे से ध्यान केंद्रित किए जाने के बीच आई है। ओवल ऑफिस में अप्रत्याशित घटनाक्रम के बाद यूरोप जेलेंस्की के समर्थन में खुलकर सामने आया है। अपने संबोधन में विदेश मंत्री ने भारत-बेल्जियम संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की और याद दिलाया कि बेल्जियम स्वतंत्र भारत में दूतावास स्थापित करने वाले पहले यूरोपीय देशों में से एक था। जयशंकर ने कहा, और बेशक हमारे बीच ऐतिहासिक संबंध भी है।

मोदी ने गिर में लिया सफारी का आनंद

सासण (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर सोमवार की सुबह गुजरात के जूनागढ़ जिले में गिर वन्यजीव अभयारण्य में जंगल सफारी का आनंद लिया। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में मोदी ने कहा कि सामूहिक प्रयासों के कारण एशियाई शेरों की आबादी में लगातार वृद्धि देखी गई है। उन्होंने एशियाई शेरों के आवास को संरक्षित करने में आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासियों और महिलाओं के योगदान की सराहना की। (विवरण पेज 9)

■ एशियाई शेरों के आवास के संरक्षण पर आदिवासियों को सराहा

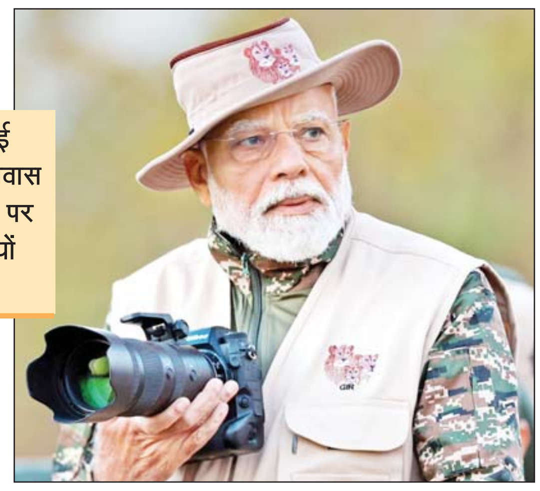

स्कूलों में स्मार्टफोन पर पूर्ण पाबंदी अनुचित : हाईकोर्ट

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने हाल में कहा कि स्कूली छात्रों के स्मार्टफोन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध एक 'अवांछनीय और अव्यावहारिक' दृष्टिकोण है और इसे विनियमित किया जाना चाहिए तथा निगरानी रखी जानी चाहिए। न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी ने दिशानिर्देश जारी किए जो स्कूली छात्रों को स्मार्टफोन के उपयोग की अनुमति देने के लाभकारी और हानिकारक प्रभावों को संतुलित करने के लिए मार्गदर्शक सिद्धांतों के रूप में काम करेंगे। न्यायालय ने कहा, स्कूलों को छात्रों को जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार, डिजिटल शिष्टाचार और स्मार्टफोन के नैतिक उपयोग के बारे में शिक्षित करना चाहिए। न्यायालय ने कहा, छात्रों को यह भी सलाह दी जानी चाहिए कि स्क्रीन-टाइम और सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने से चिंतित रहने, एकाग्रता कम होने और इंटरनेट पर डराने धमकाने की घटनाएं हो सकती है। न्यायाधीश ने 28 फरवरी को पारित आदेश में कहा, प्रौद्योगिकी के उपयोग के संबंध में पिछले वर्षों में बहुत कुछ बदल गया है।

■ दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा, फोन के उपयोग पर निगरानी रखी जानी चाहिए

धार्मिक वस्तुएं पहनीं हैं तो दो घंटे पहले आना होगा

■ राकेश नाथ

नई दिल्ली। एसएनबी

CUET यूजी परीक्षा

■ परंपरागत पोशाक पहनने पर रिपोर्टिंग एक घंटा पहले

■ लंबी आस्तीन वाले भारी कपड़े पहनने की अनुमति नहीं

देशभर के विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाले कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी यूजी) 2025 में यदि परीक्षार्थी आस्था से जुड़ी वस्तुएं वस्तुएं पहनकर आते हैं तो उन्हें परीक्षा में शामिल होने के लिए दो घंटे पहले रिपोर्ट करना होगा। इतना ही नहीं अगर उम्मीदवार परीक्षा केंद्र पर सांस्कृतिक अथवा परंपरागत पोशाक में आते हैं, तो उन्हें अंतिम रिपोर्टिंग समय से कम से कम एक घंटा पहले करना होगा ताकि परीक्षा की पवित्रता बनाए रखते हुए उम्मीदवार को बिना किसी असुविधा के उचित तलाशी के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

नेशनल टेस्ट एजेंसी ने सीयूईटी यूजी में शामिल होने के लिए ड्रेस कोड की गाइडलाइंस घोषित की है। एजेंसी ने परीक्षा में शामिल होने के लिए ड्रेस कोड का पालन करने का निर्देश दिया है। एजेंसी ने कहा है कि परीक्षा में लंबी आस्तीन वाले भारी कपड़े पहनने की अनुमति नहीं है। परीक्षा में कम एड़ी वाले चप्पल और सैंडल की अनुमति है, लेकिन जूते पहनकर परीक्षा में आने की अनुमति नहीं होगी। एनटीए की गाइडलाइंस के अनुसार यदि जांच के दौरान यह पाया जाता है कि कोई उम्मीदवार वास्तव में आस्था की ऐसी वस्तु के साथ कोई संदिग्ध उपकरण ले जा रहा है, तो उसे परीक्षा हॉल में इसे न ले जाने के लिए कहा जाएगा।

एजेंसी के अनुसार उम्मीदवारों को अत्यधिक संवेदनशील मेटल डिटेक्टरों की मदद से परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने से पहले गहन और अनिवार्य तलाशी से गुजरना होगा। उम्मीदवारों को किसी भी परिस्थिति में परीक्षा केंद्र के अंदर विभिन्न वस्तुओं को ले जाने की अनुमति नहीं है। कोई भी वस्तु जैसे पाठ्य सामग्री (मुद्रित या लिखित), कागज के टुकड़े, ज्योमेट्री और पेंसिल बॉक्स, प्लास्टिक पाउच, कैलकुलेटर, पेन, स्केल, राइटिंग पैड, पेन ड्राइव, इरेजर, कैलकुलेटर, लॉग टेबल, इलेक्ट्रॉनिक पेन व स्कैनर आदि वर्जित है। इसी प्रकार कोई भी संचार उपकरण जैसे मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, इयरफोन, माइक्रोफोन, पेजर, हेल्थ बैंड, आदि प्रतिबंधित होगा। अन्य वस्तुएं जैसे वॉलेट, गॉगल्स, हैंडबैग, बेल्ट, कैप आदि नहीं ला सकते हैं। कोई भी घड़ी व कलाई घड़ी, ब्रेसलेट, कैमरा आदि लाने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा कोई भी आभूषण और धातु की वस्तुएं, कोई भी खुला या पैक किया हुआ खाद्य पदार्थ, पानी की बोतलें, कोई अन्य वस्तु जिसका अनुचित उपयोग किया जा सकता है।

हमारी सरकार किसी के ऊपर बोझ डाले बगैर बेहतरीन आर्थिक प्रबंधन कर रही है। बजट में आप देख सकते हैं कि हमारा कैपिटल एक्सपेंडिचर काफी बढ़ा है।

—— हेमंत सोरेन, मुख्यमंत्री, झारखंड

बजट में गरीबी और बेकारी-बेरोजगारी दूर करने की कोई दृष्टि नहीं दिखी।

—— बाबू लाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री, झारखंड

‘बड़े सौदे नजर में हों तो छोटा होना पड़ता है’

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली।

■ हंसराज कॉलेज में गूंजी प्रो. वसीम बरेलवी की शायरी

हंसराज कॉलेज में प्रख्यात शायर प्रो. वसीम बरेलवी की शायरी का जादू ऐसा छाया की शिक्षक और छात्र झूम उठे। कॉलेज प्राचार्य प्रो. रमा के सम्मान में वाद-विवाद समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ और लोकप्रिय शायर वसीम बरेलवी ने एक घंटे से अधिक काव्य पाठ किया। तुम गिराने में लगे थे तुमने सोचा ही नहीं मैं गिरा तो मसअला बनकर खड़ा हो जाऊंगा और तलब की राह में पाने से पहले खोना पड़ता है, बड़े सौदे नजर में हों तो छोटा होना पड़ता है। युवाओं ने कई बार उनसे अपनी पसंदीदा पंक्तियों के लिए अनुरोध किया और उन्होंने युवाओं को निराश नहीं होने दिया।

कार्यक्रम में हंसराज कॉलेज की प्राचार्य प्रो. रमा, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रॉक्टर और दिल्ली की पूर्व मेयर प्रो. रजनी अब्बी, संयोजक डॉ. प्रभांशु ओझा समेत सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थी और शिक्षक उपस्थित रहे। प्रो. अब्बी ने कहा की वसीम बरेलवी हमारी साहित्यिक धरोहर हैं जिनकी एक-एक पंक्तियों में जीवन का गहन दर्शन है जहां प्रेम भी है और दर्द से उपजी पीड़ा का बयान भी। इस अवसर हंसराज कॉलेज द्वारा महात्मा हंसराज स्मृति साहित्य गौरव सम्मान से प्रो. वसीम बरेलवी को अलंकृत किया गया।

राजेंद्र गोयनका की पुस्तक संपूर्ण समाधान का विमोचन

नई दिल्ली (एसएनबी)। प्रभात प्रकाशन ने सोमवार को यहां संविधान क्लब के स्पीकर हॉल में संपूर्ण समाधान पुस्तक का विमोचन किया। यह पुस्तक राजेंद्र गोयनका द्वारा लिखित एक दूरदर्शी कृति है, जो भारत के ज्वलंत सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर व्यावहारिक और नीति-निर्माण योग्य समाधान प्रस्तुत करती है। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि नीतिगत सुधारों और समावेशी विकास की दिशा में इस पुस्तक की प्रासंगिकता को रेखांकित किया है।

उन्होंने कहा जिस तरह राजेंद्र गोयनका ने समाज के विविध समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया है, उसी तरह हर जागरूक नागरिक को आगे आकर समाज की समस्याओं के हल निकालने के लिए सहयोग देना चाहिए। मुझे विश्वास है कि यह पुस्तक नीति-निर्माताओं का ध्यान आकर्षित करेगी और भारत के भविष्य को दिशा देने में सहायक सिद्ध होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता पद्मभूषण राम बहादुर राय ने की। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक प्रशासनिक और आर्थिक सुधारों में बदलाव लाने की क्षमता रखती है और भारत की नीति-निर्माण प्रक्रिया में इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश डिजाइन एंड रिसर्च संस्थान की अध्यक्ष क्षिप्रा शुक्ला और पूर्व सांसद एवं अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विजय सोनकर शास्त्री भी उपस्थित रहे। उन्होंने कृषि, अर्थव्यवस्था, न्याय प्रणाली और शासन सुधारों से संबंधित पुस्तक में निहित महत्वपूर्ण विचारों पर प्रकाश डाला।

महिलाओं का सशक्तीकरण तभी जब वह बिना किसी डर के घूम सकें : हाईकोर्ट

■ नई दिल्ली (एसएनबी)।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि आजादी के दशकों बाद भी महिलाओं को सार्वजनिक स्थानों पर उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। उनका वास्तविक सशक्तीकरण तभी हो सकता है जब वह बिना किसी डर के स्वतंत्र रूप से घूम सके। उसे सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षित महसूस होना चाहिए। लेकिन कड़े कानून के बावजूद महिलाओं के प्रति आपराधिक घटनाएं अपराधियों के दुस्साहस को उजागर करता है। उन्हें लगता है कि उसे कुछ नहीं होने वाला है।

न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने उक्त टिप्पणी करते हुए आईपीसी की धारा 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए उस पर हमला करना या आपराधिक बल का प्रयोग करना) और 509 (शब्दों, इशारों के माध्यम से महिला की गरिमा का अपमान

■ अभियुक्त को दोषी ठहराने के आदेश को रखा बरकरार

करना) के तहत अपराधों के लिए उसे दोषी ठहराने वाले निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी। उन्होंने उसे दोषी ठहराने के अदालती आदेश को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति ने कहा कि अभियुक्तों के कृत्य दर्शाते हैं कि लड़कियां आज भी सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षित नहीं हैं। यह एक कठोर और परेशान करने वाली वास्तविकता है।

कोर्ट ने कहा कि चुप्पी और निष्क्रियता अपराधियों को सशक्त बनाती है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह उत्पीड़न के खिलाफ खड़ा हो और कानून के शासन को बनाए रखे। सबसे पहले ऐसा माहौल बनाया जाना चाहिए, जहां महिलाएं सुरक्षित हों। सार्वजनिक स्थानों को असुरक्षित बनाने वालों से सख्ती से निपटा जाना चाहिए।

जब तक ऐसा नहीं होता, महिलाओं की प्रगति पर सभी बातें सतही रहेंगी, क्योंकि वास्तविक सशक्तीकरण बिना किसी डर के जीने और स्वतंत्र रूप से घूमने के अधिकार से शुरू होता है। आरोप लगाया गया कि व्यक्ति ने शिकायतकर्ता की आपत्तियों के बावजूद बस में अनुचित इशारे किए और आंख मारी। उसने उसे थप्पड़ मारा। आरोपी ने उसे जबरन पकड़ लिया और उसके होठों पर चूमा और उसे जाने से मना कर दिया।

पश्चिम रेलवे
सामग्री प्रबंधन विभाग
विभिन्न सामग्रियों की आपूर्ति

ई–प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना सं. : एस/13/2025 दिनांक 28–02–2025

क्र.सं.	आइटम का संक्षिप्त वर्णन	प्रमात्रा	टी.ओ.डी.
106	पूरी असेम्बल की हुई फिसट बोगी की आपूर्ति	20 नग	26.03.2025
107	फ्लेक्सिबल पॉलि विनाइल क्लोराइड (पीवीसी) फ्लोरिंग शीटिंग रोल्स	1051 नग	27.03.2025
108	डम्प वाल्व GV12-ESRA, एलएचबी कोचेज के डिस्क ब्रेक सिस्टम के उपयोग हेतु, आइटम मैसर्स नॉर ब्रेम्से मेक के पार्ट नंबर II64108/0090024 के समनुरूप	248 नग	27.03.2025
109	पंच्ड ग्रिड परमानेंट फील्ड डायवर्टर रेजिस्टेंस (आरपीएस)	20 नग	27.03.2025
110	बीएल स्विच कम्पलीट	160 नग	27.03.2025
111	संशोधित डब्ल्यूएसपी के रीट्रो फिटमेंट की आपूर्ति, संस्थापन और प्रचालनारंभ	52 सेट	28.03.2025
112	ट्रैक्शन मोटर वाउंड स्टैटर असेम्बली तथा रोटर असेम्बली	4 नग	31.03.2025
113	इंजन AR-C18 केटरपिलर के अनुसार	1 नग	31.03.2025
114	हाई कैपेसिटी साइड बफर 15 KJ	416 नग	01.04.2025
115	6400 mm ओवर राइडिंग कर्व्ड स्विचेज 1 इन 8.5, बी जी, 52 Kg रेल	71 सेट	02.04.2025

विस्तृत सूचना, ईएमडी, क्रय प्रतिबंधों और विस्तृत निविदा शर्तों के संबंध में कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in तथा www.wr.indianrailways.gov.in देखें। 1141

लाइक करें : facebook.com/WesternRly • फॉलो करें : X.com/WesternRly

रंगिया मंडल में विद्युतीकरण कार्य

निविदा सूचना संख्या: EL-RNY-TRD-24-2024-25. दिनांक: 27-02-2025; निम्नवर्णित कार्य के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित किया जाता है। **कार्य का नाम** : न्यू बंगाईगाँव यार्ड में लाइन संख्या-19 और वर्कशॉप शंटिंग नेक के विस्तारित हिस्से का विद्युतीकरण कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹3,73,98,544.46/-; **अग्रिम राशि:** ₹ 3,37,000/-; निविदा के **बंद** करने की तिथि और समय **21-03-2025** को **15:00** बजे और बंद होने के बाद **21-03-2025** को **खोला जाएगा**। उपरोक्त ई-निविदा के निविदा दस्तावेजों के साथ पूरी जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होगी।

सीनियर डीईई/टीआरडी, रंगिया

पूर्वोत्तर सीमा रेल

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

फोरम फॉर इंडियाज इंटेलेक्चुअल ग्रोथ 2025 आयोजित

नई दिल्ली (एसएनबी)। जनकपुरी में स्थित हयात सेंट्रिक होटल में कृष्णा सोशल डोमिनिक ट्रस्ट और वाधवन इंडिया स्टॉक्स काउंसिल द्वारा फोरम फॉर इंडियाज इंटेलेक्चुअल ग्रोथ 2025 (23वां संस्करण) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में, एसडीएम पटेल नगर डॉ. नितिन शाक्य, उप तकनीकी अधिकारी डॉ. शिवजीत उपाध्याय, जेल प्रमुख अजय भाटिया, नेशनल अकाली दल अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा, निदेशक बी. तरुण बजाज, नूपुर सिन्हा, मुख्य परीक्षा अधिकारी डॉ. महेश शर्मा, निर्माता अनिल कुमार और कई रेजिडेंट अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक कमल वाधवान, निदेशक मनीष गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी सहायक अभ्यर्थियों को नामांकित किया गया। इस अवसर पर सभी नामी-गिरामी लोगों को डॉक्टरेट डिग्री से नवाजा गया। इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा ने जिनको डॉक्टरेट की डिग्री मिली है, उनको बधाई देते हुए कहा कि उनकी जिम्मेदारी समाज के प्रति और बढ़ जाती है।

महासत्संग आनंदम में श्रीश्री ने किया दो पुस्तकों का विमोचन

नई दिल्ली (एसएनबी)। आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक, गुरु देव श्रीश्री रवि शंकर ने राजधानी में आयोजित कार्यक्रम में पहली बार ओरिजनल सोमनाथ के दुर्लभ ज्योतिर्लिंगम का अनावरण किया। महासत्संग आनंदम में मुख्यमंत्री, रेखा गुप्ता, विधान सभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता, भाजपा की वरिष्ठ नेता रीता बहुगुणा जोशी समेत बड़ी संख्या में गण्यमान्य लोग मौजूद थे।

श्रीश्री रविशंकर ने यमुना को साफ करने की मुख्यमंत्री की प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए स्मरण किया कि आर्ट ऑफ लिविंग के मेरी दिल्ली, मेरी यमुना अभियान के अंतर्गत यह काम 2010 में ही शुरू कर दिया गया था। इस कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने दो महत्वपूर्ण पुस्तकों, मोदी की विदेश नीति और महिला सशक्तीकरण का विमोचन भी किया, जिनके लेखक आईसीपीआरडी के अध्यक्ष कुमार राजीव रंजन सिंह हैं। महिला सशक्तिकरण पुस्तक का संपादन वरिष्ठ पत्रकार अमित कुमार ने किया है। इन दोनों पुस्तकों का प्रकाशन डायमंड बुक ने किया है।

इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पर्यावरण के संरक्षण की ओर गुरुदेव के नेतृत्व के बारे में कहा मुझे अभी भी याद है गुरुदेव कि आपके मार्गदर्शन में आर्ट ऑफ लिविंग के हजारों कार्यकर्ताओं ने यमुना के घाटों को साफ करने का भीमकाय कार्य संभाला था। उन्होंने यमुना के हजारों ट्रक कचरा बाहर निकाला था। अब हम इस मिशन को और आगे ले जाएंगे, रिवरफ्रंट में बदलाव लाएंगे और आपकी उपस्थिति में एक भव्य महाआरती का आयोजन करेंगे। मैं, आपको आमंत्रित करने के लिए व्यक्तिगत रूप से स्वयं आऊंगी। वक्ताओं ने कहा कि ये दोनों पुस्तकें भारत की बदलती विदेश नीति और महिला सशक्तीकरण पर गहन शोध और विश्लेषण को दिखाती हैं। महिला सशक्तीकरण को भारत के विकास एजेंडा का सबसे मुख्य स्तंभ बताते हुए उन्होंने कहा कि ये पुस्तकें नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं और आम नागरिकों के लिए बहुत मायने रखती है।

अभियुक्त व्यक्तियों की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त (1) **हनी पुत्र राजू सक्सेना** (2) **राजू सक्सेना पुत्र श्रीराम दोनों निवासी मकान नंबर 42, भलस्वा डेयरी, दिल्ली** (3) **इकराम पुत्र इशरार निवासी ई-890, जेजे कॉलोनी, बवाना, दिल्ली** (4) **मुजीब उर्फ सुधी पुत्र शमी आलम निवासी ई-930, जेजे कॉलोनी, बवाना, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 1020/24 दिनांक 08.11.2024 भा.द.सं. 281/325/ 3(5) बीएनएस एण्ड 4/7/12 डीएसीपी एक्ट एण्ड 11/12 पीसीए एक्ट, थाना नरेला इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उन पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **हनी, राजू सक्सेना, इकराम** और **मुजीब उर्फ सुधी** मिल नहीं रहे हैं और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **हनी, राजू सक्सेना, इकराम** और **मुजीब उर्फ सुधी** फरार हो गए हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 1020/24 दिनांक 08.11.2024 भा.द.सं. 281/325/ 3(5) बीएनएस एण्ड 4/7/12 डीएसीपी एक्ट एण्ड 11/12 पीसीए एक्ट, थाना नरेला इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **हनी, राजू सक्सेना, इकराम** और **मुजीब उर्फ सुधी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **09.04.2025** को या उससे पूर्व हाजिर हों।

आदेशानुसार
सुश्री ज्योति नैन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-07, उत्तर कोर्ट नं.06
दि.पु./2165/बाहरी उत्तर/2025 — **प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली**

SANT HARI DASS COLLEGE OF HIGHER EDUCATION
(Affiliated to GGSIP University, Dwarka, New Delhi)
(Recognised by NCTE Govt. of India)
Opp. Air Force Station, Bani Camp, New Delhi -110043
Ph.: 011-25318735, 25318736
E-mail: santharidasscollege@gmail.com

Requirement for the post of Assistant Professor for Integrated Teacher Education Programme (ITEP, 4year BA-B.Ed.)

- English 01
- Hindi 01
- Communicative skills in English 01
- Communicative skills in MIL/ Classical Languages 01
- Educational Studies 03
- History 02
- Economics 02
- Political Science 02
- Geography 02

Requirement for BBA(G) Programme:

- Associate Professor 02

Requirement for the Administrative & Professional staff:

- Counsellor for Career Guidance & Counselling 01
- Computer Lab Assistant 01
- Assistant Librarian 01
- Accountant 01
- Data Entry Operator 01
- Receptionist/Office Assistant 01

Pay Scale & Qualification as per State Govt. norms/NCTE Norms.

Walk-in Interview on 29.03.2025 (Saturday), 10:00 AM onwards.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सुमित उर्फ सोनू पुत्र ऋषिपाल निवासी म.नं. जी-486, जहांगीर पुरी, दिल्ली** ने एफआईआर नं. **866/2021, अन्तर्गत धारा 25 आर्म्स एक्ट और 379 आईपीसी, थाना अलीपुर, बाहरी उत्तरी जिला, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुमित उर्फ सोनू** मिल नहीं रहा/रही है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुमित उर्फ सोनू** फरार हो गया/गई है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रही है) इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि एफआईआर नं. **866/2021, अन्तर्गत धारा 25 शस्त्र धारा और 379 आईपीसी, थाना अलीपुर, बाहरी उत्तरी जिला, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **03.04.2025** को **प्रातः 10:00 बजे** या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री रूबी नीरज कुमार
एलडी. सीजेएम, (उत्तर)
कोर्ट नं. 115, प्रथम तल
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/2626/ON/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी गौरव कपानी, पुत्रः** सुभाष चंद्र कपानी, **पताः** फ्लैट नंबर 171 ब्लॉक–एच अरुणोदय अपार्टमेंट विकासपुरी **दिल्ली एवं** एनएलबी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड कर्मचारी कोड – 1810 ए–66 सेक्टर 63 नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर, **उत्तर प्रदेश Case No: 12476/2018 U/S: 138 NI Act, पुलिस थानाः मंगोलपुरी दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **गौरव कपानी,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **गौरव कपानी,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **गौरव कपानी, Case No: 12476/2018 U/S: 138 NI Act, पुलिस थानाः मंगोलपुरी दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.04.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
रीतिका जैन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी
उत्तर–पश्चिम कोर्ट संख्या 105
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/2562/OD/2025
(Court Matter)

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य के लिए "खुली ई-निविदा" भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है जो उप मुख्य विद्युत इंजीनियर, कालोनी, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा आमंत्रित की जाती है:- **निविदा सूचना सं. एवं कार्य का विवरणः 05-2025-कालोनी, कार्य का नाम-** "गोरखपुर-रेलवे कार्यालयों में स्थापित स्पिलिट ए0सी0 (581 अदद) के ए0एम0सी0 01 वर्ष के लिये (2025-26) एवं अगले 01 वर्ष के लिये (2026-27) स्पिलिट ए0सी0 581 अदद के ए0एम0सी0 का प्रावधान (कुल 02 वर्ष के लिए)। **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹ 30,19,793.00, **बयाने की राशि (₹ में)** : ₹ 60,400.00, **ई-निविदा फार्म का मूल्य :** ₹ शून्य, **कार्य पूर्ण करने की समय/अवधि स्वीकृत पत्र जारी होने के तिथि से-** 24 माह। **नोटः** • ऑनलाइन-ई निविदा जमा करने की तिथि **21.03.2025** समय **17.00 बजे** तक। • इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा, ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुत करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/कालोनी/गोरखपुर
मुजाधि/विद्युत-254

"ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

Mahatma Gandhi Chitrakoot Gramodaya Vishwavidyalaya Chitrakoot
Distt.Satna (M.P.) 485334

Ref No. Pur/149 (D-6) — **Date**-03.03.2025

Notice Inviting e-Tender

Online bids for the following work are invited from organizations/institutes/ reputed firms registered in appropriate registration authorities.

NIT No	Name of Work	Cost of tender form
121/pur/etend	Expression of interest (EOI) is invited for the role of "Associate" to assist the university to conduct various theory and practical classes as mentioned in EOI document for Aviation course.	Rs. 5000.00

1. Interested bidders can view the NIT and tender detail on website http://mptenders.gov.in
2. The Bid Documents are available only online from 03.03.2025, 16.00 hrs to 01.04.2025 time 17.00 hrs. For other important dates please refer NIT document on site.
3. Amendments to NIT and tender document if any, would be published in http://mptenders.gov.in only, and not in newspaper

Ph 07670-265411 mail: purchase@gramodayachitrakoot.ac.in

Registrar

दोषियों के खिलाफ केस दर्ज जल्द होगी गिरफ्तारी : कालका

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने उत्तराखंड के ऋषिकेश में बुलेट मोटरसाइकिल डीलर दो सिख भाइयों से कुछ शरारती तत्वों द्वारा दास्तार उतारने और मारपीट करने के गंभीर मामले का नोटिस लेते हुए तुरंत स्थानीय अधिकारियों से संपर्क किया। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलो ने सोमवार को जारी एक बयान जानकारी दी। जैसे ही उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो मिला, जिसमें एक भीड़ दो सिख भाइयों के साथ मारपीट करती नजर आ रही थी, उन्होंने तुरंत कमेटी की टीम को इस वीडियो की जांच करने की हिदायत दी। जांच में सामने आया कि यह वीडियो ऋषिकेश का है, जहां पार्किंग को लेकर बुलेट मोटरसाइकिल एजेंसी के मालिक ने दो सिख भाइयों के साथ मारपीट की और उनकी दस्तार की भी बेअदबी की।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **संगीत उर्फ गोलू,** पुत्र मुकेश, निवासी-ए-211, गली नंबर 7, रमेश एन्क्लेव, किराडी, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट नंबर 685/2018 धारा 323/341/326/34 भा.द.स, थाना अमन विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **संगीत उर्फ गोलू** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **संगीत उर्फ गोलू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्‌घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **संगीत उर्फ गोलू, प्रथम सूचना रिपोर्ट नंबर 685/2018 धारा 323/341/326/34 भा.द.स, थाना अमन विहार, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 19.04.2025 को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
सुश्री निधि चिटकारा
न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी
कोर्ट नंबर 109
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/2576/RD/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **ओवैस मिर्ज़ा,** पुत्र शब्बू असलम मिर्ज़ा, निवासी मकान नं. 65बी, पीतम पुरा, गाँव पीतमपुरा, दक्षिणी पश्चिम दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 183/2021 धारा 325/341/506/34 भा.द.सं. थाना आई.पी. एस्टेट, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **ओवैस मिर्ज़ा** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **ओवैस मिर्ज़ा** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 84 BNSS की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 183/2021 धारा 325/341/506/34 भा.द.सं. थाना आई.पी. एस्टेट, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **ओवैस मिर्ज़ा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **29.04.2025** को हाजिर हो।

आदेशानुसार: सुश्री प्रीति,
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी -03 (केन्द्रीय),
केन्द्रीय जिला, कमरा नं. 150,
तीस हज़ारी कोर्ट, दिल्ली।

DP/2680/CD/2025

आधार हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड

Aadhar Housing Finance Ltd

कार्पोरेट कार्यालय: युनिट नं. 802, नटराज रुस्तमजी, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे एवं एम.वी. रोड़, अंधेरी (पूर्व), मुम्बई-400069.
गाजियाबाद शाखा: ओपीएस प्लाजा तीसरी मंजिल, बी-2, आरडीसी, राज नगर, गाजियाबाद 201002 (उ.प्र.)
प्राधिकृत अधिकारी – राकेश तिवारी, संपर्क नंबर: 8770625101
राजेन्द्र प्लेस शाखा: फ्लेट-21, दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नंबर बी-5, राजेंद्र पार्क, पूसा रोड, नई दिल्ली - 110060
प्राधिकृत अधिकारी – जगेंद्र प्रताप सिंह, संपर्क नंबर: 7840014405

निजी संधि के माध्यम से सरफेसी अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के तहत बिक्री के लिए संपत्ति

यह कि, प्राधिकृत अधिकारी, आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एएचएफएल) ने वित्तीय संपत्तियों के सुरक्षा और पुनर्निर्माण और सुरक्षा ब्याज अधिनियम, 2002 (सरफेसी अधिनियम, 2002) के प्रवर्तन संपत्ति के प्रसंस्करण के 13 (4) के अंतर्गत निम्न वर्णित सम्पत्ति (प्रतिभूत ऑस्ति) का समस्त शेष एवं सम्पूर्ण भाग को कब्जे मे ले लिया है प्राधिकृत अधिकारी को सुरक्षित ऋण की वसूली के लिए सरफेसी अधिनियम के तहत उपर्युक्त सुरक्षित संपत्ति के खिलाफ कुछ इच्छुक पार्टी से बिक्री की पेशकश प्राप्त हुई है। अब, प्राधिकृत अधिकारी सुरक्षा ब्याज (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 और 9 के संदर्भ में उपरोक्त संपत्ति की बिक्री के लिए नोटिस दे रहा है। खाते का विवरण इस प्रकार है:

क्रं	लोन कोड नं. /शाखा	ऋणी/सह–ऋणी का नाम	मांग सूचना दिनांक एवं राशि	आरक्षित मूल्य (RP)	कुल बकाया ऋण राशि दिनांक 06-01-2025 को	सुरक्षित संपत्ति का विवरण
1	(लोन कोड नं. 02910000216/ गाजियाबाद शाखा)	मोहम्मद अल्ताफ आलम (ऋणी) चांदनी प्रवीण (सह–ऋणी)	12-08-2024 & ₹ 4,48,699/-	₹ 6,00,000/-	₹ 4,90,106/-	संपत्ति का समस्त शेष एवं सम्पूर्ण भाग, प्लॉट नंबर 14 का आवासीय भाग, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज या 41.80 वर्ग मीटर, खसरा नंबर 577 से संबंधित, ब्लॉक-ई प्राइम सिटी 3 स्थित, ग्राम अच्छेजा, तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश - 20130 **चर्तुसीमाएँ:**– पूर्व- प्लॉट अन्य, पश्चिम- रास्ता 17 फीट चौड़ा, उत्तर- प्लॉट का शेष भाग, दक्षिण- कुसुम का प्लॉट
2	(लोन कोड नं. 36510000542/ राजेन्द्र प्लेस शाखा)	स्वर्गीय रश्मि शर्मा (कानूनी उत्तराधिकारी के माध्यम से प्रतिनिधित्व) (ऋणी) यश शर्मा (सह–ऋणी)	09-11-2024 & ₹ 20,44,016/-	₹ 11,00,000/-	₹ 20,72,228/-	संपत्ति का समस्त शेष एवं सम्पूर्ण भाग, (सामने का एलएचएस भाग) तीसरी मंजिल, छत के साथ संपत्ति का दाहिना भाग (पुराना प्लॉट नंबर 101 एवं 102), (नया नंबर 101 एवं 102) गली नंबर 11, ग्राम नवादा, उत्तम नगर, नवादा, पश्चिम दिल्ली - 110059 **चर्तुसीमाएँ:** पूर्व- मकान नं. डब्ल्यूई - 100, पश्चिम- मकान नं. डब्ल्यूई- 103 एवं 104, उत्तर- सड़क 10 फीट चौड़ी, दक्षिण - सड़क 20 फीट चौड़ी

प्राधिकृत अधिकारी सुरक्षित संपत्ति को बिक्री के लिए "जहां है", "जैसी है", "जो कुछ भी है" के आधार पर नीलाम करेगा। एएचएफएल संपत्ति पर लंबित किसी भी देनदारी के लिए ज़िम्मेदार नहीं है। प्राधिकृत अधिकारी किसी भी कारण के बिना प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है और बिक्री सुरक्षित लेनदार द्वारा पुष्टि के अधीन होगी। प्रस्तावित खरीदार की पेशकश की स्वीकृति पर, उसे 25% स्वीकृत मूल्य समावेशी समायोजन बयाना राशि जमा करना होगा और सुरक्षित ऋण–दाता द्वारा ऑफ़र की स्वीकृति की तारीख से 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर खरीदार द्वारा शेष राशि का भुगतान करना होगा। प्रस्तावित खरीदार को यह ध्यान रखना है कि निर्दिष्ट समय के भीतर उसके द्वारा शेष राशि के भुगतान की विफलता के मामले में, जमा राशि पहले ही जब्त की जाएगी और संपत्ति तदनुसार फिर से बेची जाएगी।

यह 15 दिनों का विक्रय नोटिस सरफेसी एक्ट 2002 के तहत आम तौर पर जनता विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं), सह उधारकर्ता(ओं), जमानतदार(ओं) को दिया जाता है कि उपर वर्णित अचल संपत्ति को सुरक्षित लेनदारों के पास बंधक/प्रभारित किया गया है। आधार हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड (एएचएफएल) सुरक्षित लेनदार, के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा **भौतिक कब्जा** ले लिया है, जिसे जहां है जैसी है तथा जिस अवस्था में है और आधार हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड की बकाया राशि के आधार पर बेचा जाएगा, बिक्री की तारीख से पहले पूर्ण रुप से, नीलामी विज्ञापन रोके जाने के लिए उत्तरदायी है।

यदि ऋणी (ओं), सह–ऋणी(ओं) के पास कोई खरीदार है, जो दिए गए आरक्षित मूल्य से अधिक कीमत पर गिरवी संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति खरीदने के लिए तैयार है, तो ऋणी (ओं), सह–ऋणी(ओं) को 19-03-2025 को या उससे पहले एएचएफएल को सूचित करना होगा, एएचएफएल उसे प्राथमिकता देगा। यदि ऋणी, सह–ऋणी 19-03-2025 को या उससे पहले सूचित करने में असफल रहते हैं, तो एएचएफएल ऊपर दिए गए आरक्षित मूल्य पर संपत्ति की बिक्री को आगे बढ़ाएगा।

नीलामी की तारीख 19-03-2025 तय की गई है।

स्थान : उत्तरप्रदेश
दिनांक : 04-03-2025

सही/– प्राधिकृत अधिकारी
आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

आचार्य ज्योतीन्द्र प्रसाद झा ‘पंकज’ गजल गायक अनिरुद्ध सिन्हा व गीतकार गरिमा को राष्ट्रीय स्मृति सम्मान

नई दिल्ली (एसएनबी)। साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्था ‘पंकज-गोष्ठी’ के तत्वावधान में आयोजित एक सम्मान समारोह सह काव्य-गोष्ठी में आचार्य ज्योतीन्द्र प्रसाद झा ‘पंकज’ राष्ट्रीय स्मृति सम्मान से मुंगेर के वरिष्ठ गजलकार एवं प्रख्यात आलोचक अनिरुद्ध सिन्हा व बंगलौर की विशिष्ट-चर्चित युवा कवयित्री गरिमा सक्सेना विभूषित किये गये।

■ सम्मानित विभूतियों ने कहा, हम गौरवांवित महसूस कर रहे हैं

पंकज-गोष्ठी न्यास के चेयरमैन डॉ. अमर नाथ झा और न्यासी पूनम झा ने दोनों साहित्य-सेवियों को पुष्प-गुच्छ, शाल, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पं. विद्वान प्रो. आचार्य ज्योतीन्द्र प्रसाद झा ‘पंकज’ और ‘पंकज-गोष्ठी’ के ऐतिहासिक साहित्यिक सांस्कृतिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए पंकज-गोष्ठी न्यास के चेयरमैन डॉ. अमर नाथ झा ने कहा कि साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में सेवारत विशिष्ट साहित्य-सेवियों को प्रतिवर्ष सम्मानित करना हमारे न्यास का एक विशेष ध्येय रहा है क्योंकि साहित्यिक-सांस्कृतिक-समृद्धि को भी हम राष्ट्र निर्माण का पथ मानते हैं। इसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विगत 70 वर्षों से मौन साधक के रूप में ‘पंकज-गोष्ठी’ साहित्य-साधना के अपने पथ पर चलायमान है।

इसी क्रम में बिहार के मुंगेर के वरिष्ठ समकालीन हिन्दी गजलकार और प्रख्यात आलोचक अनिरुद्ध सिन्हा एवं बंगलौर की चर्चित युवा गीतकार-नवगीतकार और दोहाकार गरिमा सक्सेना को आचार्य ज्योतीन्द्र प्रसाद झा ‘पंकज’ राष्ट्रीय स्मृति सम्मान से अलंकृत करते हुए हम गौरवांवित महसूस कर रहे हैं। सम्मानित प्रख्यात आलोचक और गजलकार अनिरुद्ध सिन्हा ने सम्मान स्वीकार करते हुए कहा कि आचार्य ‘पंकज’ जैसी महान विभूति के नाम से सम्मानित होकर हम बेहद गौरवांवित महसूस कर रहे हैं। गरिमा सक्सेना ने भी कहा कि आचार्य ज्योतीन्द्र प्रसाद झा ‘पंकज’ जैसे महान सांस्कृतिक-साहित्यिक व्यक्तित्व के नाम से सम्मानित होना हमारे जीवन की विशिष्ट उपलब्धि है। आज भी और आने वाले कल में भी देश की युवा पीढ़ी आचार्य ‘पंकज’ के आदर्शों से अनुप्राणित होती रहेंगी।

बजट आदिवासियों और मूलवासियों के हित में नहीं है। जिस उद्देश्य से झारखंड राज्य का निर्माण किया गया, उसका कोई विजन इसमें नहीं दिखा। यह हर वर्ग को धोखा देने वाला बजट है।

——— चंपई सोरेन, पूर्व मुख्यमंत्री, झारखंड

नई दिल्ली। मंगलवार • 4 मार्च • 2025 | राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

विधानसभा : सत्तापक्ष-विपक्ष के बीच तीखी नोंक-झोंक

सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

- विपक्ष की टोका-टाकी के चलते रुक-रुक कर चला सदन
- भाजपा विधायकों की विपक्ष को नसीहत, ऐसे नहीं चलेगा सदन

नई दिल्ली (एसएनबी)। विधानसभा की कार्यवाही में सोमवार को विपक्ष के शामिल होते ही अचानक नोंक-झोंक बढ़ गयी। नियम-280 एवं सीएजी की रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान विपक्ष के विधायक लगातार टोका-टाकी करते देखे गए।

विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के बार-बार चेतावनी देने के बावजूद विपक्ष की टोका-टाकी जारी रही। विपक्ष की दखलंदाजी के चलते सत्तापक्ष के विधायकों को बीच में रुकना पड़ा। विपक्ष के विधायकों की बार-बार टोका टाकी के बीच विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिगड़ गए और चेतावनी दे डाली, जिस दिन मैं विधानसभा अध्यक्ष की कुर्सी पर रहूंगा, तुम्हें सिखाऊंगा। इससे पहले विधायक तरविंदर मारवार ने भी विपक्ष को जमकर डांटा और नसीहत देते हुए कहा कि नियम-280 के दौरान बोलते समय टोका टाकी की परंपरा गलत है, अध्यक्ष जी इसे रोका जाए। नोंक-झोंक इतनी बढ़ गयी कि विधानसभा अध्यक्ष को आप के विधायक जनरैल सिंह, अनिल झा और कुलदीप कुमार को मार्शल बुलाकर बाहर निकालने का आदेश देना पड़ा। इसी नोंक-झोंक के बीच आखिर विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थिगित हो गयी।

नियम-280 के तहत भाजपा विधायकों ने अपने-अपने इलाके की समस्याएं उठाईं। जिस समय तरविंदर मारवाह बोल रहे थे, विपक्ष की तरफ से टोकी-टाकी शुरू की गयी। विपक्ष की टोका-टाकी पर उन्होंने जबरदस्त नाराजगी जताते हुए कहा कि आपको में मैं बताता हूं कि नियम-280 के तहत चर्चा के दौरान टोका-टाकी की परंपरा नहीं होनी चाहिए। यह परंपरा गलत है, इसे नहीं चलने देंगे। हालांकि इसके बाद भी विपक्ष भाजपा के दूसरे विधायकों के बीच में टोका-टाकी करता रहा। तरविंदर सिंह मारवाह के कुछ शब्दों को लेकर विधानसभा अध्यक्ष ने भी उन्हें रोका और नेता प्रतिपक्ष आतिशी के लिए सम्मान जनक शब्दों का इस्तेमाल करने को कहा। कैग की रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान मोहन सिंह बिष्ट जैसे ही बोलने को खड़े हुए, विपक्ष ने टोका-टाकी तेज कर दी। इससे मोहन सिंह बिष्ट बिखर गए। विपक्ष पर नाराजगी जताते हुए कहा कि आप लोगों ने विधानसभा को भिंडी बाजार बना रखा है, ऐसा नहीं चलेगा। सदन भी एक मर्यादा होती है, आप लोगों से उसे भी समाप्त कर दिया है।

भाजपा विधायक अशोक गोयल के संबोधन के दौरान आप विधायक अनिल झा ने असंवैधानिक टिप्पणी की। इससे विधानसभा अध्यक्ष ने नाराजगी जताते हुए अनिल झा से माफी मांगने को कहा। इस बीच आप के विधायक जनरैल सिंह ने सदन की कार्यवाही को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाली। इससे विधानसभा अध्यक्ष भड़क गए और उस पोस्ट को हटाने का निर्देश दिया। विधानसभा अध्यक्ष के कहने के बावजूद पोस्ट नहीं हटाने एवं विधायक कुलदीप कुमार को अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में सदन से बाहर निकालने का आदेश दे दिया। इससे पहले भाजपा विधायक करनैल सिंह ने प्वाइंट ऑफ आर्डर रखते हुए आप विधायक अनिल झा की टिप्पणी को हिन्दुओं की भावनाओं का अपमान बताते हुए मांफी मांगने की मांग की।

भाजपा के बजट में दिखेगी विकसित दिल्ली की झलक : सीएम

नई दिल्ली (एसएनबी)।

- महिलाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं व्यापारियों समेत हर वर्ग को छूने वाला होगा बजट : मुख्यमंत्री
- आमजन की भारीदारी के लिए जारी किया व्हाट्स ऐप नंबर, ईमेल आईटी

राजधानी के लोगों को इस बार विकसित दिल्ली का बजट मिलेगा। भाजपा की नई सरकार के वर्ष 2025-26 का बजट दिल्ली की महिलाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं व्यापारियों समेत अन्य क्षेत्रों पर आधारित होगा। वित्त मंत्री होने के नाते मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता 24 से 26 मार्च के बीच विधानसभा में बजट पेश करेंगी।

यह जानकारी उन्होंने विधानसभा सचिवालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दी। बजट लाने से पहले मुख्यमंत्री और मंत्री अलग-अलग क्षेत्र के लोगों से बात करेंगे। पांच मार्च को विभिन्न क्षेत्र की महिलाओं एवं संगठनों से मुख्यमंत्री विधानसभा परिसर में बुलाकर सुझाव मागेंगी और शाम को शिक्षा जगत से जुड़े लोगों से बात करेंगी। 6 मार्च को व्यापारियों से बात करके उनके सुझाव लेंगी। इसके साथ आम जन भी अपने सुझाव दे सकते हैं। इसके लिए सरकार ने एक व्हाट्स ऐप नंबर-9999962025 और ईमेल आईडी viksit-delhibudget-25@delhi.gov.in, viksit-delhibudget-25@delhi.gov.in जारी की है। मुख्यमंत्री के साथ मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, मनजिंदर सिंह सिरसा, आशीष सूद, रविंदर सिंह इंद्राज,कपिल मिश्रा एवं डॉ. पंकज कुमार सिंह भी थे। मुख्यमंत्री की यह पहली औपचारिक प्रेस कॉफ्रेंस थी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बजट की तैयारी शुरू हो गयी है। अधिकारियों से कहा गया है कि बजट में दिल्ली को विकसित करने की छवि नजर आनी चाहिए। भाजपा सरकार का यह बजट दिल्ली के आम जन की आकांक्षाओं के अनुरूप होगा। समाज के हर वर्ग को बजट में शामिल करने की कोशिश होगी। विभागाध्यक्षों को निर्देश दे दिए गए हैं कि भाजपा के चुनाव संकल्प पत्र में शामिल महिलाओं को आर्थिक मदद, गरीबों को सस्ता भोजन, समाज कल्याण को लेकर बजट में फोकस रखा जाए। उन्होंने आग्रह किया है जो महिलाएं, संगठन बैठक आएं और अपने सुझाव लिखित में लेकर आएं।

पांच मार्च को सुबह राजधानी भर की महिलाओं एवं संगठनों के साथ और शाम को शिक्षा जगत से जुड़े लोगों के साथ मुख्यमंत्री विधानसभा परिसर में बातचीत करके सुझाव लेंगी। अगले दिन 6 मार्च को व्यापारियों के साथ बैठक होगी और उनके सुझाव लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्री और उनके विधायक अलग-अलग क्षेत्र के लोगों यानी ग्रामीण, युवाओं, किसान, अनधिकृत कालोनियों के लोगों से संपर्क करके उनके सुझाव लेंगे। यह बजट पूरी तरह से आम जन को समर्पित होगा। बजट में गरीबों को सस्ता पौष्टिक भोजन, यमुना सफाई, पानी-सीवर, जन कल्याणाकारी योजनाओं, प्रदूषण कम करना, मजबूत सार्वजनिक परिवहन प्रणाली का ध्यान रखा जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग में सब कुछ नकली था, केवल भुगतान असली : रेखा गुप्ता

- दस साल से दिल्ली में घोटालों की सरकार थी
- मुझे आतिशी की चिंता है, केजरीवाल उन्हें फंसाकर कहां छिप गए : मुख्यमंत्री
- आतिशी ने गलती मानकर अच्छा परिचय दिया

नई दिल्ली (एसएनबी)। विधानसभा में सीएजी की रिपोर्ट पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विपक्ष कर कड़ा हमला बोला। उन्होंने विपक्ष की खिंचाई करते हुए कहा कि केजरीवाल की सरकार में स्वास्थ्य विभाग में सब कुछ नकली था, केवल भुगतान असली था। डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की कमी के चलते स्वास्थ्य सेवाएं ठप हो गयी थीं। आज भी डयूटी मेडिकल अधिकारियों के 235 पद खाली पड़े हैं। नर्सिंग स्टाफ के कुल स्वीकृत 7977 पदों में से 5791 लोग कार्यरत हैं। यानी 2186 पद आज भी खाली हैं। केजरीवाल ने 10 साल में दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था को चौपट कर दिया है। नेता प्रतिपक्ष आतिशी के प्रति हमदर्दी दिखाते हुए कहा कि हमें आपकी चिंता है। आपने गलती स्वीकार करके अच्छा परिचय दिया है।

मुख्यमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष के संबोधन पर तंज कसते हुए कहा कि आप के नेताओं में एक खूबी है कि आखिर में वह अपनी गलती को स्वीकार कर लेते हैं। आतिशी का नाम लेते हुए कहा कि चाहें इनमें कितनी खामियां हैं, लेकिन अपनी गलती मान ली है। उन्होंने कहा कि आप केजरीवाल की इतनी तरफदारी नहीं करिए। आतिशी को फंसा कर केजरीवाल कौन से बिल में छुप गए हैं। आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे इस बात की चिंता है कि कहीं आतिशी के साथ भी वैसा ही व्यवहार न हो। रेखा गुप्ता ने कहा कि कहा कि पूर्व सरकार केवल घोटालों की सरकार थी। सफाई के नाम पर घोटाला, दवाई के नाम पर घोटाला, जांच के नाम पर घोटाला, इलाज के नाम पर घोटाला, बेड के नाम पर घोटाला, भर्ती के नाम पर घोटाला हुआ है। दिल्ली सरकार का एक विभाग कर्ज में डूबा है। हमारी नीति और नीयत साफ है, हम दिल्ली को भयंकर हालात से बाहर लेकर जाएंगे और दिल्ली के लिए बेहतर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि बीते 10 साल में आप की सरकार ने स्वास्थ्य के नाम केवल भ्रष्टाचार किया है। उन्होंने कहा कि कोरोना के दौरान लाखों लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। इसके लिए केजरीवाल सरकार जिम्मेदार थी।

दिल्ली में कोरोना के समय लाखों लोगों को जो परेशानियां उठानी पड़ी उसके लिए केजरीवाल सरकार जिम्मेदार थी। आम आदमी पार्टी सिर से लेकर पैर तक भ्रष्टाचार में डूबी हुई है, ध्यान भटकाने के लिए इधर उधर की बात करते हैं। अभी तो कैग की दो रिपोर्ट आई हैं, 12 रिपोर्ट बाकी हैं। इतने में ही आप के नेता बौखला गए हैं। केवल इतनी बात नहीं है, आज भी कोरोना काल की घटनाओं को सोचकर दिल दहल जाता है।

आतिशी व संजय के खिलाफ संदीप दीक्षित की मानहानि मामले की सुनवाई 12 को

नई दिल्ली (एसएनबी)। अदालत कांग्रेस के पूर्व सांसद संदीप दीक्षित की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह के खिलाफ दाखिल मानहानि शिकायत पर 12 मार्च को सुनवाई करेगी। राऊज एवेन्यू कोर्ट के एसीजेएम पारस दलाल ने शिकायतकर्ता दीक्षित को पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी और राज्यसभा सांसद सिंह को कथित मानहानि वाले इंटरव्यू वाली पेन ड्राइव की एक कॉपी मुहैया कराने का निर्देश दिया है।

पिछली सुनवाई में अदालत ने नोटिस जारी किया था। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आप नेताओं ने जानबूझकर दीक्षित की छवि को नुकसान पहुंचाया है। यह मुद्दा आतिशी एवं संजय सिंह की प्रेस वार्ता से संबंधित है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि दीक्षित ने न केवल भाजपा से करोड़ों रुपए लिए, बल्कि उनकी पार्टी (कांग्रेस) ने आप को हराने के लिए भाजपा के साथ सांठगांठ भी की। दीक्षित ने नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से पूर्व मुख्यमंत्री और आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मौजूदा विधानसभा चुनाव लड़ा था।

एमसीडी में अप्रैल में बनेगा भाजपा का मेयर : इकबाल सिंह

- सदन की बैठक स्थगित होने पर आप को जनता ने नकार दिया : नेता प्रतिपक्ष

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष सरदार राजा इकबाल सिंह ने सोमवार को संशोधित बजट अनुमान पर निगम सदन में हंगामे के बीच अपने सुझाव पेश किए। लेकिन मेयर महेश कुमार खिंजी ने बजट अभिभाषण पूरा होने से पहले ही सदन की बैठक स्थगित कर दी। नेता प्रतिपक्ष ने इसे निंदनीय बताते हुए कहा कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया सही नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे पास बहुमत का संख्याबल था, बावजूद इसके हमने नेता प्रतिपक्ष के तौर पर बजट पढ़ा। उन्होने कहा कि एमसीडी में अप्रैल में भाजपा का मेयर बनेगा। चूंकि जनता ने आम आदमी पार्टी को जनता ने नकार दिया है, इसलिए जल्द ही निगम में भी भाजपा की सत्ता होगी।

राजा इकबाल सिंह ने सदन की बैठक स्थगित होने के बाद प्रेसवार्ता कर निगम में काबिज आम आदमी पार्टी पर नकारात्मक राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आप सदन को अवरोध कर रही है और वह बजट पर सकारात्मक सुझावों को नहीं सुनना चाहती। आप सरकार न तो दिल्ली नगर निगम का हित चाहती है न ही दिल्ली की जनता का। क्योंकि बजट किसी भी संस्थान के लिए अहम होता है, ऐसे में बजट भाषण पर सदन को स्थगित करना आप का लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास न होने का प्रमाण है। साथ ही यह भी दर्शाता है कि आप निगम में अपनी नाकामी और भ्रष्टाचार को छिपाना चाहती है। आप सरकार ने पिछले तीन साल में निगम को ठप कर दिया है।

उन्होंने कहा कि नेता सदन जो कि जिम्मेदार व्यक्ति होता है, लेकिन वह भी सदन में हंगामा कर रहे थे। जबकि नेता सदन संख्याबल न होने की वजह से इस पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार खो चुके हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास निगम मेयर बनाने का पर्याप्त संख्याबल है, ऐसे में अप्रैल में भाजपा का ही मेयर बनेगा।

सरकार की उदासीनता के चलते नहीं मिला स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ : डॉ. पंकज

- ब्लैक लिस्टेट कंपनियों से खरीदी गईं दवाईयां : स्वास्थ्य मंत्री
- सरकार ने खजाने को नुकसान पहुंचाने के साथ ही मानवता को किया शर्मसार

नई दिल्ली (एसएनबी)। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने सीएजी की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा है कि पूर्व सरकार की उदासीनता के चलते स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट हो गयी। जहां एक तरह सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाकर जरूरतमंदों को लाभ नहीं मिल पाया, वहीं मानवता को शर्मसार होना पड़ा है। विधानसभा में चर्चा में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि ब्लैक लिस्टेट कंपनियों से दवाईयां खरीदीं गईं और रोगियों को एक्सपायरी डेट की दवाएं वितरित की गयीं। हमारी सरकार का प्रयास है कि दिल्ली के हर व्यक्ति को बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था मिले और सरकारी खजाने को किसी तरह का नुकसान न हो। विधायक अभय वर्मा, डॉ. अनिल गोयल ने भी चर्चा में हिस्सा लिया।

डॉ. सिंह ने कहा कि पूर्व सरकार रोगियों की जरूरत के मुताबिक उपकरण खरीदने में असफल रही है। अस्पतालों में दवाइयां प्राइवेट केमिस्ट से खरीदी गयीं। जिससे सरकार को भारी वित्तीय नुकसान हुआ है। इससे पता चलता है कि केजरीवाल सरकार ने दिल्ली की जनता को धोखा देने का काम किया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने दिल्ली राज्य स्वास्थ्य मिशन के तहत जारी बजट का सदुपयोग नहीं किया। रिपोर्ट के मुताबिक जनविरोधी और असंवेदनशील सरकार ने केंद्र सरकार की ओर से मिली धनराशि का भी पूर्ण इस्तेमाल नहीं किया। कोरोना संकट के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार दिन रात लोगों की सेवा में लगी रही, लेकिन केजरीवाल सरकार ने आवंटित बजट को भी खर्च नहीं किया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार में मातृ शिशु देखभाल पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। गर्भवती महिलाओं को आहार देने भारी कोताही बरती गयी। ईडब्ल्यूएस श्रेणी के मरीजों को बड़े अस्पतालों में इलाज की सुविधा नहीं मिली। जिन अस्पतालों ने ईडब्ल्यूएस के मरीजों का इलाज नहीं किया, सरकार ने उनके विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की। इस प्रकार की अनियमितता में जो लोग भी शामिल थे उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

आगरा की रहने वाली महिला को यूएई में दी गई फांसी, केंद्र ने हाईकोर्ट को बताया

नई दिल्ली (एसएनबी)। केंद्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट को बताया कि यूपी की शहजादी को 15 फरवरी को यूएई में फांसी दे दी गई है। केंद्र सरकार के मुताबिक शहजादी का अंतिम संस्कार पांच मार्च को किया जाएगा। उसके बाद कोर्ट ने शहजादी के पिता की याचिका का निपटारा कर दिया। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने न्यायमूर्ति सचिन दत्ता से कहा कि शहजादी के परिवार को आबू धाबी जाने में संबंधित अधिकारी हर संभव मदद कर रहे हैं जिससे वे वहां जाकर उसका अंतिम संस्कार कर सकें। महिला को मौत की सजा 31 जुलाई, 2023 को सुनाई गई थी। वह अल वहावा केंद्रीय कारागार में कैद थी। शहजादी की पिता ने यूएई में बेटी की मौत की सजा पर विदेश मंत्रालय से हस्तक्षेप करने की मांग की थी। यूएई में भारतीय दूतावास को 28 फरवरी, 2025 को यूएई सरकार ने सूचना दी थी कि शहजादी को फांसी की सजा दे दी गई है। आगरा के रहने वाले उजैर ने उसे एक दंपति के पास काम करने के लिए छोड़ दिया था। उसने शहजादी को लक्जरी लाइफ और उसके चेहरे के इलाज का लालच देकर वहां पर आगरा के ही रहने वाले एक दंपति के हाथों बेच दिया गया था।

प्रदूषण की रोकथाम में इलेक्ट्रिक वाहनों की महती भूमिका

नई दिल्ली (एसएनबी)। सीकुडो इलेक्ट्रिक इंडिया के संस्थापक अध्यक्ष प्रशांत वशिष्ठ ने यहां पर्यावरण रोकथाम में इलेक्ट्रिक वाहनों की भूमिका विषयक की एक कार्यशाला में कहा वायु में बढ़ते प्रदूषण की रोकथाम में इलेक्ट्रिक वाहनों की महती भूमिका है। लेकिन चिंता वाले तथ्य यह है कि देश में सुरक्षित चार्जिंग आउटलेट्स अपर्याप्त है। जरूरत है कि प्रभावी चार्जिंग समाधान विकसित करने के लिए सार्वजनिक प्राधिकरणों, निजी वित्त पोषण स्रोतों और तकनीकी विकास टीमों के बीच आवश्यक सहयोग की जरूरत है।

संजय वन में विरासतों का अनावरण

- जर्जर विरासतों का खोया गौरव लौटाना उद्देश्य : एलजी

नई दिल्ली (एसएनबी)। उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने सोमवार को संजय वन में पुनर्विकसित विरासतों का अनावरण किया। इन विरासतों का सरंक्षण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन 'विकास भी, विरासत भी' को ध्यान में रखते हुए किया गया है। उप राज्यपाल का कहना था कि यह दोनों ऐतिहासिक विरासतें हैं और उन्हें उनके मूल रूप में विकसित किया गया है।

इस मौके पर स्थानीय सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, विधायक गजेंद्र सिंह यादव, डीडीए उपाध्यक्ष विजय कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी भौजूद थे।

उप राज्यपाल ने कहा है कि उनकी कोशिश है कि दिल्ली की विरासतों को उनका पुराना गौरव वापस मिले। जिससे दिल्ली के लोग उनके स्टाक होल्डर बन सकें। संजय वन दिल्ली के प्रमुख हरित हवादार क्षेत्रों में से एक है और पक्षी प्रेमियों और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक मील का पत्थर साबित हो रहा है। इन दोनों विरासतों और कुएं को उसके मूल गौरव में बहाल किया गया है। ऐतिहासिक संरचनाओं में एक जल झरना स्थापित किया गया है। बहाली का कार्य प्राकृतिक परिवेश को प्रभावित किए बगैर किया गया है। उप राज्यपाल ने पहली बार मई 2023 में संजय वन का दौरा किया था। उस समय यह स्थल बेहद जीर्ण शीर्ण स्थिति में था, विरासत संरचनाएं टूटी हुई थीं और पेड़-पौधों के चारों तरफ कचरा फैला हुआ था। सालों की उपेक्षा की वजह से यहां की सुंदरता समाप्त होती दिख रही थी। ऐसा लग रहा था, जैसे वह इतिहास के पन्नों में खोने वाली है। इन विरासतों के संरक्षण का काम युद्ध स्तर कर किया गया। सभी जीर्ण-शीर्ण विरासत संरचनाओं को उनके प्राचीन ऐतिहासिक गौरव में बहाल किया गया है और सीधे उनके पर्यवेक्षण में इस स्थल को एक उल्लेखनीय सार्वजनिक हरित स्थल में बदल दिया गया है।

उप राज्यपाल ने कहा कि यह देशी और दुर्लभ प्रवासी पक्षी प्रजातियों के घर के रूप में विकसित हुआ है। यह क्षेत्र पृथ्वीराज चौहान और तोमर वंश के अनंगपाल द्वितीय के समय की विभिन्न ऐतिहासिक संरचनाओं से युक्त है। यहां की वास्तुकला 13वीं और 14वीं शताब्दी ईश्वी के दौरान प्रचलित संरचनाओं का संकेत देती है। हालांकि 12वीं शताब्दी के आसपास निर्मित किला राय पिथौरा के अवशेष भी इस क्षेत्र के आसपास देखे जा सकते हैं। राष्ट्रीय राजधानी में विरासत संरचनाओं को बहाल करने में डीडीए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। महरौली पुरातत्व पार्क का संरक्षण, सेंट जेम्स चर्च और हजरत निजामुद्दीन बस्ती नवीकरण डीडीए द्वारा हाल ही में शुरू की गई कुछ अन्य परियोजनाएं हैं।

विधानसभा : स्वास्थ्य विभाग की कैग रिपोर्ट लोक लेखा समिति को भेजी

- समिति तीन महीने में देगी रिपोर्टः विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग की सीएजी रिपोर्ट की जांच विधानसभा की पब्लिक अकाउंट्स कमेटी (लोक लेखा समिति) करेगी। सीएजी रिपोर्ट पर चर्चा के बाद विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने यह निर्णय लिया है। लोक लेखा समिति तीन महीने में जांच रिपोर्ट विधानसभा को सौंपेगी। सदन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सीएजी रिपोर्ट में गंभीर खुलासे किए गए हैं। सीएजी की लोक स्वास्थ्य अवसंरचना एवं स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन की रिपोर्ट पर विस्तृत चर्चा हुई। इस रिपोर्ट में वर्ष 2016-17 से 2021-22 की अवधि का उल्लेख किया गया है। गुप्ता ने कहा है कि रिपोर्ट के मुताबिक स्वास्थ्य सेवाएं खस्ताहाल हैं। डॉक्टरों एवं नर्सिंग स्टाफ की भारी कमी थी। एक भी अस्पताल नहीं बनाया गया। वित्त वर्ष 2018-19 में आवंटित बजट का 78.41 फीसद बजट का इस्तेमाल नहीं हो पाया।

मोटापे की राजधानी बनने की ओर बढ़ रही दिल्ली !

■ ज्ञानप्रकाश

नई दिल्ली। एसएनबी

वर्ड ओबेसिटी डे पर बोले विशेषज्ञ

- हर 10 में से 4 व्यक्ति मोटापे का शिकार
- मोटापा सिर्फ एक सौंदर्य से जुड़ी समस्या नहीं बल्कि यह गंभीर मेडिकल कंडीशन
- शहरी क्षेत्रों में पुरुषों व बच्चों की अपेक्षा महिलाओं को मोटापे का ज्यादा खतरा

वर्ड ओबिसिटी डे के अवसर पर सोमवार को विशेषज्ञों ने कहा कि मोटापा की वजह से अस्पतालों में शल्यक्रिया के साथ ही संचारी और गैर संचारी रोगों के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। एम्स के निदेशक डा. एम श्रीनिवास ने कहा कि मोटापा एक साइलेंट किलर दिल्ली के घरों में चुपचाप घुस रहा है। कभी फास्ट फूड के जरिए, कभी सुस्त जीवनशैली के सहारे, तो कभी मोबाइल, लैपटॉप और टीवी के सामने बिताए गए घंटों के कारण।

मोटापा, एक शारीरिक स्थिति जो हमें सोचने पर मजबूर कर रही है लेकिन नियंत्रित करना मुश्किल हो गया है। आंकड़ों के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में करीब 81 फीसद लोग मोटापे या अधिक वजन से ग्रस्त हैं। भारत में मोटापे की दर कोविड-19 के बाद तेजी से बढ़ी है। इसकी वजह अंधाधुंध एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन, अनियंत्रित खानपान, व्यायाम से दूर रहना है।

वहीं, मिनिमल एक्सेस स्मार्ट सर्जरी हॉस्पिटल (मैश) के चिकित्सा निदेशक और मिनिमल एक्सेस सर्जरी के चीफ डा. सचिव अंबेडकर ने कहा कि मोटापा सिर्फ सौंदर्य से जुड़ी समस्या नहीं बल्कि यह एक गंभीर मेडिकल कंडीशन है जो मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और यहां तक कि विभिन्न प्रकार के कैंसर का भी कारण बन सकती है। आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों, विशेष रूप से मिनिमल एक्सेस सर्जरी के माध्यम से इस समस्या का प्रभावी समाधान संभव है।

जानलेवा मोटापे का इलाज नई तकनीकों से संभव : मैश समूह की संस्थापक एवं सीईओ मानसी बंसल झुनझुनवाला ने कहा कि बलूनिंग, 3डी लेप्रोस्कोपिक वर्टिकल स्लीव गैस्ट्रेक्टॉमी, 3डी मिनी गैस्ट्रिक बायपास और 3डी लेप्रोस्कोपिक रॉक्स एन वाय गैस्ट्रिक बायपास जैसी उन्नत वेट लॉस सर्जरी तकनीकें उपलब्ध हैं। प्रोसेस्ड और हाई-कैलोरी फूड, सॉफ्ट ड्रिंक्स और पैक्ड जूस में अधिक चीनी, बड़े पोर्शन साइज, जंक फूड और स्ट्रेस के कारण ओवरईटिंग मोटापे के प्रमुख कारण हैं। तेजी से बढ़ते शहरीकरण और एक्सरसाइज की कमी ने भी इसे बढ़ावा दिया है, जबकि मोबाइल, लैपटॉप और टीवी के सामने बिताया गया अधिक समय निष्क्रिय जीवनशैली को बढ़ा रहा है।

हर शख्स इसकी जद में : डा. सचिन ने कहा कि मोटापा न केवल शरीर की बनावट को प्रभावित करता है, बल्कि यह हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर, टाइप-2 मधुमेह, बांझपन और ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है। इसके अलावा, स्तन, पेट, कोलन और किडनी कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है, जिससे डिप्रेशन और एंग्जायटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

जरूरी टिप्स : मोटापे की बढ़ती समस्या और इसके दैनिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की। उनके अनुसार, हर 10 में से 4 व्यक्ति बढ़े हुए वजन के शिकार हैं। शहरी क्षेत्रों में महिलाएं इस समस्या से सबसे अधिक प्रभावित हैं, उसके बाद पुरुषों और बच्चों का नंबर आता है। यदि किसी व्यक्ति का बॉडी मास इंडेक्स 26 से अधिक है, तो वह अधिक वजन (ओवरवेट) की श्रेणी में आता है, जबकि बीएमआई 29 से ऊपर होने पर व्यक्ति मोटापे (ओबेसिटी) का शिकार माना जाता है। उधर, एम्स में डिपार्टमेंट ऑफ कार्डियालॉजी के चीफ डा. राकेश यादव ने कहा कि भारत में मोटापे की दर कोविड-19 के बाद तेजी से बढ़ी है। इसके लिए कोविड के दौरान दवाओं के हैवी डोज, अंगों पर पड़े दुष्प्रभाव के बाद ज्यादा पौष्टिक आहार का सेवन करने, लेजीनेस, व्यायाम आदि न करना मुख्य कारण के रूप में देखा जा रहा है।

पालम के लोगों को मिल सकता है अत्याधुनिक नया अस्पताल

- आयुष्मान आरोग्य मंदिर की व्यवस्था देखने पहुंचे जेपी नड्डा

नई दिल्ली (एसएनबी)। पालम के लोगों को नया अत्यधुनिक अस्पताल मिलेगा। पालम गांव के लोगों एवं 360 गांव के पंचायत प्रमुख सुरेंद्र सोलंकी की मांग पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया है। उनके साथ स्थानीय भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, विधायक कुलदीप सोलंकी, पार्षद सीमा पंडित, अध्यक्ष अमन जांगड़ा समेत अन्य गण्यामन्य लोग मौजूद थे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी के साथ सोमवार को पालम गांव स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर पहुंचे और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की तैयारियों का निरीक्षण किया। आयुष्मान अरोग्य मंदिर परिसर में पौधारोपण किया।

पालम के 360 गांव के पंचायत प्रमुख समेत अन्य लोगों ने केंद्रीय मंत्री का नागरिक अभिनंदन किया और दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर नड्डा ने उनकी मानें सुनीं और आश्वस्त किया कि वह गंभीरता पूर्वक विचार करेंगे। गांव के लोगों ने एक पुराने अस्पताल का जिक्र करते हुए कहा कि यहां 50 बिस्तर का एक अस्पताल था, लेकिन बंद हो गया। पालम क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग के पास करीब 3 एकड़ जमीन है, इस जमीन का इस्तेमाल अस्पताल बनाने में किया जा सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने उनकी बात सुनी और सहानुभूति पूर्वक विचार करने का आाश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि आयुष्मान योजना दिल्ली में लागू होने से मध्यम वर्ग के लोागें को लाभ मिलेगा। लंबे समय बाद दिल्ली के लोगों की एक बड़ी मांग पूरी हुई है। पूर्व सरकार ने दिल्ली के गरीबों को मुफ्त इलाज की सुविधा से वंचित रखा था। भाजपा सरकार आते ही आयुष्मान योजना लागू कर दी है।

रोजगार की कमी के कारण केरल छोड़ रहे हैं युवक।

— प्रकाश जावड़ेकर, केरल में भाजपा के प्रभारी

परीक्षा से बचने के लिए नाबालिग बेंगलुरू भागकर मजदूर बना

नई दिल्ली (एसएनबी)। रोहिणी जिले में 17 वर्षीय एक छात्र परीक्षा देने से बचने के लिए अपना घर छोड़कर चला गया और 2,000 किलोमीटर से अधिक दूरी तय कर एक निर्माण स्थल पर मजदूरी करने लगा तथा झुग्गी बस्ती में रहने लगा। परिजनों ने बुद्ध विहार थाने में 21 फरवरी को उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी।

■ **परिजनों ने बुद्ध विहार थाने में 21 फरवरी को दर्ज कराई थी गुमशुदगी की शिकायत**

पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया, लड़का कनॉट प्लेस स्थित एक प्रतिष्ठित स्कूल की 11वीं कक्षा में पढ़ता था। पढ़ाई में उसकी बिल्कुल रुचि नहीं थी। जांच से पता चला है कि वह अपनी वार्षिक परीक्षा नहीं देना चाहता था। 21 फरवरी को वह घर से निकला और उसने अपने पिता को संदेश भेजा कि वह घर से जा रहा है और कोई उसकी तलाश न करे। वह दिल्ली से बेंगलुरू चला गया और वहां एक निर्माण स्थल पर मजदूरी करने लगा।

मामले की जानकारी मिलने के बाद लड़के की तलाश के लिए कई टीम गठित की गईं। उन्होंने बताया कि इस मामले में अपहरण का पहलू जानने के लिए कई सूत्रों को सक्रिय किया गया। बाद में गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया और तमिलनाडु के कृष्णागिरी क्षेत्र (कर्नाटक-तमिलनाडु सीमा के पास) से लड़के को खोज लिया गया। नाबालिग ने बेंगलुरू में एक परिचित व्यक्ति से संपर्क किया था और ट्रेन से वहां पहुंचा था। जब टीम ने उसे खोजा तो वह निर्माण स्थल के पास एक झुग्गी में रह रहा था।

ऑपरेशन मिलाप के तहत पांच वर्षीय लापता बच्चे को पुलिस ने माता-पिता से मिलवाया

नई दिल्ली (एसएनबी)। नॉर्थ जिला के लाहौरी गेट थाने के चर्च मिशन चौकी पुलिस ने ऑपरेशन मिलाप के तहत लापता हुए पांच वर्षीय बच्चे को उसके माता पिता से मिलवाया है। बच्चे के मिलने के बाद माता -पिता ने दिल्ली पुलिस का दिल से शुक्रिया अदा किया है। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दो मार्च को लगभग 07:15 बजे, चर्च मिशन रोड के क्षेत्र में नेशनल क्लब में व्यवस्था ड्यूटी के दौरान, लगभग पांच वर्षीय बालक श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग, लाहौरी गेट, दिल्ली के पास फुटपाथ पर बैठा और रोता हुआ पाया गया। स्थिति को देखते हुए, लापता बालक को पुलिस कर्मचारियों ने अपनी सुरक्षा में ले लिया और उसे पीपी चर्च मिशन रोड लाया गया। इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी गई।

पुलिस टीम को लापता बच्चे के परिवार का पता लगाने के लिए नियुक्त किया, बच्चे की काउंसलिंग की गई, लेकिन वह कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहा था और यहां तक कि अपने परिवार के सदस्यों के बारे में भी नहीं बता पा रहा था। रेलवे स्टेशन, बस स्टॉप और व्यस्त बाजार क्षेत्रों जैसे क्लॉथ मार्केट, खारी बावली, चांदनी चौक में तलाश की गई और लड़के की तस्वीरें बाजार क्षेत्रों और पड़ोसी पुलिस स्टेशनों में प्रसारित की गईं। काफी खोजबीन के बाद, लापता बच्चे के पिता, मोहम्मद नौशाद, लाहौरी गेट को पुलिस ने आखिरकार ढूंढ लिया गया।

उन्होंने बताया कि उनका पांच वर्षीय बेटा मानसिक रूप से बीमार है और फतेहपुर मस्जिद में नमाज अदा करने के लिए उनके साथ गया था। बच्चा भीड़ में उनसे बिछड़ गया था, और वे उसे हर जगह खोज रहे थे।

उच्चतम न्यायालय ने कहा, दहेज मृत्यु गंभीर चिंता का विषय

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि दहेज मृत्यु एक 'गंभीर सामाजिक चिंता' बनी हुई है और अदालतों का यह कर्तव्य है कि वे ऐसे मामलों में जमानत दिए जाने की परिस्थितियों की गहराई से पड़ताल करें। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि दहेज-मृत्यु के मामलों में अदालतों को व्यापक सामाजिक प्रभाव के प्रति सचेत रहना चाहिए, क्योंकि यह अपराध सामाजिक न्याय और समानता की जड़ों पर प्रहार करता है। पीठ ने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज के समाज में दहेज मृत्यु एक गंभीर सामाजिक चिंता बनी हुई है और हमारी राय में अदालतों का यह कर्तव्य है कि वे उन परिस्थितियों की गहन पड़ताल करें जिनके तहत इन मामलों में जमानत दी जाती है।'

उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ द्वारा उस महिला के सास-ससुर को दी गई जमानत रद्द कर दी, जो शादी के दो साल के भीतर जनवरी 2024 में अपने ससुराल में मृत पाई गई थी। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया कि दहेज के लिए महिला के ससुराल वालों द्वारा उसे लगातार परेशान किया जाता था और उसके साथ क्रूरता की जाती थी।

पीठ ने कहा कि ऐसे मामलों में सख्त न्यायिक पड़ताल आवश्यक है, जहां शादी के ठीक बाद एक महिला ने ससुराल में अपनी जान गंवा दी, खासकर जहां रिकॉर्ड में दहेज की मांग पूरी न होने पर लगातार उत्पीड़न की बात कही गई हो।

पीठ ने कहा, 'ऐसे जघन्य कृत्यों के कथित मुख्य आरोपियों को जमानत देना न केवल मुकदमे को बल्कि आपराधिक न्याय प्रणाली में जनता के विश्वास को भी कमजोर कर सकता है, जबकि साक्ष्यों से पता चलता है कि उन्होंने सक्रिय रूप से शारीरिक और मानसिक पीड़ा पहुंचाई।'

अदालत ने कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा 304बी (दहेज मृत्यु) में अपराध की गंभीर प्रकृति और इससे होने वाले व्यवस्थागत नुकसान के कारण कठोर मानक निर्धारित किए गए है।

हत्या आरोपी समेत तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली (एसएनबी)। नॉर्थ वेस्ट जिला पुलिस और थाना अशोक विहार की पुलिस ने डकैती व हत्या के मामले में वांछित अपराधी को मुठभेड़ के बाद धर दबोचा है। पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपी की शिनाख्त साहिल के रूप में हुई है। साहिल ने पुलिस पार्टी पर तबाडतोड़ फायरिंग की। वहीं पुलिस द्वारा जवाबी फायरिंग में आरोपी घायल हो गया। पुलिस द्वारा फायरिंग में साहिल के दाहिने घुटने में गोली लगी, जिससे वह घायल हो गया। आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लेकर उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अपराध में प्रयुक्त एक देशी कट्टा और दो खाली कारतूस के अलावा एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। इसके अलावा अपराध में इस्तेमाल की गई चोरी की बाइक और मृतक की स्कूटी भी बरामद की गई। आरोपी साहिल की निशानदेही पर दो सह-आरोपी भी गिरफ्तार किए गए। उसके दोनों साथियों की शिनाख्त मोहम्मद फैयाज उर्फ एलन व दीपक के रूप में हुई है।

वाहन चोरी की गुत्थी सुलझी, आरोपी धरा गया

नई दिल्ली (एसएनबी)। नॉर्थ जिला के थाना सदर बाजार पुलिस ने कुछ ही घंटो में वाहन चोरी के मामले को सुलझाते हुए एक वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की शिनाख्त मोहम्मद जुनैद के रूप में हुई है। जांच में पता चला है कि लगभग 25 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद पुलिस ने आरोपी को धर दबोचा। पूछताछ में पता चला है कि आरोपी मोहम्मद जुनैद अंसारी को उसके पिता ने एक छोटी सी बात पर डांटा था, जिसके कारण वह घर छोड़कर चला गया तथा अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आपराधिक गतिविधियों में लिप्त हो गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक स्कूटी बरामद की है।

सीएलएटी के रिजल्ट को लेकर हाईकोर्ट में सुनवाई सात अप्रैल को

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि वह कई विधि विश्वविद्यालयों में स्नातक और स्नातकोत्तर विधि पाठ्यक्रमों में नामांकन को लेकर पिछले साल दिसम्बर में हुए कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट-2025 (सीएलएटी-2025) परीक्षा के रिजल्ट को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सात अप्रैल को सुनवाई करेगा। ये याचिकाएं देश भर के कई हाईकोर्टों में दाखिल की गई थी और सुप्रीम कोर्ट ने उसे दिल्ली हाईकोर्ट में स्थानांतरित कर दिया है। स्थानांतरण याचिका राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों के संघ (एनएलयू) ने दाखिल की थी।

■ **देश के कई हाईकोर्ट में दायर की गई थीं याचिकाएं**

■ **सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट में स्थानांतरित किया**

मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय एवं न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि उसपर जल्द फैसला किया जाएगा। उसने कहा कि छात्रों में बहुत चिंता है। उनकी बोर्ड परीक्षाएं चल रही है। इस अनिश्चितता के कारण छात्रों में बहुत तनाव है। हम एक आदेश पारित करना चाहते हैं जिससे आसानी से शुरुआत हो सके। पीठ ने पक्षकारों के वकीलों अनुरोध किया कि वे सीएलएटी पीजी व सीएलएटी यूजी पाठ्यक्रम से संबंधित याचिकाओं की सूची दें। उसने इसके साथ ही सभी मामलों को एक साथ लाने एवं एनएयू को दो सप्ताह के भीतर जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। पीठ ने सभी पक्षकारों के वकीलों से आग्रह किया कि दो सेट तैयार करें जिसमें संबंधित दस्तावेज व फैसले शामिल हों।

दिसम्बर 2024 में आयोजित सीएलएटी-2025 परीक्षा के रिजल्ट के खिलाफ दिल्ली, कर्नाटक, झारखंड, राजस्थान, बॉम्बे, मध्य प्रदेश और पंजाब और हरियाणा के हाईकोर्ट में याचिकाएं लंबित थीं। दिसम्बर 2024 में दिल्ली हाईकोर्ट की एकल पीठ ने पाया था कि दो उत्तर गलत थे और एनएलयू से रिजल्ट को फिर से संशोधित कर जारी करने को कहा था।

स्नैचिंग के मामले में घोषित अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एसएनबी)। सेंट्रल जिले की ऑपरेशन यूनिट पुलिस ने स्नैचिंग के मामले में वांछित एक घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। डीसीपी एम हर्षवर्धन ने बताया कि घोषित अपराधी जो फरार चल रहे है या फिर भगोड़े घोषित है उनके बारे में पुलिस की ओर से एक मुहिम छेडी गई है। इसके तहत पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

डीसीपी ने बताया कि बीते 28 फरवरी को आरोपी तोहिद के बारे में गुप्त सूचना प्राप्त हुई। टीम तुरंत कार्रवाई में लग गई और मुखबिर से मिली सूचना पर आरोपी तोहिद को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी तोहिद उत्तर प्रदेश के सहारनपुर का रहने वाला है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर अन्य मामलों के बारे में पता लगाने की कोशिश कर रही है।

कार्यालय नगर पंचायत सहसपुर, जनपद-बिजनौर

पत्रांक : 734/न.प.सह./2024-25 दिनांक : 03 मार्च, 2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

नगर पंचायत सहसपुर, जनपद-विजनौर में **15 वां वित्त आयोग** के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से कार्य कराया जाना प्रस्तावित है। ई-निविदा हेतु निकाय में पंजीकृत ठेकेदार, बिडर्स/कान्ट्रैक्टर्स, वेन्डर्स एवं शासनादेश संख्या-03/2017/1067/78-2-2017-42 आईटी./2017 अनुभाग-2 दिनांक 12.05.2017 के क्रम में यू.पी. इलैक्स्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड में रजिस्टर्ड बिडर्स/कॉन्ट्रैक्टर्स/वेन्डर्स एवं प्रमुख सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, नगर विकास अनुभाग-5 के पत्र संख्याः 3890 / नो-5-19-149 सा/2019 दिनांक- 20 सितम्बर, 2019 तथा निदेशक महोदया स्थानीय निकाय निदेशालय गोमती नगर विस्तार खण्ड लखनऊ के पत्र संख्या-एक/716/ कम्प्यू. सेल./2019 दिनांक- 6 नवम्बर, 2019 के द्वारा निर्गत दिशा-निदेशों /आदेशों के अनुपालन करते हुए निविदा प्रक्रिया में प्रतिभाग कर सकते हैं। निविदायें दिनांक- **04.03.2025** से **13.03.2025** तक www.etender.up.nic.in वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। जहां से इसे डाउनलोड कर निविदायें डाल सकते है।

E-Tender Reference	09/E.T./2024-25
Publish Date and time for REF	04.03.2025 04.00 PM
Last Date and time for Submission to E-Tender	13.03.2025 02.00 PM
Date and time of opening Tender	13.03.2025 04.00 PM
Place of opening of E-Tender	Executive Officer, Office NP Sahaspur
E-Tender Security	10% of Tender value
E-Tender Document processing	As per Tender list

समस्त नियम एवं शर्तें वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध रहेगी

(विजेन्द्र सिंह पाल)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत सहसपुर, जनपद-बिजनौर।

(नाहिद परवीन)
अध्यक्ष
नगर पंचायत सहसपुर, जनपद-बिजनौर।

रोहिणी में दिल्ली विवि के छात्र की सड़क दुर्घटना में मौत

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के एक छात्र (19) की रोहिणी में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। वह एक समाचार पत्र विक्रेता के रूप में काम करता था। यह जानकारी एक अधिकारी ने सोमवार को दी। पुलिस के अनुसार, छात्र स्नातक की पढ़ाई कर रहा था और इसका खर्च निकालने के लिए अखबार बांटने का काम करता था। घटना शनिवार सुबह करीब 6:30 बजे रोहिणी में आरटीओ कार्यालय के पास हुई, जब एक पीसीआर कॉल से पुलिस को एक सड़क दुर्घटना के बारे में जानकारी मिली।

■ **पढ़ाई का खर्च निकालने के लिए अखबार बांटने का काम करता था**

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मौके पर पहुंचने पर, पुलिस दल को एक टूटी हुई साइकिल मिली और अखबार बिखरे हुए थे। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले ही छात्र को बीएसए अस्पताल ले जाया जा चुका था। अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान दिल्ली के बुध विहार निवासी रिशाल सिंह के रूप में हुई है। वह एक कॉलेज का छात्र था और सुबह अखबार बांटने का काम भी करता था।

उन्होंने कहा कि शुरुआती जांच से पता चलता है कि किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मारी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज कर ली है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि इस दुर्घटना को अंजाम देने वाले वाहन और चालक की पहचान की जा सके।

लूटपाट में दो बदमाश दबोचे

सोनिया विहार इलाके में युवक को पिस्टल दिखाकर लूटा था

नई दिल्ली (एसएनबी)। सोनिया विहार इलाके में युवक को पिस्टल दिखाकर लूटपाट करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को धर गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान विकास मिश्रा उर्फ नमन (26) और अर्जुन कुमार (23) के रूप में हुई है।

■ **वारदात में इस्तेमाल बाइक भी बरामद**

पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल बाइक भी बरामद की है। आरोपियों ने लूट का विरोध करने पर पीड़ित की पिटाई कर दी थी। बाद में आरोपी पीड़ित से कैश और अन्य सामान लूटकर मौके से फरार हो गए। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर पुलिस इनके फरार साथी की तलाश कर रही है। इसके अलावा लूट की रकम को भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस ने बताया कि रविवार शाम को वेद विहार लोनी निवासी एक युवक कुलदीप शर्मा (32) सोनिया विहार थाने में शिकायत लेकर पहुंचा था। कुलदीप ने बताया कि शनिवार शाम को वह दिल्ली पुलिस अकादमी से होता हुआ लोनी की ओर जा रहा था। इस बीच रास्ते में अज्ञात तीन बदमाशों ने उसे जबरन रोक लिया। इसके बाद उससे जबरन पांच हजार रुपये और बाइक की चाबियां लूट ली। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने कुलदीप की शिकायत पर मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की। इसके बाद सोमवार को टीम ने लूटपाट करने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने पांच मामलों में शामिल आरोपी को धर दबोचा

नई दिल्ली (एसएनबी)। वेस्ट जिला के ख्याला थाना के रघुबीर नगर चौकी पुलिस ने एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी की शिनाख्त अरुण के रूप में हुई है। आरोपी के कब्जे से चोरी की स्कूटी और बटनदार चाकू बरामद किया है।

पूछताछ में पता चला कि वह पहले से पांच मामलों में भी शामिल रहा है। यह आर ब्लॉक, रघुवीर नगर का रहने वाला है। इसकी गिरफ्तारी से तिलक नगर और ख्याला थाना के दो मामलों का खुलासा करने का दावा पुलिस ने किया है।

डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस टीम ने रात में आर ब्लॉक झुग्गी के पास स्कूटी सवार को संदेह होने पर जांच के लिए रोका था। स्कूटी के डॉक्यूमेंट की जांच की गई तो वह तिलक नगर थाना इलाके से चोरी की निकली। तलाशी में उसके पास से चाकू बरामद किया गया। आरोपी को गिरफ्तार करके चाकू को जब्त कर लिया गया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद शिकारपुर, जनपद- बुलन्दशहर

पत्रांक : 219/न.पा.प.शि./2025 दिनांक : 03.03.2025

विज्ञप्ति नीलामी सूचना

नगर पालिका परिषद शिकारपुर के बोर्ड बैठक प्रस्ताव सं. 07 दिनांक 27.08.2024 के अन्तर्गत सर्व साधारण स्क्रैप (लोहे का कबाड़ा) क्रय/विक्रय संस्थाओं को सूचित किया जाता है, कि नगर पालिका परिषद शिकारपुर जलकल परिसर में स्थित निम्नलिखित सामान नीलाम हेतु रखा गया है। इच्छुक क्रय/विक्रय संस्था दिनांक 17.03.2025 को सामान के अवलोकन उपरान्त अपनी निविदा सील बन्द लिफाफे में अपराह्न 03:00 बजे तक नगर पालिका परिषद शिकारपुर में प्राप्त करा सकते हैं। अधिकतम निविदा सामान के आंकलन पर स्वीकृत की जा सकेगी। निविदा प्राप्त करते समय प्रति निविदादाता को अंकन 25000/- रु. (पच्चीस हजार रुपये) की धनराशि नकद रूप में पालिका कोष में जमा करानी होगी, तथा नीलामी के उपरान्त पूर्ण धनराशि जमा करने पर ही सामान जलकल परिसर से उठवा दिया जायेगा। निविदा मूल्य 500/- रुपये है। जो उक्त दिनांक को प्रातः 11:00 बजे से क्रय कर सकते हैं। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी में निहित है।

सामान का विवरण

क्र.सं.	स्क्रैप/कबाड़ा का विवरण	मात्रा लगभग क्रि.ग्रा. में
1.	Circuler septic tank	1000.00
2.	Dustbin	60.00
3.	Rikshaw Door to Door Kuda collection	720.00
4.	Water tanker 3000 ltr.	5000.00
5.	Chotta hathi vehicle complete	5500.00
6.	Steel jaal of Drain cover	40.00
7.	Reda hath gadi	260.00
8.	switch valve	2000.00
9.	Iron pipe	2000.00
10.	Iron HYSD bar scrap	100.00
11.	Chotta hathi vehicle body	450.00
12.	G.I Sheet	108.00
13.	Structural Steel	250.00
14.	Chotta hathi Bumper	6.00
15.	Chair	6.00
16.	Electical box	25.00
17.	Dustbin	395.00
18.	Pipe	150.00
19.	Other	

उक्त स्क्रैप टूटी हालत में जैसी भी है यथा स्थान

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद शिकारपुर
जनपद-बुलन्दशहर।

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद शिकारपुर
जनपद-बुलन्दशहर।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, धनौरा (अमरोहा)

पत्रांक : न.पा.प.ध./तीन/निर्माण/2025/314 दिनांक : 03 मार्च, 2025

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद धनौरा द्वारा राज्य वित्त आयोग, बोर्ड फण्ड के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से निम्न कार्य कराये जाने हेतु पालिका में पंजीकृत/अन्य सरकारी विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदाये आमंत्रित की जाती है। समस्त निविदादाता निविदा डाले जाने से पूर्व कार्यों के संबंध में आवश्यक जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित व्यय	धरोहर राशि	टेण्डर मूल्य जीएसटी सहित	कार्य करने की अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
1	पम्प संख्या-01 पर 200 एम.एम.व्यास के डी.आई. के-07 राईजिंग मेन बिछाने का कार्य।	1,57,463.00	16,000.00	185.00	01 माह	ई
2	नगर पालिका परिषद धनौरा में 02 नग 75 एच.पी. क्षमता के ऑटोमैटिक कन्ट्रोल पैनल की आपूर्ति एवं फिक्सिंग का कार्य।	2,20,339.00	22,000.00	260.00	01 माह	ई
3	नगर पालिका परिषद धनौरा में एल.ई.डी. स्ट्रीट लाईटों के अधिष्ठापन हेतु सिंगल आर्म की आपूर्ति का कार्य।	1,23,000.00	12,300.00	145.00	01 माह	ई
4	नगर पालिका परिषद धनौरा में एल.ई.डी. स्ट्रीट लाईटों के अधिष्ठापन हेतु डी-क्लैम्प की आपूर्ति का कार्य।	1,08,000.00	10,800.00	127.00	01 माह	ई

शर्तें :-

1. निविदायें पालिका कार्यालय में निर्माण पटल से दिनांक 18.03.2025 की प्रातः 11.00 बजे से अपराह्न 1.00 बजे तक नकद मूल्य देकर क्रय की जा सकती है। इस अवधि पश्चात काई निविदा विक्रय नहीं की जायेगी।
2. प्राप्त निविदायें दिनांक 18.03.2025 को सांय 3.00 बजे इस कार्य हेतु गठित समिति द्वारा खोली जायेगी।
3. समस्त निविदादाताओं द्वारा दिनांक 18.03.2025 तक अपराह्न 2.00 बजे से पूर्व तक निविदा सहित सम्बन्धित प्रपत्र (हैसियत प्रमाण पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, जी.एस.टी. नम्बर, पेन नम्बर, श्रम विभाग पंजीकरण प्रमाण पत्र, आदि दस्तावेज कार्यालय में निर्माण पटल पर उपलब्ध कराने आवश्यक होगे अन्यथा उनकी निविदा निरस्त मानी जायेगी।
4. संबंधित ठेकेदार की निविदा स्वीकृत होने पर, ठेकेदार को पालिका में पंजीकरण कराया जाना अनिवार्य होगा।
5. अध्यक्ष /अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद धनौरा द्वारा किसी भी अथवा समस्त निविदाओं को बिना कोई कारण बताये अस्वीकार किया जा सकता है।
6. निविदा डाले/खोले जाने की तिथि में अवकाश होने पर आगामी कार्य दिवस में कार्यवाही पूर्ण की जायेगी।
7. निविदायें उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष अधिशासी अधिकारी अथवा शासनादेशों के अनुपालन में नगर पालिका धनौरा, जनपद अमरोहा कार्यालय में उनकी उपस्थिति में खोली जायेगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद धनौरा (अमरोहा)

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद धनौरा (अमरोहा)

बाहरी जिला पुलिस ने पकड़े कई अपराधी

नई दिल्ली (एसएनबी)। बाहरी जिला पुलिस ने कई अपराधियों पर नकेल कसी। इनमें रन्हौला थाना की पुलिस टीम ने एक ऑटो लिफ्टर व स्नैचर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से चोरी की दो मोटर साइकिल और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। आरोपी की पहचान अजय उर्फ मनोज के रूप में हुई है यह द्वारका का रहने वाला है। जांच में पता चला कि यह पहले से 14 मामलों में शामिल रहा है। डीसीपी बाहरी दिल्ली सचिन शर्मा ने बताया कि पुलिस टीम ने खेड़ी बाबा पुल के पास बाइक सवार को जांच के लिए रोका था। छानबीन में जब बाइक चोरी की निकली, तो फिर उसकी तलाशी भी ली गई। उसके पास से एक मोबाइल फोन भी स्नेचिंग का निकला। पूछताछ हुई तो आरोपी की निशानदेही पर एक और बाइक पुलिस ने बरामद की। इसी तरह निहाल विहार पुलिस ने दो नाबालिगों को पकड़ा, जिससे बाइक, पिस्टल व कारतूस आदि जब्त किए गए। मंगोलपुरी पुलिस ने भी तुषार नामक आरोपी को पकड़कर उसके कब्जे से चाकू बरामद किया जबकि राजपार्क पुलिस ने कालीचरण को दबोचकर उसके कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन तथा विजय को पकड़कर लूटा गया लॉकेट बरामद किया।

आकाश आनंद को, उनके ससुर की तरह, पार्टी और मूवमेंट के हित में पार्टी से निष्कासित किया जाता है।

—— मायावती, बसपा प्रमुख

नवरत्न का दर्जा मिलने पर आईआरसीटीसी और आईआरएफसी को बधाई।

—— अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय रेल मंत्री

भाकियू नेताओं ने सिम्भावली शुगर मिल प्रबंधंन की मुलाकात

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (एसएनबी)। सिम्भावली शुगर मिल प्रबंधन पर सस्ती चीनी बेचने व अन्य आरोपों को लेकर भाकियू पदाधिकारियों एक प्रतिनिधिमंडल ने नोएडा मिल के उच्चाधिकारियों से मुलाकात की और उनसे बातचीत के बाद संतुष्टि जताई।

इस बाबत सिम्भावली शुगर्स लिमिटेड के प्रशासनिक अधिकारी दिनेश शर्मा ने बताया कि भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) हापुड़ के जिलाध्यक्ष पवन हूण के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल मिल के नोयडा स्थित कारपोरेट कार्यालय पहुंचकर अनुराग गोयल, आई.आर.पी. एस.एन मिश्र मुख्य संचालन अधिकारी डी.सी. पोपली मुख्य वित्त अधिकारी एवं अतुल शर्मा महा प्रबन्धक कामर्शियल से मुलाकात की। मीटिंग के दौरान पवन हूण ने सिम्भावली शुगर्स द्वारा पूर्व में बेची गई चीनी के संबंध में प्रश्न उठाए, इसके संबंध में उनको वस्तुस्थिति की स्पष्ट जानकारी दी गई। इस संबंध में वस्तुस्थिति से जिला गन्ना अधिकारी, जिलाधिकारी एवं गन्ना आयुक्त को पूर्व में ही अवगत कराया जा चुका है। इस प्रकार चीनी की बिक्री संबंधित पवन हूण की सभी शंकाओ का पूर्ण रूप से समाधान किया गया।

आठ को मुख्यमंत्री आ सकते हैं नोएडा

नोएडा (एसएनबी)। मुख्यमंत्री येगी आदित्यनाथ के 8 मार्च को नोएडा व ग्रेनो में आने की संभावना है। इस दिन मुख्यमंत्री नोएडा में अलग-अलग तीन कंपनियों का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। ये तीनों कम्पनियां नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे के आसपास हैं। इसको लेकर नोएडा प्राधिकरण ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

- अलग-अलग तीन कंपनियों का करेंगे लोकार्पण व शिलान्यास
- तीनों कार्यक्रम स्थलों के पास सड़क की मरम्मत, साफ-सफाई, हरियाली समेत सभी जरूरी व्यवस्था दुरुस्त करा रहे अधिकारी

प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर-145 एमएक्यू सॉफ्टवेयर कंपनी की इमारत बनकर तैयार है। इस इमारत का मुख्यमंत्री शुभारंभ करेंगे। इस कंपनी के आसपास सड़कों की मरम्मत का काम शुरू करा दिया है। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद वह सेक्टर-145 स्थित माइक्रोसॉफ्ट कंपनी के भूखंड का शिलान्यास करेंगे। सेक्टर-132 में सीफी कंपनी का डेटा सेंटर बनकर तैयार है। इसका लोकार्पण मुख्मयंत्री करेंगे। नोएडा के इन तीन कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ग्रेटर नोएडा में शारदा विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने जाएंगे। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया के मुख्यमंत्री के आने का आधिकारिक रूप से कोई कार्यक्रम तो नहीं आया है, लेकिन उनेक आने की संभावना जताई जा रही है। इसको देखते हुए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। उन्होंने बताया कि तीनों कार्यक्रम स्थलों के पास सड़क की मरम्मत, साफ-सफाई, हरियाली समेत सभी जरूरी व्यवस्था शुरू कर दी गई है। नोएडा के चिल्ला, डीएनडी, कालिंदी कुंज बॉर्डर और सेक्टर-62 मॉडल टाउन गोलचक्कर से एमपी टू एलिवेटेड रोड होते हुए नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रपेसवे के दोनों ओर सड़कों पर व्यवस्था को बेहतर बनाया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्र में एलपीजी सेवाओं में सहयोग करेंगी एचपी सखियां

गाजियाबाद (एसएनबी)। ग्रामीण उपभोक्ताओं को एलपीजी रीफिल और संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एचपी डिस्ट्रीब्यूटर और और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत समूह की सखियों के मध्य एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके अंतर्गत उनको नियुक्ति पत्र भी वितरित किए गए हैं। एचपी चयनित सखियों का काम ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ताओं तक एलपीजी सेवाएं पहुंचाने में सहयोग करना रहेगा। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशन में किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन विलास मनी चंद्र जनरल मैनेजर एचपीसीएल व संदीप कुमार गुप्ता जनरल मैनेजर लोनी एलपीजी रीजनल ऑफिस एचपीसीएल द्वारा किया गया। इस पहल का उद्देश्य एलपीजी पंचायतों, सुरक्षा क्लीनिकों, और निष्क्रिय ग्राहकों के लिए वित्तीय सहायता जैसी गतिविधियों के माध्यम से एलपीजी के उपयोग को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही एचपी सखी एलपीजी चूल्हों और अन्य उत्पादों की बिक्री में भी सहायता प्रदान करेंगी, जिससे एलपीजी की रीफिल और वितरण सेवाएं सुचारू रूप से संचालित हो सकें।

यीडा की बोर्ड बैठक में आवासीय भूखंडों के आवंटियों को राहत

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा।

यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में आवासीय भूखंडों के आवंटियों काफी राहत दी गई है, जबकि जेवर एयरपोर्ट की बेहतर कनेक्टिविटी पर जोर दिया गया। प्राधिकरण की बोर्ड बैठक मे 250 ई बसों के संचालन का निर्णय लिया गया। इसके लिए राजस्थान, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, हरियाणा व अन्य राज्यों के साथ एग्रीमेंट किया गया है।

- रजिस्ट्री कराने के बाद निर्माण शुरू न कराने वाले आवंटियों को दिया काम शुरू करने का अंतिम मौका
- जारी चेक लिस्ट में शामिल आवंटियों को शीघ्र रजिस्ट्री कराने को कहा
- जेवर एयरपोर्ट की बेहतर कनेक्टिविटी पर दिया जोर

प्राधिकरण ने सन वर्ल्ड बिल्डर के प्लॉट का आवंटन निरस्त कर दिया है। बिल्डर को 103 करोड़ रुपए का भुगतान करना था। प्राधिकरण ने बकाया जमा करने के लिए कई बार नोटिस भी दिया था।

प्राधिकरण ने वर्ष 2012 में बिल्डर को भूखंड आवंटित किया था।

यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण के सीईओ डा. अरुणवीर सिंह ने बताया कि आवासीय भूखंडों के आवंटियों ने अभी तक रजिस्ट्री नहीं कराई है।

जिन आवंटियों को चेक लिस्ट जारी कर दी गई उन्हें शीघ्र रजिस्ट्री कराने को कहा गया है। इसी तरह प्राधिकरण ने रजिस्ट्री कराने के बाद आवंटियों ने निर्माण शुरू नहीं किया है, उन्हें भी निर्माण कार्य शुरू करने का अंतिम मौका दिया गया है। बोर्ड बैठक में कुल 51 प्रस्ताव रखे गए।

पानी से भरे गड्ढे में गिरकर बच्चे की मौत

दादरी (एसएनबी)। दादरी कोतवाली क्षेत्र की बालाजी कॉलोनी में निर्माणाधीन मकान के लिए टैंक बनाने हेतु खोदे गए गड्ढे के पानी में गिरकर 8 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्चे को बाहर निकाला।

- रविवार शाम 8 वर्षीय बच्चा विधान घर से बाहर निकला था खेलने
- खोजने पर उसका शव मिला पानी से भरे गड्ढे में

पुलिस ने बताया कि बुलंदशहर के गांव नया बांस निवासी राहुल एक कंपनी में नौकरी करता है और दादरी के रेलवे रोड पर भट्टा रोड को जाने वाले रास्ते पर बालाजी कॉलोनी में परिवार के साथ किराए पर रहता है। रविवार शाम को उसका 8 वर्षीय बेटा विधान घर से बाहर खेलने गया था। देर शाम तक वापस नहीं लौटा तो परिजनों को चिंता हुई। परिजनों ने उसे काफी तलाश किया लेकिन, उसका कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों ने मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया। पास में ही बन रहे निर्माणाधीन मकान में टैंक बनाने के लिए गड्ढा खोदा गया था और गड्ढे में पानी भरा हुआ था। आसपास के लोगों ने जब टैंक में खोजा तो बच्चे का शव मिल गया।

शनिवार-रविवार को खुलेंगे कार्यालय

ग्रेटर नोएडा (एसएनबी)। सहायक महानिरीक्षक निबंधन प्रथम बीएस वर्मा व सहायक महानिरीक्षक निबंधन द्वितीय ब्रजेश कुमार ने बताया कि आगामी 8 व 9 मार्च शनिवार व रविवार को अवकाश के दिन भी गौतमबुद्धनगर के समस्त उप निबंधक कार्यालय खुले रहेंगे।

नाम बदलकर महिला का यौन शोषण

लोनी (एसएनबी)। लोनी थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी की रहने वाली महिला के अनुसार उसकी एक लड़के से जान पहचान हो गई थी। उस समय लड़के ने अपना नाम गौरव बताया था। गौरव बनकर उसने उसका कई बार यौन शोषण किया। पता चलने पर वह बाद में उसे पता चला कि उसका नाम गौरव नही बल्कि साहिल है, जो कि मुस्लिम है।

चाकू से गोदकर युवक की हत्या

गाजियाबाद (एसएनबी)। पैसे के लेनदेन के विवाद में चाकू से गोद कर एक युवक की हत्या कर दी गई। युवक के भाई ने इस बाबत दर्ज कराई रिपोर्ट में युवक के तीन दोस्तों को नामजद किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला क्रासिंग रिपब्लिक थाने का है। पुलिस के अनुसार थाना क्रॉसिग रिपब्लिक पर दर्ज कराई रिपोर्ट में अंकित पुत्र अमनेश निवासी गली नंबर 10 भीमनगर ने कहा था कि उसके छोटे भाई शिवम उर्फ छोटू की हत्या कर दी गई है। शिवम अपने परिवार सहित भीमनगर में किराये में रहता था व गुड़गांव में शराब की कैन्टीन में नौकरी करता था। शिवम का उसके दोस्तों गौतम, रंजीत व मनीष से पैसे के लेनदेन को लेकर झगड़ा हो गया था। रविवार को शिवम गुड़गांव से छुटटी लेकर घर आया था। मनीष उसको घर से बुलाकर ले गया। बाद में गौतम व रंजीत व मनीष ने चाकू से गोदकर शिवम की हत्या कर दी।

दिल्ली नगर निगम

सार्वजनिक सूचना

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के अनुसार थोक अपशिष्ट उत्पादकों (बीडब्ल्यूजी) का पंजीकरण और संचालन

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिनांक 27.01.2025 के आदेश के अनुपालन में, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) नियम, 2016 के अनुसार थोक अपशिष्ट उत्पादकों (बीडब्ल्यूजी) का अनिवार्य पंजीकरण और उचित संचालन की घोषणा की है। केंद्र सरकार के विभाग या उपक्रम, राज्य सरकार के विभाग या उपक्रम, स्थानीय निकाय, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम या निजी कंपनियाँ, अस्पताल, नर्सिंग होम, स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, अन्य शैक्षणिक संस्थान, छात्रावास, होटल, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, बाजार, पूजा स्थल, स्टेडियम और खेल परिसर आदि सहित सभी पात्र संस्थाएँ जिनकी औसत अपशिष्ट उत्पादन दर 100 किलोग्राम प्रतिदिन से अधिक है और संबंधित वार्ड कार्यालय के सहायक आयुक्त या उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अधिसूचित कोई अन्य अपशिष्ट उत्पादक, को दिल्ली नगर निगम के साथ स्वयं को पंजीकृत करना और निर्धारित अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का पालन करना आवश्यक है। पंजीकरण और रिपोर्टिंग एंड्रॉइड प्ले स्टोर और आईओएस पर उपलब्ध एमसीडी 311 ऐप के माध्यम से की जा सकती है।

दिल्ली नगर निगम सभी पात्र अपशिष्ट उत्पादकों से आग्रह करती है कि वे तुरंत पंजीकरण कराएँ और पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं को अपनाएँ। पंजीकरण विवरण, दिशा-निर्देश और संबंधित जानकारी दिल्ली नगर निगम की आधिकारिक वेबसाइट www.mcdonline.nic.in या डीईएमएस और संबंधित क्षेत्रीय कार्यालयों के स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

आर.ओ. नं. 63/डीपीआई/दि.न.नि./2024-25 — डीईएमएस (मुख्यालय)

पार्टनरशिप फर्म में 50 लाख रुपए की धोखधड़ी

दादरी (एसएनबी)। दादरी कोतवाली क्षेत्र स्थित ग्लोबल इंस्पेक्शन सर्विसेज फर्म पार्टनरशिप में बनाने के मामले में 50 लाख रुपए की धोखाधड़ी व गबन का मामला सामने आया है। अदालत के आदेश पर आदेश पर फर्म एक पार्टनर के खिलाफ कोतवाली में गबन का केस दर्ज किया गया है। केस दर्ज कर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

- फर्म के एक पार्टनर के खिलाफ गबन का केस दर्ज

गाजियाबाद के संजय नगर निवासी राहुल शर्मा ने कोर्ट के आदेश पर दर्ज कराई गई रिपोर्ट में कहा कि दादरी कोतवाली क्षेत्र के सेक्टर म्यू घोड़ी बछेड़ा निवासी सुनील वर्मा के साथ ग्लोबल इंस्पेक्शन सर्विसेज फर्म को पार्टनरशिप में 30 मार्च 2021 को बनाया गया, जो टेस्टिंग इंस्पेक्शन सर्विसेज और कंसल्टेंसी सर्विस का कार्य करती है। फर्म में दोनों पार्टनर बराबर के हिस्सेदार हैं। आरोप है कि पीड़ित राहुल शर्मा की बिना जानकारी के बही खाते में हेरा फेरी कर फर्म के खाते से लगभग 50 लाख रुपए निकाल लिए गए। जब 50 लाख रुपए गबन के मामले में पीड़ित ने जानकारी की तो वार्षिक आईटीआर में मात्र अपनी वार्षिक आय लगभग पांच लाख रुपए दर्शायी गई। जब पीड़ित ने धनराशि वापस मांगी तो आरोपी झांसा देने लगा। सख्ती करने पर आरोपी गाली गलौज करना लगा और उसने जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। पीड़ित ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। अदालत के आदेश पर सुनील वर्मा के खिलाफ खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

प्लॉट में मिला शव

नोएडा (एसएनबी)। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के बरौला गांव स्थित एक प्लॉट में एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने शव देखा और इसकी सूचना नजदीकी थाना पुलिस को दी। पुलिस का दावा है कि मृतक के शरीर पर चोट के निशान नहीं हैं। स्थानीय लोग हत्या की आशंका जता रहे हैं। सेक्टर-49 थाना प्रभारी ने बताया कि सोमवार को एक व्यक्ति ने बरौला गांव स्थित श्यामलाल कॉलोनी के पीछे खाली पड़े प्लॉट में एक व्यक्ति का शव पड़ा होने की सूचना दी। सूचना मिलते ही फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शिनाख्त करने पर शव की पहचान बरौला गांव निवासी 40 वर्षीय धर्मेश अहिरवार के रूप में हुई है। आसपास के लोगों ने बताया कि धर्मेश लंबे समय से बीमार चल रहा था। मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। पुलिस का कहना है कि मृतक के परिजनों ने अभी तक थाने में शिकायत नहीं दी है। शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

जमीन का सौदा कर 31 लाख रुपए हड़पे

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

दादरी।

तहसील दादरी क्षेत्र के गांव खोदना कलां में किसान की जमीन का 45 लाख रुपए में सौदा तय करने के बाद उसे 31 लाख रुपए नहीं दिए गए। तथा अलग खाता संख्या का बैनामा भी धोखाधड़ी से करा लिया गया। इस मामले में अदालत के आदेश पर पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। केस दर्ज कर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

- अदालत के आदेश पर पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज

तहसील दादरी क्षेत्र के गांव खोदना कलां निवासी कटार सिंह ने बताया कि खाता संख्या 00347 के खसरा संख्या 385ख रकबा 0.1450 हेक्टेयर में से 0.0241 है। खाता संख्या 00061 के खसरा संख्या 448 मे रकबा 0.38800 में से 0.1940 है। पीड़ित को आंखों से कम दिखाई व कानों से कम सुनाई देता है। इलाज के खर्च के लिए पीड़ित ने गांव के ही भगत सिंह से जमीन बेचने का प्रस्ताव रखा। पीड़ित ने इस जमीन का 45 लाख रुपए में सौदा तय कर लिया। 26 जुलाई 2024 को रजिस्ट्री के लिए दादरी तहसील पहुंचे तो उनसे पहले से ही तैयार कागजों पर हस्ताक्षर व अंगूठा लगवा लिया गया। पीड़ित को आरोपियों न पढ़कर सुनाया और न ही समझाया। जिसमें गवाह ओपिन्द्र, अमित थे। इस लोगों ने सात -सात लाख रुपए के चेक दिए। शेष धनराशि बाद में देने को कहा।

कुछ दिन बाद पीड़ित अपने खेतों पर काम कर रहा था तभी बलराज, नवीन कुमार, ओपिंद्र व अमित पहुंचे और जमीन खरीदना बताया। घटना की शिकायत पुलिस से की लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। अब कोर्ट के आदेश पर भगत सिंह, बलराज, नवीन कुमार, ओपिंद्र व अमित के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है।

परिशिष्ट IV-A

अचल संपत्ति की बिक्री के लिए बिक्री सूचना

सिक्युरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के नियम 8(6) और नियम 9(1) के नियमों को पढते हुए सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रशन ऑफ फायनांशियल एसेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्युरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अधीन अचल संपत्ति की बिक्री के लिए ई– नीलामी बिक्री सूचना।

सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) तथा गॅरेन्टर (ओं) को सूचित किया जाता है कि निम्नवर्णित अचल संपत्ति जो सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी है, जिस पर सुरक्षित लेनदार अधिकृत अधिकारी **सम्मान कैपिटल लिमिटेड (पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) [CIN : L65922DL2005PLC136029] (''सुरक्षित लेनदार द्वारा'')** द्वारा **वास्तविक कब्जा** लिया जा चुका है, **21.03.2025** को **शाम 05.00 बजे से 06.00 बजे** तक **''जहां है'', ''जैसा है'', और ''जो कुछ भी है''**, की वसूली के लिए **ऋण खाता नं. HHLVAS00276772** के लिए **रु. 17,50,651/- (रुपए सत्रह लाख पचास हजार छह सौ इक्यावन मात्र)** के लिए **24.02.2025** तक बकाया मूलधन, बकाया (विलंब शुल्क के समेत) और ब्याज ऋण समझौते तथा अन्य सम्बन्धित ऋण दस्तावेजों के संदर्भ में लागू भावी ब्याज तथा कानूनी व्यय और अन्य खर्चों के साथ **25.02.2025** से प्रभावी जो **सुशील कुमार, अंजू देवी और पंकज देवी** पर सुरक्षित लेनदार द्वारा बकाया है की वसूली के लिए बेचा जाएगा।

अचल संपत्ति की नीलामी के लिए आरक्षित मूल्य **रु. 8,50,000/- (रुपए आठ लाख पचास हजार मात्र)** होगा और अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट **(''ईएमडी'') रु. 85,000/- (रुपए पचासी हजार मात्र)** यानि आरक्षित मूल्य के 10% के बराबर होगा।

अचल संपत्ति का वर्णन

फ्लैट नंबर एफएफ–3, पहली मंजिल, पीछे बाईं तरफ, प्लॉट नंबर 703, पुराना नंबर 293, गली नंबर 1, श्याम पार्क मेन, गांव साहिबाबाद, परगना लोनी, गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश – 201005।

बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट यानी www.sammaancapital.com देखें; संपर्क का नंबर : 0124-6910910, +91 7065451024; ई–मेल आईडी : auctionhelpline@sammaancapital.com। बोली लगाने के लिए www.auctionfocus.in पर लॉग ऑन करें।

सही/–
प्राधिकृत अधिकारी
सम्मान कैपिटल लिमिटेड
(पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)

दिनांक : 24.02.2025
स्थान : गाज़ियाबाद

नोट : हमारा स्वमान फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से कोई संबंध नहीं है।

OFFICE OF THE RETURNING OFFICER

THE FARMERS AGRO CO-OP MKT & EFFICIENT SUPPLY SOCIETY LTD.
Address: 2047-2048, Narela Mandi , Delhi - 110040
E-mail id – famemkt@yahoo.in , website www.famesociety.in

Ref. No. fame/election/2025/1202 — Date : 25.02.2025

In exercise of the powers conferred by section 45 K (3) (b) of the Multi State Co-operative Societies (MSCS), Act 2002 read with rule 19 F(a) of MSCS Rules, 2002, the Co-operative Election Authority Vide his letter No. CEA-12011/121/2024 dt. 11-02-2025.hereby appoints Shri Rajiv Sinha (SDM) as Assistant Returning Officer for conducting election of "The Farmers Agro Cooperative Marketing & Efficient Supply Society Ltd 2047-2048, Narela Mandi, Delhi 110040. Hereby call for a Special General Body Meeting of aforesaid Society on 30.03.2025 (Sunday) at 08.00 AM to 02.00 PM at the premises of Shiv Mandir Aggarwal Dharamshala, Old Anaj Mandi, Narela, Delhi-40 for conduct of election the post of Director of the society for 15 Directors (7 from societies & 8 from individual of which General-5, SC/ST-1 & Women-2) and 2 Office Bearers (Chairman-1 & Vice-Chairman-1)

Election Programme

Sr.No	Particulars	Date	Remark	Venue
1.	Publication of Provisional List of Members/Delegates, Eligible to Vote	05th March, 2025 (Wednesday)	11:00 AM	Society notice board, website & A.R.O. Office.
2.	Time Window for Raising Objection to the Provisional List	06th March,2025 to 10th March, 2025 (Thursday to Monday)	11:00 AM to 3:00 PM	S.D.M Office Model Town
3.	Scrutiny of objection received to the Provisional List (if any)	11th March,2025 To 13th March, 2025 (Tuesday to Thursday)	11:00 AM to 3:00 PM	S.D.M Office Model Town
4.	Publication of Final List of Members / Delegates, Eligible to Vote	15th March, 2025 (Saturday)	11:00 AM	Society notice board, website & A.R.O. Office.
5.	Issue and Filing of Nomination Form	17th March,2025 To 20th March, 2025 (Monday to Thursday)	11:00 AM to 3:00 PM	S.D.M Office Model Town
6.	Display on Notice Board of the Society (at a conspicuous place) Nominations Forms received by Returning Officer	20th March, 2025 (Thursday)	5:00 PM	Society notice board, website & A.R.O. Office.
7.	Scrutiny of Received Nomination Forms	21th March, 2025 (Friday)	11:00 AM to 3:00 PM	D.M Office Alipur, Delhi
8.	Publication of List of Valid Nominations	21th March, 2025 (Friday)	5:00 PM	Society notice board, website & A.R.O. Office.
9.	Withdrawal of Nominations	22th March,2025 (Saturday)	11:00 AM to 3:00 PM	D.M Office Alipur, Delhi
10.	Publication of Final List of Contesting Candidates	22th March,2025 (Saturday)	5:00 PM	Society notice board, website & A.R.O. Office.
11.	Date of Polling, if Necessary	30th March,2025 (Sunday)	8:00 AM to 2:00 PM And all those who have entered polling station at 02 PM or before should be allowed to cast vote	Shiv Mandir Aggarwal Dharamshala , Old Anaj Mandi, Narela,Delhi-40
12.	Counting of votes	01st April, 2025 Tuesday)	08:00 AM onwards	-Do -
13.	Declaration of Result of Board of Directors	04th April,2025 (Friday)	After approval of Cooperative Election Authority, New Delhi on Format 19M	S.D.M Office Model Town

Election Program of Office Bearer

1.	Announcement of Election Schedule I. Time window for filing nomination II. Scrutiny of nomination papers III. Time and date for withdrawal IV. Display of list of the contesting candidate and schedule of election	05th April,2025 (Saturday)	After Declaration of Result of Board Members Election	After Declaration of Result of Board Members Election
2.	Meeting of Newly Constituted Board & Publication of List for valid Nominations, Polling (if required	07th April,2025 (Monday)	11:00 AM Onwards	Society Office : 2047-48 , Old Anaj Mandi , Narela,Delhi 40
3.	Declaration of Result of Election of Office Bearers	After approval of Cooperative Election Authority, New Delhi on Format 19N		

In this connection you are requested to please send the nomination of the representative of your society eligible as per the Section 38(3) of the Multi State Coop. Societies Act.2002 to participate in the election of the FAME society by 14-03-2025 up to 3.00 pm by hand or post at Society Office address 2047-48, Old Anaj Mandi,Narela,Delhi 40 or through mail. (Email id- famemkt@yahoo.in)

The nomination received after above mentioned date and time shall not be entertained and thereafter he / she will not be eligible to participate in the election process. The resolutions for the delegate should be send on the Letter Head of the society with duly attestation by President/Secretary of Society.

This issues with the approval of Cooperative Election Authority.

Rajiv Sinha
Assistant Returning Officer

संगम से लाकर जल कराया वितरित

नोएडा (एसएनबी)। प्रयागराज के संगम का पवित्र जल नोएडा पहुंच चुका है। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों से लाया गया गंगाजल सेक्टर-52 स्थित फोनरवा कार्यालय में वितरित किया जा रहा है। इस अवसर पर सांसद डॉ. महेश शर्मा, डीसीपी नोएडा और चीफ फायर ऑफिसर मौजूद थे। गंगा जल वितरण की शुरुआत पूजा-अर्चना के बाद की गई, जिसके बाद श्रद्धालुओं में पवित्र जल वितरित किया गया।

सोमवार को कुल 10 हजार लीटर गंगाजल का वितरण किया गया है, जबकि 21 हजार लीटर जल की नई खेप जल्द नोएडा पहुंचेगी। फायर विभाग की गाड़ियों की मदद से गंगाजल को नोएडा और ग्रेटर नोएडा के विभिन्न स्थानों तक पहुंचाया जाएगा। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे यहां आकर पवित्र जल ले जाएं और इसका उपयोग पूजा-अर्चना में करें। सांसद डॉ. महेश शर्मा ने महाकुंभ मेले के आयोजन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के सफलतापूर्वक संपन्न होने से करोड़ों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। यह हमारे देश की एकता और धार्मिक समरसता का प्रतीक है, जहां हर धर्म, जाति और संस्कृति के लोग एक साथ आते हैं। जिस देश में हर 50 किलोमीटर पर जाति, रंग, खानपान बदल जाता है, वहां पर धर्म और सनातन ने सबको एक साथ जोड़कर रखा। डीसीपी राम बदन सिंह ने कहा कि यह पहल उन श्रद्धालुओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, जो किसी कारणवश प्रयागराज महाकुंभ नहीं जा सके थे। अब उन्हें अपने शहर में ही संगम के पवित्र जल का आशीर्वाद मिल रहा है। फोनरवा के अध्यक्ष और तमाम पदाधिकारियों ने भी जल वितरण कार्यक्रम की सफलता पर संतोष व्यक्त किया।

- पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं को दिया गया गंगा जल

आधार हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड — Aadhar Housing Finance Ltd

कार्पोरेट कार्यालय: युनिट नं. 802, नटराज रुस्तमजी, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे एवं एम.वी. रोड़, अंधेरी (पूर्व), मुम्बई-400069.
नोएडा सेक्टर 31 शाखा: दूसरी मंजिल, प्लॉट नंबर 253, कृष्णा कॉम्प्लेक्स, महाराजा अग्रसेन मार्ग, नोएडा सेक्टर -31, पिलर नंबर 23, निठारी ग्राम, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश -201301

ई-नीलामी – बिक्री सूचना

सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के प्रावधान के साथ पठित वित्तीय परिसंपत्ति के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना।

इसके द्वारा सामान्य रुप से सर्वसाधाण को और विशेष रुप से ऋणी(यों) एवं जमानतदार(ओं) को सूचना दी जाती है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जिसका कब्जा आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को **'जैसा है जहां है'**, **'जैसा है जो है'**, और **'जो कुछ भी है'** बिना किसी ज्ञात बाधा के आधार पर विक्रय किया जाएगा जिनका विवरण नीचे दिया गया है:-

क्रं.	ऋणी(यो)/सह ऋणी(यो)/जमानतदार	मांग सूचना दिनांक एवं राशि	अचल संपत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य (RP)	बयाना जमा राशि (ईएमडी) (RP का 10%)	कब्जे का प्रकार
1	(लोन कोड नं. 20210000329/ नोएडा सेक्टर 31 शाखा) सबरीन (ऋणी), अख्तरी ए (सह-ऋणी)	09-10-2024 एवं ₹ 3,87,398/-	संपत्ति का समस्त शेष एवं सम्पूर्ण भाग, आवासीय प्लॉट नंबर सी-17ए (ब्लॉक सी भाग 3) खसरा नंबर 485, कृष्णा एन्क्लेव में स्थित, ग्राम सुनपुरा सोहनपुर परगना एवं तहसील दादरी जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश-201306 क्षेत्रफल 50 वर्ग गज **चर्तुसीमाएँ:**– पूर्व- रास्ता 20 फीट चौड़ा, पश्चिम- प्लॉट नंबर सी-12, उत्तर- प्लॉट नंबर सी-17, दक्षिण- प्लॉट नंबर सी-18	₹ 6,00,000/-	₹ 60,000/-	भौतिक
2	(लोन कोड नं. 20200003217/ नोएडा सेक्टर 31 शाखा) रिंकू कुमार (ऋणी), अनुराधा अनुराधा (सह-ऋणी) धरम पाल सिंह (जमानतदार)	09-11-2024 एवं ₹ 2,53,806/-	संपत्ति का समस्त शेष एवं सम्पूर्ण भाग, प्लॉट नंबर 21, खसरा नंबर 823, आवासीय कॉलोनी साईवन सिटी-III स्थित, ग्राम रोजा जालापुर, परगना एवं तहसील दादरी, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश 201306 क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, **चर्तुसीमाएँ:**– पूर्व- प्लॉट अन्य, पश्चिम- रास्ता 17 फीट चौड़ा, उत्तर- प्लॉट नंबर 20, दक्षिण- प्लॉट नंबर 22	₹ 6,00,000/-	₹ 60,000/-	भौतिक

1. केवाईसी, निविदा प्रपत्र एवं स्वीकृत नियम एवं शर्तों (निविदा दस्तावेज) के साथ बयाना राशि का डीडी जमा करने की अंतिम तिथि **18-03-2025 शाम 5:00 बजे** तक ऊपर उल्लिखित शाखा कार्यालय के पते पर या **https://bankeauctions.com** पर अपलोड की गई है। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त निविदा दस्तावेजों को अमान्य निविदा माना जाएगा और तदनुसार अस्वीकार कर दिया जाएगा। ईएमडी पर कोई ब्याज नहीं दिया जाएगा।
2. संपत्ति के लिए बोली/प्रस्ताव (नीलामी तिथि) खोलने की तिथि **19-03-2025 दोपहर 03:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक https://bankeauctions.com** पर है।
3. जैसा कि ऊपर बताया गया है, एएचएफएल संपत्ति पर लंबित किसी भी देनदारी के लिए जिम्मेदार नहीं है। संपत्ति की नीलामी **'जैसा है जहां है'**, **'जैसा है जो है'** और **'जो है वह है'** के **आधार पर** की जाएगी।
4. डिमांड ड्राफ्ट केवल 'आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड' के पक्ष में बनाया जाना चाहिए।
5. नीलामी/बोली केवल वेबसाइट **https://bankeauctions.com** के माध्यम से 'ऑनलाईन इलेक्ट्रॉनिक बोली' के माध्यम से होगी। बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे ई-नीलामी बिक्री कार्यवाही में भाग लेने से पहले विस्तृत शर्तों के लिए वेबसाइट देखें।
6. इच्छुक बोलीदाताओं को **https://bankeauctions.com/registration/signup,** लिंक के माध्यम से पोर्टल मेसर्स सी 1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड पर अपना नाम पंजीकृत करना चाहिए, और अपनी यूजर आईडी और पासवर्ड निःशुल्क प्राप्त करना चाहिए। संभावित बोलीदाता वेबसाइट **https://bankeauctions.com** के माध्यम से सेवा प्रदाता मेसर्स सी 1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से ई-नीलामी पर ऑनलाईन प्रशिक्षण का लाभ उठा सकते हैं।
7. अधिक जानकारी के लिए आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी **राकेश तिवारी (संपर्क नंबर 9570443300)** या सेवा प्रदाता मेसर्स सी 1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, **श्री प्रभाकरन, मोबाईल नं. +91-74182-81709, ई-मेल: tn@c1india.com & support@bankeauctions.com,** फोन नं. **+917291981124 /25 /26** से संपर्क करें। आज तक, एएचएफएल/ एएचएफएल के प्राधिकृत अधिकारी को उपरोक्त अचल संपत्तियों/सुरक्षित परिसंपत्तियों को बेचने, हस्तांतरित करने और/या निपटान करने से रोकने वाला कोई आदेश और/या अदालती निषेधाज्ञा नहीं है।
8. बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिए, कृपया आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एएचएफएल), सुरक्षित ऋणदाता की वेबसाइट यानी www.aadharhousing.com पर दिए गए लिंक को देखें।
9. नीलामी के लिए बोली वृद्धिशील राशि **रु. 10,000/-** है।

स्थान : उत्तर प्रदेश
दिनांक : 04.03.2025

सही/– प्राधिकृत अधिकारी
आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

जग प्रसिद्ध तीन बाण धारी बाबा खाटूश्याम जी के लक्खी फाल्गुन मेले के शुभारम्भ पर सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। बाबा श्याम जी से आप सभी की सुख-शांति, उन्नति एवं खुशहाली की कामना करती हूं। —वसुंधरा राजे@VasundharaBJP

छोटे पर्दे के कार्यक्रम

डीडी-1 : अप. 01:00 बजे

फिल्म : 'तुलसी'

डीडी-1 05.00 आराधना, 05.30 वंदेमातरम, 06.00 सोच बदले जीवन बदले, 06.30 रामलला आरती का सीधा प्रसारण, 07.00 योगा, 07.30 चित्राहार, 08.00 मॉर्निंग शो, 09.00 चित्राहार, 09.30 रामायण, 10.00 महाभारत, 11.00 ससुराल झुनकी का, 11.30 फौजी2, 12.00 भेद भरम, 12.30 सरदार द गेम चेंजर, 01.00 हिंदी फीचर फिल्म, 04.00 अलिफ लैला, 05.00 महाभारत, 06.00 सेम्फेनी आफ इंडिया, 07.00 संकट मोचन हनुमान, 07.30 रामायण, 08.00 हम तो मिडिल क्लास हैं, 08.30 ससुराल झुनकी का, 09.00 फौजी2, 09.30 भेद भरम, 10.00 रामायण, 10.30 सरदार द गेम चेंजर, 11.00 सेम्फनी आफ इंडिया।

सहारा वन 06.00 जय जय जय बजरंगबली, 06.30 डोली सजा के, 07.00 वो रहने वाली महलों की, 07.30 घर एक सपना, 08.00 डोली सजा के, 08.30 जय जय जय बजरंगबली, 09.00 करिश्मा, 09.30 घर एक सपना, 10.00 वो रहने वाली महलों की, 10.30 करिश्मा, 11.00 जय जय जय बजरंगबली, 11.30 डोली सजा के, 12.00 हिंदी फीचर फिल्म, 03.00 हिंदी फीचर फिल्म।

जी टीवी 06.00 कुमकुम भाग्य, 06.30 कुण्डली भाग्य, 07.00 मीत, 07.30 भाग्य लक्ष्मी, 08.00 मैं हूं अपराजिता, 08.30 राधा मोहन, 09.00 कुण्डली भाग्य, 09.30 भाग्य लक्ष्मी, 10.00 मीत, 10.30 कुमकुम भाग्य, 11.00 कुण्डली भाग्य, 11.30 भाग्य लक्ष्मी, 12.00 राधा मोहन, 12.30 कुमकुम भाग्य, 01.00 कुण्डली भाग्य, 01.30 भाग्य लक्ष्मी, 02.00 मैं हूं अपराजिता, 03.00 कुण्डली भाग्य, 04.00 मीत, 05.00 कुण्डली भाग्य, 05.30 भाग्य लक्ष्मी, 06.00 मीत, 07.00 मैत्री, 07.30 मैं हूं अपराजिता, 08.00 राधा मोहन, 08.30 भाग्य लक्ष्मी, 09.00 कुमकुम भाग्य, 09.30 कुण्डली भाग्य, 10.00 रब से है दुआ, 10.30 मीत, 11.00 भाग्य लक्ष्मी, 11.30 राधा मोहन।

स्टार प्लस 06.05 गुम है किसी के प्यार में, 06.30 ये रिश्ता क्या कहलाता है, 08.00 तेरी मेरी दूरियां, 08.30 गुम हैं किसी के प्यार में, 09.00 अनुपमा, 09.30 ये रिश्ता क्या कहलाता है, 10.00 पंड्या स्टोर, 10.30 गुम हैं किसी के प्यार में, 11.00 तेरी मेरी दूरियां, 11.30 अनुपमा, 12.00 ये रिश्ता क्या कहलाता है, 12.30 दिया और बाती हम, 02.30 ये रिश्ता क्या कहलाता है, 05.00 साथ निभाना साथिया, 06.00 प्यार का दर्द है मीठा मीठा प्यारा प्यारा, 07.00 तेरी मेरी दूरियां, 07.30 पंड्या स्टोर, 08.00 गुम हैं किसी के प्यार में, 08.30 इमली, 09.00 फालतू, 09.30 ये रिश्ता क्या कहलाता है, 10.00 अनुपमा, 10.30 ये हैं चाहतें, 11.00 चाशनी, 11.30 गुम हैं किसी के प्यार में।

ट्रैवल एंड लिविंग 07.00 केक बॉस, 08.00 ब्राइड बाई डिजाइन, 08.30 कर्वी ब्राइड, 09.30 कैंडी क्वीन, 10.30 रैकल एलन आल थिंग्स स्वीट, 12.00 प्रोजेक्ट रनवे, 01.00 केक बॉस, 02.00 अल्टीमेट केक ऑफ, 05.00 ब्राइड बाई डिजाइन, 05.30 कर्वी ब्राइड, 06.00 केक बॉस, 10.00 प्रोजेक्ट रनवे।

डिस्कवरी 08.00 ड्युअल सरवाइवल, 09.00 मैन वर्सेस वाइल्ड, 01.30 सैवेज फैमिली ड्रिगर्स, 02.00 फूड फैक्ट्री, 05.00 मैन वर्सेस वाइल्ड, 09.00 मुम्बई रेलवेज, 12.00 हंटिंग।

एनीमल प्लेनेट 08.00 न्यू लाइफ : बार्न टू हंट, 09.00 मामा हायना, 03.00 क्रॉस ऑफ कटुमा, 11.00 रिवेंज ऑफ द लॉयन क्वीन्स।

सोनी बीबीसी अर्थ 08.00 टैक टॉयज 360, 09.00 द माइंड कंट्रोल फ्रैक्स, 11.30 एवीथिंग यू नीड टू नो, 12.00 वैदर कंट्रोल वाइरल, 01.00 टैक टॉयज 360, 01.30 गजट मैन, 02.30 एवीथिंग यू नीड टू नो, 03.00 व्हाट आन अर्थ, 04.00 फ्रंटलाइन बैटल मशीन्स विद माइक ब्रेव, 05.00 हाउ द यूनिवर्स वर्क्स, 06.00 टैक टॉयज 360।

टीवी की फिल्में

डीडी-1
01.00 अप. 'तुलसी'।

बी4यू प्लस
09.30 प्रातः 'प्लेटफार्म', 03.00 अप. 'पृथ्वी', 08.30 रात्रि 'विवाह'।

मुवीज नाउ
09.25 प्रातः 'द हॉब्बिट', 12.00 अप. 'गोल्डनआइ', 02.05 अप. 'एजेंट कोडी बैंक्स', 03.45 अप. 'इनटू द ब्लू', 05.35 सायं 'रॉकी', 07.30 रात्रि 'एपिक मूवी', 08.45 रात्रि 'क्वांटम आफ सोलस'।

सोनी पिक्स एचडी
10.20 प्रातः 'वेनम', 12.15 अप. '12 स्ट्रांग', 02.30 अप. 'बेड ब्यॉयज', 04.35 अप. 'वंडर वूमैन 1984', 07.15 रात्रि 'मॉन्स्टर हंटर', 09.00 रात्रि 'मिकेनिक', 10.40 रात्रि 'मेड मैक्स'।

& फिलिक्स एसडी
10.35 प्रातः 'सेंटर स्टेज', 12.25 अप. 'द पॉजेशन आफ हन्नाह ग्रेस', 01.45 अप. 'सर्फ्स अप', 03.10 अप. 'एक्सीडेंट मैन', 04.50 अप. 'ब्लम हाउसिसज फेंटेसी आइसलेंड', 06.40 सायं 'हेल ब्यॉय', 09.00 रात्रि 'मैडम वेब'।

राशिफल/पंचांग

मंगलवार, 4 मार्च, 2025

पं. कृष्ण गोपाल मिश्र

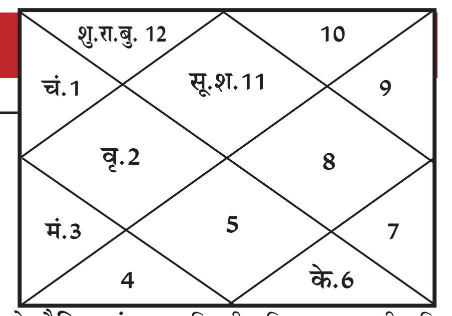

दैनिक सूर्योदय : दिल्ली-प्रातः 06:43, काशी-प्रातः 06:18, कानपुर-प्रातः 06:29, पटना-प्रातः 06:09, देहरादून-प्रातः 06:40, गोरखपुर-प्रातः 06:17, लखनऊ-प्रातः 06:27 बजे। **दैनिक सूर्यास्त :** दिल्ली-सायं 18:22, काशी-सायं 18:01, कानपुर-सायं 18:11, पटना-सायं 17:52, देहरादून-सायं 18:18, गोरखपुर-सायं 17:59, लखनऊ-सायं 18:09 बजे। **दैनिक चंद्रोदय :** दिल्ली-प्रातः 09:18, काशी-प्रातः 09:00, कानपुर-प्रातः 09:09, पटना-प्रातः 08:51, देहरादून-प्रातः 09:12, गोरखपुर-प्रातः 08:56, लखनऊ-प्रातः 09:06 बजे। **दैनिक चंद्रास्त :** दिल्ली-रात्रि 23:19, काशी-रात्रि 22:48, कानपुर-रात्रि 23:02, पटना-रात्रि 22:40, देहरादून-रात्रि 23:20, गोरखपुर-रात्रि 22:49, लखनऊ-रात्रि 22:59 बजे। राहुकालम 03:00 बजे से 04:30 बजे तक। राष्ट्रीय फाल्गुन 13, शक् संवत् 1946। फाल्गुन शुक्ल पंचमी, संवत् 2081, सौर (कुम्भ) फाल्गुन मास की 21, प्रविष्टें। शिशिर ऋतु। फाल्गुन शुक्ल पक्ष पंचमी (05) अपराह्न 15:16 बजे तक, तदन्तर षष्ठी तिथि प्रारम्भ। भरणी नक्षत्र अर्द्धरात्रयोत्तर 02:37 बजे तक, तदन्तर कृत्तिका नक्षत्र प्रारम्भ। ऐन्द्र योग अर्द्धरात्रयोत्तर 02:07 बजे तदन्तर वैधृति योग प्रारम्भ। चन्द्रमा पूरा दिन-रात मेष राशि में प्रवेश करेगा। महर्षि याज्ञवल्क्य जयन्ती, सूर्य पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में सायं 18:41 बजे प्रवेश करेगा।

-- दैनिक राशिफल --

मेष : नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। पुरानी स्थितियों में सुधार का समय आ गया है। भविष्य संबंधी चिन्ताएं मन में नीरसता लाएंगी। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा।

बृषभ : गुणवत्ता व बुद्धिमत्ता से पुरानी समस्याओं के समाधान में सक्षम होंगे। पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर उत्साहित होंगे। मजबूत मनोबल के साथ कुछ साहसी कार्यों में हाथ डालेंगे।

मिथुन : संबंधों में आलोचनात्मक रवैया आपकी छवि पर बुरा प्रभाव डालेगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी। विरोधियों की प्रबलता से कार्य क्षेत्र में कठिनाइयां संभव।

कर्क : आपका मस्तमौला मन मौज मस्ती में समय व्यर्थ कर मन महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाह होगा। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी। रोजगार में नये लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह : शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में समुचित परिश्रम पर मन केन्द्रित होगा। अच्छा होगा कि हर स्थिति का बड़े ही नम्रतापूर्वक सामना कर अच्छे व्यक्तित्व का परिचायक बनें।

कन्या : नैतिक-अनैतिक आदि के बारे में सोचने वाला आपका मन भौतिक परिवेश में तालमेल बैठाने में असमर्थ होगा। कोई व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकता है।

तुला : कल्पनाएं व आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेंगी। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। व्यवहारकुशलता व वाकपटुता आपके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी पूंजी है।

वृश्चिक : बहुत दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुरूप चलने का प्रयत्न करें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा।

धनु : वसूल पसन्द व स्वाभिमानी व्यवहार लोकप्रियता दिलाने में सहायक होगा। असीम प्रतिभाओं के बावजूद भी आपका हीन भाव उन प्रतिभाओं के लाभ से वंचित कर रहा है अतः इसे सुधारें।

मकर : मन कुछ असामान्यताओं का शिकार हो सकता है। कार्य क्षेत्र में अनवरत व्यस्तता रहेगी। आवेश में लिए गये निर्णय से पश्चाताप संभव। सुन्दर भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी।

कुंभ : पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी। महत्वपूर्ण कार्यों के प्रति आलस्य न करें। नियोजित प्रयास द्वारा कोई बड़ी सफलता अर्जित करेंगे।

मीन : भविष्य के प्रति नकारात्मक विचार उत्साह में कमी ला सकते हैं। किसी नये क्षेत्र में आपकी मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी। परम्परावादी व स्वाभिमानी मन व्यावहारिक जगत में तालमेल बैठाने में असमर्थ हो सकता है।

वर्गीकृत विज्ञापन

खोया-पाया

मेरी हाई स्कूल परीक्षा 2010 अनुक्रमांक 0194028, क्रमांक न.0951300 (माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश) की सनद वास्तव में कहीं खो गई है। जय किशोर पुत्र मुरारी सिंह निवासी गांव दयानतपुर, गौतमबुद्ध नगर ।

(बैंक)

नाम परिवर्तन

I, Hasrat Malik S/o Babuddin R/o 104, Street No.20, Ziyaduddin Pur, New Mustafabad, North East, Delhi-110094 have changed my name Hasmat to Hasrat Malik for all future purposes. Hasmat and Hasrat Malik both are same person.

(Bank)

सूचना

मेरी मुवक्किला सुषमा पत्नी प्रदीप कुमार निवासी म.नं.-ए-3/83 गली नं.-6 हर्ष विहार मंडोली दिल्ली-93 ने अपने पुत्र जतिन कुमार को उसके गलत चाल-चलन/दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखलकर पारिवारिक संबंध विच्छेदकर लिए है किसी भी लेन-देन के लिए वह स्वंय जिम्मेदार होगा। मोहम्मद अथर (एडवोकेट)

(बैंक)

मेरी मुवक्किला किरन ठाकुर पत्नी विजय ठाकुर निवासी-सी-232, गली नं.9, प्रेमविहार, करावलनगर, दिल्ली ने अपने पुत्र आकाश, पुत्रवधु प्रीती ठाकुर से उनके अनैतिक-कार्यो के कारण पारिवारिक सम्बन्ध-विच्छेद करके उन्हें समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेलखलकर दिया है। मेरी मुवक्किला उनके कार्यो की जिम्मेदार नहीं होंगी। हेमन्तकुमार-एडवोकेट

डी-2404090

मेरे मुवक्किल ताहिर पुत्र अब्दुल गनी एवं उसकी पत्नी जरीना खातून निवासी ए-21/29, प्रेम नगर 3, किरारी सुलेमान नगर, दिल्ली ने अपने पुत्र खालिद हुसैन व उसकी पत्नी सगुफ्ता खातून को उनके दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर उनसे सभी रिश्ते तोड़ लिए है, अब उसके किसी क्रियाकलाप एवं लेन-देन के लिए मेरे मुवक्किल उत्तरदायी नही होगे। एच.एल. गांधी (एडवोकेट)

(बैंक)

सूचना

मेरे मुवक्किल रमेश कुमार सोनी एवं इनकी पत्नी ऊषारानी निवासी बी-30, रामगली, सुभाष मौहल्ला, नॉर्थ घोंडा, दिल्ली-110053 ने अपने पुत्र दीपक सोनी को उसके दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखलकर सम्बन्ध-विच्छेद कर लिए है। उसके किसी भी कार्य हेतु मेरे मुवक्किल जिम्मेदार नहीं होंगे। मयंक गोस्वामी (एडवोकेट)

डी-2404088

मेरे मुवक्किल नाहर सिंह पुत्र नेत्र पाल निवासी सी-399, गली नं.-3, राधा विहार, सबोली, मंडोली, दिल्ली-110093 ने अपने पुत्र ललित कुमार को उसके दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखलकर सम्बन्ध-विच्छेद कर लिए है। उसके किसी भी कृत्य हेतु मेरा मुवक्किल जिम्मेदार नहीं होगा। सतेंद्र (एडवोकेट)

डी-2404088ए

मैं यामीन पुत्र मौ. मुस्तकीम एवं मेरी पत्नी गुलनार बेगम निवासी म.नं.-4503, गली शाहतारा, अजमेरी गेट, दिल्ली-110006 अपने पुत्र इमरान खान व पुत्रवधू गज़ाला एवं उनके बच्चों को दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखलकर सम्बन्ध-विच्छेद करते है उनके किसी भी कार्य हेतु हम तथा हमारा परिवार जिम्मेदार नहीं होगा।

डी-2404088बी

मेरे मुवक्किल हरीलाल पुत्र गोपाल निवासी ए-507/2, गली नं.-3, गामड़ी एक्सटेंशन, दिल्ली-110053 ने अपने पुत्र सुनील कुमार व पुत्रवधू रीमादेवी को राष्ट्रीय सहारा के माध्यम से दिनांक-28/05/2024 को बेदखल कर दिया था परन्तु अब उनका आचरण सही होने के कारण मेरे मुवक्किल ने उसकी बेदखली निरस्त-करके पुनः अपने सम्बन्ध-स्थापित कर लिए है। श्यामबाबू चंदेल (एडवोकेट)

डी-2404088सी

मेरे मुवक्किल भूपसिंह पुत्र कन्हैयालाल निवासी म.नं.-357, गली नं.-6, वेस्ट कान्तिनगर, कृष्णानगर, दिल्ली-110051 ने अपने पुत्र मुकेश व पुत्रवधू संतोष को उनके दुर्व्यवहार/गलत-आचरण व नशा आदि करने के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखलकर सम्बन्ध-विच्छेद कर लिए है। उसके किसी भी कार्य हेतु मेरा मुवक्किल जिम्मेदार नहीं होगा। दुलीचंद (एडवोकेट)

डी-2404088डी

मेरे मुवक्किलगण सुखपाल सिंह पुत्र चंदगीराम व अमरेश देवी पत्नी सुखपाल सिंह निवासीगण डी-573, गली नं.-3, अशोक नगर दिल्ली-110093 ने अपनी पुत्री प्रियंका राजन को उसके दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखलकर सम्बन्ध-विच्छेद कर लिए है। उसके किसी भी कार्य हेतु मेरे मुवक्किलगण जिम्मेदार नहीं होंगे। राजेश सिंह (एडवोकेट)

डी-2404088ई

वर्गीकृत विज्ञापन

सूचना

मेरे मुवक्किल राकेश अग्रवाल पुत्र स्व. लक्ष्मी नारायण निवासी मकान नं. वी-1525, गली नं.-1, विजय पार्क, मौजपुर, दिल्ली-110053 ने अपने भाई दिनेश कुमार अग्रवाल एवं दूसरे भाई दीपक एवं इनके सभी वारिसान को उनके दुर्व्यवहार के कारण समस्त सम्बन्ध-विच्छेद कर लिये हैं। उनके किसी भी कार्य/लेन-देन हेतु मेरा मुवक्किल जिम्मेदार नहीं होंगा सुमित गुप्ता (अधिवक्ता)

डी-

मेरे मुवक्किलगण खैराती लाल एवं धनपत लाल पुत्र स्व. कन्हैया लाल निवासी W 251, नेहरु गली नं.-8, निकट बाबरपुर बस टर्मिनल बाबरपुर शाहदरा पूर्वी दिल्ली-110032 ने अपने भाई दर्शन लाल एवं इनके सभी वारिसान को उनके दुर्व्यवहार के कारण समस्त सम्बन्ध-विच्छेद कर लिये हैं। उनके किसी भी कार्य/लेन-देन हेतु मेरे मुवक्किलगण जिम्मेदार नहीं होंगे । योगेश कुमार (अधिवक्ता)

डी-

मेरे मुवक्किल कालू राम पुत्र स्व. सत्य पाल निवासी 665, गली नं.-15, आदर्श मोहल्ला मौजपुर, भजन पुरा, उत्तर पूर्वी, दिल्ली-110053 ने अपने पुत्र आशीष मलिक पुत्रवधु काजल को उनके दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखलकर संबंध-विच्छेद कर लिए हैं। उनके किसी कार्य/लेनदेन हेतु मेरा मुवक्किल जिम्मेदार नहीं होंगा। आर. पी. सिंह (एडवोकेट)

डी-

मेरी मुवक्किला रानी सिंह पुत्री हेरेराम सिंह, म. नं.आई-6/67, द्वितीय तल, सैक्टर-16, रोहिणी, दिल्ली-110085 ने अपने पति ''गौरव कालरा' व उसके सभी परिवारजन के दुर्व्यवहार / अत्याचार करने के कारण उनसे अपने पारिवारिक सम्बन्ध-विच्छेद कर लिये है। भविष्य में उनके अनैतिक कृत्यों के लिए मेरी मुवक्किला जिम्मेदार नहीं होगी। अनिल कुमार सिंह (एडवोकेट)

(बैंक)

My client Tasleem S/o Sadeek R/o B-2/98, Sector-20, Rohini, Delhi-110086, sever all relations, debar his son Shahnawaj from all his movable/immovable properties due to disobedience, out of control my client will not be responsible for his any acts/deeds. Anil Malik (Advocate)

(Bank)

Public Notice

We Mohd Khalid S/o Farhat Ahmed R/o X/373, Gali No.-7, Mohalla Ram Nagar, Gandhi Nagar, Delhi-110031, Mohammad Waseem S/o Liyaqat Hussain R/o H.No.-693, Gali No -27, Jafrabad, Delhi-110053 & Mohd Fazil Khan S/o Mohd Atiq Khan R/o H.No.-229, S/F, Gagan Vigar, Krishna Nagar, Delhi-110051 have lost our property documents vide documents No.-22557, duly registered on dated 01/11/2012 and other documents of the said property. D-

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह उपयुक्त जांच-पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

सूचना

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री राकेश व उसकी पत्नी शांति देवी निवासी प्लाट नं.-110, ब्लॉक एल- एक्सटैंशन, मोहन गार्डन, उत्तम नगर दिल्ली ने अपनी पुत्री रूबी व उसके भविष्य में होने वाली संतानों को अपनी पुत्री के दुर्व्यवहार व गलत आचरण करने के कारण अपनी समस्त चल -अचल सम्पत्ति से बेदखल कर समस्त संबंध-विच्छेद कर लिये हैं। उसके द्वारा भविष्य में किये गये किसी भी कार्य व लेन-देन के लिए मेरे मुवक्किल जिम्मेदार नहीं होंगे। **संजय शर्मा** (अधिवक्ता) डी-

Public Notice

This public notice is issued for and behalf of my client i.e.. "Saber Machinery" in strict compliance of Section 72 of the Indian Partnership Act, 1872 that Mr. Sahil Tyagi S/o Mr. Vijay Tyagi R/o C-292, Ground Floor, Near Adarsh Public School, Vikas Puri, New Delhi-110018 having Aadhar: 7160 3714 6058 and PAN: AWHPT4508P has been retired as a Partner of the "Saber Machinery" which is an unregistered Partnership Firm having PAN: AFJFS3234E & GST: 07AFJFS3234E1Z3 and office at, "WZ-23F, Keshopur Village, Keshopur, New Delhi, New Delhi, 110018" with effect from 28 February 2025. Issued by Advocate Mr. Abhijit Mishra (D/7267/2022), Payal Bahl Law Chamber LLP, 7 Priya Enclave, Delhi-110092 for and behalf of "Saber. Machinery" ABHIJIT MISHRA Advocate

D-2404089

अदालती सूचना

न्यायालय सिविल जज (सी.डि.) बुलन्दशहर

मूलवाद संख्या- 1306 सन् 2024

पुष्पराज सैनी

बनाम

श्रीमती संतोष आदि

मुजाहिर अली पुत्र श्री खलील मौहम्मद, निवासी- ग्राम- सरांवा, दादूपुर, परगना व तहसील- खुर्जा, जिला -बुलन्दशहर।

...प्रतिवादी

हरगाह ने ...आपके नाम एक नालिश बाबत ...के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि **बातारीख 29 माह मार्च सन् 2025 ई.** बवक्त **10.00** बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमे के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और कुल उमूरात अहम मुताल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके हाजिर हो और जवाब देही दावा करें और लाजिम है कि उसी रोज अपने दस्तावेज पेश करें । जिस पर आप अपनी जवाब देही के दस्तखत करना चाहते हों ।

बवक्त मेरे दस्तखत और मोहर अदालत के आज बतारीख **01.03.2025 ई.** को जारी किया गया।

न्यायालय सिविल जज (सी.डि.)

(जीजीएन-497) **बुलन्दशहर**

समाचार पत्र में विज्ञापन द्वारा तामील के लिए सम्मन / नोटिस

न्यायालय उप संचालक चकबन्दी जनपद गाजियाबाद

पत्रांकः560/ रीडर-उ.सं.च. गा.बाद , दिनांक 24.02.2025

कम्प्यूटरीकृत वाद संख्या 202354112800000055

अन्तर्गत धारा 48(1), उ.प्र.चौत चकबन्दी अधिनियम,1953

विजयपाल बनाम श्रीमती अतरो

ग्राम मुर्तजाबाद भूपखेड़ी, परगना लोनी, तहसील लोनी, जिला गाजियाबाद।

01- विजयपाल पुत्र स्व. हरकेश निवासी ग्राम मुर्तजाबाद भूपखेड़ी परगना व तहसील लोनी जिला गाजियाबाद, हाल निवासी म. नं.-सी. 160, गली नं.-3/23 गॉव गोकलपुर दिल्ली-110094 **...वादी**

बनाम

01-श्रीमती अतरो पत्नी स्व. बाबूराम निवासी ग्राम मुर्तजाबाद भूपखेड़ी परगना व तहसील लोनी जिला गाजियाबाद, **02**-श्रीमती सरला पत्नी स्व. फतेह छिट निवासी गली नं. 22 सी. ब्लॉक गॉव गोकलपुर दिल्ली- 110034, **03**-राहुल पुत्र स्व. फतेह सिंह निवासी गली नं. 22 सी. ब्लॉक गॉव गोकलपुर दिल्ली-110034, **04**- नवीन पुत्र स्व. फतेह सिंह निवासी गली नं.-22 सी. ब्लॉक गॉव गोकलपुर दिल्ली-110034, **05**- अशोक पुत्र स्व. बाबूराम निवासी ग्राम मुर्तजाबाद भूपखेड़ी परगना व तहसील लोनी जिला गाजियाबाद, **06**- संयज पुत्र स्व. बाबूराम निवासी ग्राम मुर्तजाबाद भूपखेड़ी परगना व तहसील लोनी जिला गाजियाबाद। **...प्रतिवादीगण**

वादी ने आपके विरूद्ध उक्त वाद संस्थित किया है। उक्त वाद में न्यायालय हाजा में सुनवाई हेतु **दिनांक 10.03.2025** नियत है। अतः आप उत्तर देने के लिए व्यक्तिगत रूप से या अधिवक्ता के माध्यम से अपना उत्तर देने के लिए उपसंज्ञात होने के लिए सम्मन किया जाता है. जिसमें असफल रहने पर आपके विरूद्ध एकपक्षीय सुनवाई / निस्तारण किया जायेगा।

आज **दिनांक 24.02.2025** को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।

(अंजुम बी.)

जी- **उप संचालक चकबन्दी ,गाजियाबाद**

वर्गीकृत विज्ञापन

अदालती सूचना

PROCLAMATION REQUIRING ATTENDANCE OF DEFENDANT

(ORDER 5, RULE 20 OF THE CODE OF CIVIL PROCEDURE)

IN THE COURT OF IN THE COURT OF **Sh. Umed Singh**, District Judge Commercial, Room No.110, Rohini Courts, Delhi.

CS (Comm.)-534/2023

State Bank of India ...Plaintiff

V/s

Janardan Chaubey ...Defendants

To,

Mr. Janardhan Chaubey S/o Sh. Mr. Laxman Chaubey

Mr. Abhinit Chaubey S/o Sh.Janardan Chaubey

Both R/o K-G-3-66, Vikaspuri, New Delhi-110018

Also at- H.No.170, Mukherjee Nagar, Delhi-110009.

Whereas you are intentionally evading service of summons it is hereby notified that if you shall not defend the case on the **10.03.2025** at 10.00am fixed for the final disposal, it will be heard and determined ex-parte.

Given under my hand and the seal of the court, this 17.02.2025.

District Judge (Commercial) Rohini Courts, Delhi.

D-

SUMMONS FOR SETTLEMENT OF ISSUES

(O, 5, R. 1, 5.)

IN THE COURT OF: **Sh. Deepanker Mohan,** LD.. District Judge-04, Shahdara District, Room No.306, New Building, 3rd Floor, Karkardoom Courts, Delhi.

CS-30/2024

Suman Chandhna

Versus

Smt. Veena Babbar

To,

Smt. Veena Babbar And Anr. W/o Sh. Kuldip Babbar,R/o A-116, Dilshad Colony, Delhi-110095.

Whereas Suman Chandhna has instituted a suit against you for you are hereby summoned to file a written statement within 30 days of the service of the present summons and to appear this court in person, or by a pleader duly instructed, and able to answer all material questions relating to suit, or who shall be accompanied by some person able to answer all such questions, on the **23rd day of May, 2025 at 10 O'clock** in forenoon, to answer the claim; and further you are hereby directed to produce on the said day all documents in your possession or power upon which you base your defence or claim for set-off or counter-claim, and where you rely on any other document whether in your possession or power or not, as evidence in support of your defence or claim for set-off, or counter-claim you shall enter such documents in a list to be annexed to the written statement.. Take notice that in default of your appearance on that day before mentioned, the suit will be heard and determined in your absence.

Given under my hand and seal of the Court, this **27th day of January, 2025.**

District Judge -04, (Shahdara District)

D- Karkardooma Courts, Delhi-32.

PROCLAMATION REQUIRING ATTENDANCE OF DEFENDANT

(ORDER 5, RULE 20 OF THE CODE OF CIVIL PROCEDURE)

IN THE COURT OF: **Sh. Umed Singh Grewal**, District Judge, (Commercial Court)-02, (North) Room No.110, First Floor, District Court, Rohini, Delhi.

Case No. CS-563/2022

NITIN JAIN …(Plaintiff)

V/s

ASLAM KHAN @ GUDDU BHAI …(Defendant)

To,

Mr. Aslam Khan @ Guddu Bhai,Prop. Of KK Polly Tech Company,NH-2, Ram Garh, Makka Colony, Firozabad, Uttar Pradesh-283203.Mobile No.9410611065, 8273279935.

Whereas you are intentionally evading service of summons it is hereby notified that if you shall not file your written reply within 30 days of this Publication and not defend the case on the **07th day of March, 2025 at 10:00 am** fixed for the final disposal, it will be heard and determined ex-parte.

Given under my hand and the seal of the court, this **27th day of February, 2025.**

District Judge/Commercial Court-02, (North), Rohini Court, Delhi.

D-

अदालती सूचना

इश्तहार मजरिया

न्यायालय श्रीमान जिला जज, गाजियाबाद

विविध वाद सं.-08/2025

रूही परवीन पत्नी स्व. मौ. सलीम संरक्षिका मिनाहिल सिद्दीकी आयु लगभग 8 वर्ष निवासी सी-2ए.-803 युनिटेक युनिहोम्स सैक्टर-117, स्टार क्रिकेट ग्राउन्ड नोएडा जनपद गौतमबुद्धनगर ...वादी

बनाम

1. अनीश सिददकी पुत्र स्वः मौ. सलीम आयु लगभग 30 वर्ष निवासी सी.-2ए.-803 युनिटेक युनिहोम्स सैक्टर 117, स्टार क्रिकेट ग्राउन्ड नोएडा जनपद गौतमबुद्धनगर 201301,

2- समीर सिददकी पुत्र स्वः मौ. सलीम आयु लगभग 28 वर्ष निवासी सी. 2ए-803 युनिटेक युनिहोम्स सैक्टर 117. स्टार क्रिकेट ग्राउन्ड नोएडा जनपद गौतमबुद्धनगर 201301,

3- उत्तर प्रदेश सरकार ... प्रतिवादीगण

उपरोक्त नामाकित श्रीमति रूही परवीन ने एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 8(2) गार्जियन एण्ड वार्ड एक्ट इस आशय का प्रस्तुत किया है कि प्रार्थिनी की पुत्री मिनाहिल सिदटकी, पुत्रगण समीर सिददकी व अनीश सिददकी नाबालिग है एवं प्रार्थिनी को पुत्री मिनाहिल सिददकी, का संरक्षक घोषित किया जाकर पुत्री को प्राप्त संपत्ति दुकान प्लाट नं.-1/2 इन्डस्ट्रीज एरिया साउथ साईट जी.टी.रोड गाजियाबाद स्थित आदित्य हाई स्ट्रीट शांप नं.ए.एच.एस. 425 चतुर्थ तल कुल क्षेत्रफल 193.80 वर्ग मीटर में उसके व हिस्से में आये भाग को विक्रय किये जाने की अनुमति प्रदान की जावे।

अतः यह इश्तहार मजरिया जारी किया जाता है कि उक्त आवेदन के खिलाफ कोई एतराज हो तो वह उक्त बाद में नियत दिनांक **19-03-2025** को स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत करे, अन्यथा न्यायालय द्वारा उचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक **03-03-2025** को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से अंकित कर जारी किया गया।

आदेशतः
मुंसरिम
न्यायालय जनपद न्यायाधीश
जी- **गाजियाबाद**

सम्मन वास्ते कराखाद उमूर तनकीह तलब

(आदेश 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय सिविल जज (जूडि.) गौतमबुद्ध नगर

मूल वाद संख्या 131/2022

भारतीय स्टेट बैंक एक राष्ट्रीयकृत बैंक है जो कि भारतीय स्टेट बैंक एक्ट 1955 के अन्तर्गत रजिस्टर्ड है और जिसका, मुख्य कार्यालय नई दिल्ली है और जिसकी एक शाखा एस.बी.आई. सार्क-कम-एसएमई सेन्टर, सैक्टर-52, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर है जिसका कार्य प्रबन्धक श्री गजेन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रेगपाल, उम्र 50 वर्ष, मोबाइल नं.-9990358468, आधार संख्या-212019846156, ईमेल आईडी. gjs@sbi.co.in ... वादी

बनाम

1. मैसर्स शिवा फोटो फ्रेम शॉप (प्रोप्राईटरशिप फर्म) दुकान संख्या-06, ग्राउन्ड फ्लोर, सेरिया मार्केट, गेजा रोड भंगेल, सेक्टर-110, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर द्वारा प्रोप्राईटर मिस कंचन तिवारी पुत्री श्री बुद्धेश्वर तिवारी।

2. मिस कंचन तिवारी पुत्री श्री बुद्धेश्वर तिवारी निवासी : मकान संख्या-ए-174, सेक्टर-110, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर प्रोप्राईटर मैसर्स शिवा फोटो फ्रेम शॉप (प्रोप्राईटरशिप फर्म)। ... प्रतिवादी

हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बाबत धनवसूली अंकन 1,59,482/- रुपए दायर किया है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 28/03/2025 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमे के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और कुल उमूरात अहम कुतलिल्लका मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और शख्स हो कि जो जवाब ऐसे सवालात दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा की करें, और आपका लाजिम है कि उसी रोज अपने जुमला दस्तावेज पेश करें, जिन पर आप बताईद अपनी जवाबदेही के इस्तदमाल करना चाहते हों।

आपको इतिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आप मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख **04.02.2025** जारी किया गया।

आदेशानुसार
मुन्सरिम न्यायालय सिविल जज
(जी-) **(जू.डि.) गौतमबुद्ध नगर**

SUMMONS FOR SETTLEMENT OF ISSUES

(Order V, Rules 1, and 5 of the Code of Civil Procedures)

IN THE COURT OF: **Ms. Vandana**, Additional DistrictJudge-08, (Central) Room No. 152, Tis Hazari Courts, Delhi-110054.

CSDJ/250/2015, 17572/2016

Jaswant Singh Basetia …(Plaintiff)

Versus

Umesh Chaudhary and Ors ...(Defendant)

To, Shri Sushil Rajpal (LR-1) D-4, H/o Late Sh. Anita Rajpal (Since Deceased) Shri Nikhil Rajpal (LR-2) D-4, S/o Late Sh. Anit Rajpal,Both R/o 12/19, Ground Floor, Old Rajinder Nagar, New Delhi-110060.

Whereas Plaintiff has instituted a suit against you for partition, possession and permanent injunction, you are hereby summoned to file a written statement within 30 days of the service of the present summons and to appear this court in person, or by a pleader duly instructed, and able to answer all material questions relating to suit, or who shall be accompanied by some person able to answer all such questions, on the **04th day of April, 2025 at 10 O'clock,** to answer the claim; and further you are hereby directed to produce on the said day all documents in your possession or power upon which you base your defence or claim for set-off or counter-claim, and where you rely on any other document whether in your possession or power or not, as evidence in support of your defence or claim for set-off, or counter-claim you shall enter such documents in a list to be annexed to the written statement.. Take notice that in default of your appearance on that day before mentioned, the suit will be heard and determined in your absence.

Given under my hand and seal of the Court, this **19th day of February, 2025.**

Additional District Judge-08,
D- Tis Hazari Courts, Delhi.

राष्ट्रीय सहारा

वर्गीकृत विज्ञापन बुकिंग केंद्र

दिल्ली

- **साईं एडवरटाइजिंग**
  ई-6, नियर गुरुद्वारा प्रताप नगर, दिल्ली। मो.नं. : 9811117748
- **वरुण एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग**
  ए-6, मैन कान्ति नगर, आजाद नगर चौक, कृष्णानगर, दिल्ली। मो.नं. : 9818027231
- **ओसियन कम्युनिकेशन**
  341/3ए, शालीमार पार्क, एक्सटेंशन, शाहदरा, दिल्ली। मो.नं. : 9871007194
- **तहसीन एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग**
  वी-52, स्ट्रीट नं.- 27, विजय पार्क, दिल्ली-110053, मो.नं. : 9899289136
- **कर्मा एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग**
  यू.जी.-14, शिवलोक हाउस, द्वितीय, कॉमर्सियल कॉम्प्लेक्स, करमपुरा, नई दिल्ली। फोन नं. : 011-41427751
- **इकबाल एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग**
  सी-656, द्वितीय तल, जहांगीरपुरी, नई दिल्ली। फोन नं. : 9811913196
- **आयुषी एडवरटाइजिंग एजेंसी**
  515, डी.डी.ए. जनता फ्लैट्स, पॉकेट-सी, ग्रुप-1, हस्तसाल, विकासपुरी, नई दिल्ली, मो.नं. : 9810701389
- **मां पीताम्बरा एडवरटाइजिंग**
  आई-1/ 21ए, बुद्ध विहार, फेस-1, दिल्ली- 110086, मो.नं. : 9911112238
- **एड मास्टर एडवरटाइजर**
  2778, पीपल महादेव, हौज काजी, दिल्ली- 110006 फोन नं. : 011-23280716, मो.नं. : 9810716157
- **टू प्रोग्रेस मीडिया एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग**
  196, गली नं.- 6, मंडोली एक्सटेंशन, बैंक कालोनी रोड, नई दिल्ली-110093, मो.नं. : 9871414767
- **अंश एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग**
  सी-3, गुरुद्वारा रोड, विकास नगर एक्सटेंशन, मैन संटे बाजार, उत्तम नगर, नई दिल्ली। मो.नं. : 9953240249
- **त्रिमूर्ति एडवरटाइजिंग**
  जी-39, विशाल टॉवर, डिस्ट्रिक सेंटर जनकपुरी, नई दिल्ली। फोन नं. : 011-25530307

नोएडा

- **जय लक्ष्मी एडवरटाइजर**
  प्रथम तल कार्यालय, 55, कौशिक बिल्डिंग, मेट्रो पिलर नं. 223, मैन रोड होशियारपुर, निकट सी.टी. प्राइड बैंकट, सेक्टर-51, नोएडा मो.नं. : 9873807457/9810707457
- **यूनिक एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग ग्रुप**
  टी-12, तृतीय तल, मास्टर कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-5, नोएडा, मो.नं. : 8826977227
- **गो एड स्पोट**
  शॉप नं.-1, फर्स्ट फ्लोर, शर्मा मार्किट अपोजिट ई.एस.आई. हास्पिटल, सेक्टर-22, नोएडा मो.- 7011822319

गाजियाबाद

- **तिरुपति बालाजी एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग**
  प्लॉट नं. 516, , सेक्टर-12, फ्रेंड्स कॉपरेटिव सोसाइटी, नजदीक गेट नं. 2, वसुन्धरा, गाजियाबाद (उ.प्र.) 201012, मो.नं. : 9818373200, 9871895198, 8130640000
- **अवन्तिका कम्युनिकेशन**
  24, सूरज मार्केट, ओम नगर, मोहन नगर, गाजियाबाद। मो.नं. : 9313368021/01204100324
- **आशा एडवरटाइजमेंट**
  गली नं. 4, हाउस नं. 72, शंकर विहार, अपोजिट रिलायंस पेट्रोल पम्प के सामने, गाजियाबाद। मो.नं. : 9971480036
- **राकेश कुमार एडवरटाइजिंग**
  शान्ति एन्क्लेव नियर लाल बहादुर शास्त्री स्कूल अपोजिट सर्वानन्द बिल्डिंग मेटेरियल, टिब्रा रोड, मोदी नगर, गाजियाबाद (उ.प्र.) मो.नं. 07599052228, 09650288737

फरीदाबाद

- **सारांश एड एण्ड मार्केटिंग**
  56 प्रथम तल नीलम फ्लाईओवर मार्केटिंग एनआईटी फरीदाबाद। मो.नं. : 9811502088, 9818078183

मेरठ

- **दैनिक प्रचार माध्यम**
  393/ए, रजबन छोटा बाजार, मेरठ कैण्ट-250001, मोबाइ नं. : 8791541952, 9456991952
- **आर.आर. एडवरटाइजिंग सर्विस**
  श्रीकिशन भवन अपोजिट शिवलोक काम्पलैक्स 283, वैस्टर्न कचेहरी रोड मेरठ। टेली फोन : 0121-2641338, मो.नं. : 9219660359, 60
- **भारती एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग को.**
  सदर बाजार, नियर श्री दुर्गा मंदिर मुजफ्फरनगर, 251002 (यू.पी.) मोबाइल नं. : 9837821900, 7500212121

श्री कृष्णजन्मभूमि की मुक्ति का इंतज़ार सनातनी समाज का प्रत्येक व्यक्ति कर रहा है।

विष्णु शंकर जैन @Vishnu_Jain1

—— पांचजन्य @epanchjanya

संक्षिप्त खबरें

यूपी में निजी स्कूलों की शुल्क प्रतिपूर्ति में वृद्धि नहीं

लखनऊ। विधान परिषद में बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने सदन में कहा कि आरटीई में निजी स्कूलों की शुल्क प्रतिपूर्ति में वृद्धि का सरकार का कोई विचार नहीं है। बेसिक शिक्षा मंत्री श्री सिंह सोमवार को निर्दलीय समूह के राजबहादुर सिंह चंदेल एवं डा0 आकाश अग्रवाल शिक्षा के अधिकार अधिनियम के द्वारा निजी विद्यालयों में निर्धन छात्रों को कक्षा एक से आठ तक निःशुल्क शिक्षा दिये जाने तथा आरटीई कानून की असमानता को दूर किये जाने के संबंध में सूचना दी। सूचना की ग्राह्यता पर डा0 आकाश अग्रवाल एवं राजबहादुर सिंह चंदेल ने अपने विचार व्यक्त किये। जिस पर सभापति कुँवर मानवेन्द्र सिंह ने सूचना पर कार्यस्थगन अस्वीकार कर सरकार को आवश्यक कार्यवाही हेतु संदर्भित किये जाने के निर्देश दिया।

निहारिका सिंह के मुकदमे को हाईकोर्ट ने किया खत्म

लखनऊ। गाजियाबाद में हुए शमशान घाट हादसे में अभियुक्त बनाई गई पीसीएस अधिकारी व मुरादनगरनगर पालिका की तत्कालीन अधिशाषी अधिकारी निहारिका सिंह चौहान के विरुद्ध चल रहे आपराधिकमुकदमे को हाईकोर्ट ने समाप्त कर दिया है। न्यायालय ने उनके विरुद्ध एसआईटी द्वारादाखिल आरोप पत्र तथा इस पर निचली अदालत द्वारा पारित संज्ञान आदेश को खारिज कर दियाहै। 3 जनवरी 2021 को हुए इस हादसे में शमशान घाट के एक नवनिर्मित निर्माण की छत गिरनेसे 24 लोगों की मृत्यु हुई थी जबकि 20 लोग घायल भी हुए थे।

जुबैर पर FIR निरस्त करने पर निर्णय सुरक्षित

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद स्थित डासना देवी मंदिर के पीठाधीश्वर यति नरसिंहानंद के भड़काऊ बयान को वायरल करने के मामले में पत्रकार मोहम्मद जुबैर की याचिका पर निर्णय सुरक्षित कर लिया है। जुबैर ने याचिका में अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को निरस्त करने की मांग की है। कोर्ट ने जुबैर की गिरफ्तारी पर लगी रोक की अंतरिम राहत भी निर्णय तक बढ़ा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा एवं न्यायमूर्ति ड योगेंद्र कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने सोमवार को सुनवाई पूरी होने पर दिया है।

थाली में परोसे गए मौलिक अधिकार जैसा कुछ नहीं होता

■ नई दिल्ली (एसएनबी)।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि मौलिक अधिकारों का प्रयोग करने वाले लोगों का भी एक कर्तव्य है और मौलिक अधिकार थाली में परोस कर देने जैसा कुछ नहीं होता। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिह की पीठ ने पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया के मामले की सुनवाई करते हुए यह गंभीर टिप्पणी की। पीठ ने इलाहाबादिया को अपना 'द रणवीर शो' फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी।

■ इलाहाबादिया को अपना 'द रणवीर शो' फिर से शुरू करने की अनुमति दी

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, हम जानते है कि कुछ लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर कुछ लेख लिख रहे है। हम जानते है कि उन्हें कैसे संभालना है। इस देश में मौलिक अधिकार थाली में परोस कर देने जैसा कुछ नहीं है। मौलिक अधिकार कर्तव्यों से जुड़े है और जब तक वे लोग अपने कर्तव्यों को समझना नहीं चाहते, तब तक हम जानते है कि ऐसे तत्वों से कैसे निपटना है।

अदालत ने कहा, अगर कोई मौलिक अधिकारों का आनंद लेना चाहता है, तो देश ने इसके आनंद की गारंटी तो दी है, लेकिन कर्तव्य के साथ इसकी गारंटी दी है। पीठ ने कहा, तो उस गारंटी में उस कर्तव्य को निभाने की गारंटी शामिल होगी। वैसे हम काफी आशान्वित हैं और हमें पूरा यकीन है कि उन्होंने जो किया है, उसके लिए कुछ पश्चाताप है।

बच्चों को प्रधानमंत्री जनऔषधि परियोजना से जोड़ने की पहल

नई दिल्ली (एसएनबी)। केन्द्रीय रसायन व उर्वरक मंत्रालय ने देश के बच्चों को प्रधानमंत्री जन औषधि परियोजना से जोड़ने की पहल शुरु की है। इस पहल के तहत आज 30 प्रमुख शहरों में बाल मित्रों ने जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रमों के दौरान बच्चों को न्यूट्रास्युटिकल उत्पादों का निशुल्क वितरण किया गया। केन्द्रीय रसायन व उर्वरक मंत्रालय ने 7वें जन औषधि दिवस 2025 के अवसर पर आयोजित किये जा रहे कार्यक्रमों की श्रंखला में 30 राज्यों के 30 प्रमुख शहरों में बाल मित्रों की भागीदारी के साथ जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किये।

■ देश के 30 से अधिक शहरों में बाल मित्रों ने किया जागरुकता कार्यक्रम

■ बच्चों को न्यूट्रास्युटिकल उत्पादों का निःशुल्क वितरण

इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं के बारे में जानकारी दी गई, जिन्हें जन औषधि केंद्र नामक समर्पित दुकानों के माध्यम से बेचा जा रहा है। बच्चों को पोषण जैसे न्यूट्रास्युटिकल उत्पाद भी वितरित किए गए। वर्तमान में, देश भर में 15,000 से अधिक जन औषधि केंद्र खोले जा चुके है, जो देश के सभी जिलों को कवर करते है। इस योजना के तहत, सरकार ने 31 मार्च, 2027 तक पूरे देश में 25000 जन औषधि केंद्र खोलने का लक्ष्य रखा है।

दिव्यांगता के कारण न्यायिक सेवा से वंचित नहीं कर सकते

■ सहारा न्यूज ब्यूरो
नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि केवल दिव्यांगता के आधार पर किसी भी अभ्यर्थी (संबंधित पद के आवेदक) को न्यायिक सेवाओं से वंचित नहीं किया जा सकता।

जस्टिस जमशेद पारदीवाला और आर महादेवन की बेंच ने दृष्टिबाधित और दृष्टिहीन अभ्यार्थियों को न्यायिक सेवाओं में नियुक्ति से बाहर रखने वाले मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा नियम की शर्तों के उस भाग को निरस्त करते हुए कहा कि वे (दृष्टिहीन और दृष्टिबाधित) भारत की न्यायिक सेवाओं में नियुक्ति के आवेदन के पात्र हैं। बेंच की ओर से फैसला सुनाते हुए जस्टिस महादेवन ने कहा कि मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा नियम 1994 के नियम 6ए को निरस्त किया जाता है, क्योंकि यह दृष्टिबाधित और दृष्टिहीन उम्मीदवारों को न्यायिक सेवाओं में नियुक्ति से बाहर रखता है। अदालत ने कई पहलुओं पर गौर करने के बाद कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसार उनकी (दिव्यांग व्यक्तियों की) पात्रता का आकलन करते समय उन्हें उचित सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट तौर कहा कि दृष्टिबाधित और कम दृष्टि वाले अभ्यर्थी न्यायिक सेवा के पदों के लिए चयन में भाग लेने के हकदार होंगे।

■ सुप्रीम कोर्ट ने दृष्टिबाधित को न्यायिक सेवा से वंचित करने के नियम को निरस्त किया

अदालत ने कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों को न्यायिक सेवा की भर्ती में किसी भी तरह के भेदभाव का सामना नहीं करना चाहिए और राज्य को समावेशी ढांचा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें सकारात्मक कार्रवाई प्रदान करनी चाहिए। कोर्ट ने फैसले में आगे कहा कि वह संवैधानिक ढांचे और संस्थागत अक्षमता ढांचे से निपटता है और इस मामले को सबसे महत्वपूर्ण मानता है। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष एक दृष्टिबाधित अभ्यर्थी की मां ने पिछले साल मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा (भर्ती और सेवा शर्तें) नियम में शामिल इस नियम के खिलाफ पत्र याचिका दी थी, जिस पर अदालत ने स्वतः संज्ञान मामला दर्ज किया था। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई पूरी होने के बाद तीन दिसंबर, 2024 को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

उत्तराखंड कैबिनेट ने नई आबकारी नीति को मंजूरी दी

स्कूल-मंदिरों के पास नहीं खुलेंगे ठेके

■ सहारा न्यूज ब्यूरो
देहरादून।

उत्तराखंड कैबिनेट की बैठक सोमवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मंत्रिमंडल ने नई आबकारी नीति को भी मंजूरी दी। इसके साथ ही बैठक में 17 प्रस्तावों पर कैबिनेट की मुहर लगी।

उत्तराखंड की नई आबकारी नीति 2025 के तहत सरकार ने कई प्रावधान किए हैं। नई शराब नीति में धार्मिक क्षेत्रों की महत्ता को ध्यान में रखते हुए उनके निकटवर्ती मदिरा अनुज्ञापनों को बंद करने का निर्णय लिया गया है। उप-दुकानों और मैट्रो मदिरा बिक्री व्यवस्था को समाप्त किया गया है। नई आबकारी नीति में किसी दुकान पर एमआरपी से अधिक कीमत ली जाती है, तो लाइसेंस निरस्त करने का प्राविधान किया गया है। यह डिपार्टमेंटल स्टोर्स पर भी लागू होगी, जिससे उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा होगी। इसके साथ ही गन्ने का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने का प्रस्ताव भी पास किया गया है। इसके साथ ही अन्य कई प्रस्तावों पर कैबिनेट की मुहर लगी।

2025-26 के लिए 5060 करोड़ का राजस्व लक्ष्य

पिछले दो वर्षो में आबकारी राजस्व में राज्य में काफी वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 5060 करोड़ रुपये के राजस्व लक्ष्य को निर्धारित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 4000 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 4038.69 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया गया। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4439 करोड़ रुपये का लक्ष्य के सापेक्ष अब तक लगभग 4000 करोड़ रुपये की प्राप्ति हो चुकी है।

■ ओवर रेटिंग पर लाइसेंस होगा निरस्त

■ नई आबकारी नीति 2025 में निवेश, रोजगार व राजस्व के नए आयाम

कैबिनेट के फैसले

- ■ राज्य संपत्ति के समूह ख और ग की नियमावली को भी मिली मंजूरी
- ■ सीएम एकल महिला स्वरोजगार योजना में दो लाख देने की योजना
- ■ ट्राउट पालन को बढ़ावा देने के लिए मत्स्य पालकों के लिए योजना
- ■ राज्य आंदोलन के इतिहास को प्रदेश के स्कूलों में पढ़ाया जाएगा
- ■ 10 के बाद तीन वर्षीय डिप्लोमा को 12वीं के समकक्ष माना जाएगा
- ■ कार्मिक विभाग में कार्मिकों को पदोन्नति में शिथिलीकरण को हरी झंडी
- ■ उत्तराखंड में गन्ने का न्यूनतम समर्थन मूल्य किया घोषित
- ■ कारागार विभाग की सेवा नियमावली को मिली हरी झंडी
- ■ यूपीएस पेंशन स्कीम को धामी कैबिनेट ने दे दी हरी झंडी
- ■ स्टांप एवं निबंधन विभाग में 29 नए पदों का होगा सृजन
- ■ गृह विभाग की सेवा नियमावली को भी दी गई हरी झंडी
- ■ पराग फार्म की 1354 एकड़ जमीन सिडकुल को मिलेगी

अपशिष्ट प्रबंधन के लिए बनेगी रणनीति

■ संजय टुटेजा
नई दिल्ली। एसएनबी

देश के प्रमुख शहरों को कचरा मुक्त बनाने तथा अपशिष्ट प्रबंधन के लिये रणनीति बनेगी। इस संबध में सरकार की योजना नवप्रवर्तन, एकीकरण और स्थिरता के लिए शहरी निवेश (सीआईटीआईआईएस) 2.0 के तहत एक समझौते की पहल हुई है। इस पहल के तहत विभिन्न एजेंसियों व वैश्विक संस्थानों के साथ 1800 करोड़ के समझौते किये जाएंगे। इस पहल से शहरों में कचरे की समस्या का स्थायी समाधान होगा।

देश के शहरों में बढ़ता कचरा एक प्रमुख समस्या बनता जा रहा है। हालांकि सरकार की ओर से कचरा प्रबंधन के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही है लेकिन जिस तेजी से कचरा बढ़ रहा है उस तेजी से कचरे का प्रबंधन नहीं हो रहा है यही कारण है कि बड़े शहरों में कचरे के पहाड़ बनते जा रहे हैं जो दिन प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। कुछ शहरों में कचरे से बिजली बनाने के प्लांट भी लगा कर सर्कुलर इकॉनामी की आर कदम बढ़ाये गये हैं। रिडियूज रियूज, रिसाईकिल की अवधारणा के साथ देश में सीआईटीआईआईएस का दूसरा चरण भी शुरु किया गया है और सीआईटीआईआईएस 2.0 के तहत ही जयपुर में शुरू हुए एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 12वें क्षेत्रीय 3आर सर्कुलर इकॉनामी फोरम में एक महत्वपूर्ण समझौता भी किया गया है यह शहरी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

■ देश के प्रमुख शहरों को कचरा मुक्त बनाने के लिए वैश्विक संस्थानों से होंगे 1800 करोड़ के एमओयू

सीआईटीआईआईएस 2.0 एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन और जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाने वाली एक प्रमुख पहल है। इसी पहल के अंतर्गत 1,800 करोड़ रूपये के समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिससे 14 राज्यों के 18 शहरों में कचरे की समस्या का समाधान होगा और यह अन्य शहरी क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण परियोजनाओं के रूप में कार्य करेगा। भारत में एशिया व प्रशांत क्षेत्र के क्षेत्रीय 3आर सर्कुलर इकॉनामी फोरम का आयोजन भारत के शहरों के लिए वैश्विक स्तर पर शहरो के विकास हेतु किये जा रहे प्रयोगो को जानने का अवसर तो है ही साथ ही सर्कुलर इकॉनामी को लेकर भारत में अब तक जितनी भी पहले हुई हैं उनसे विश्व को अवगत कराने का भी एक बड़ा अवसर है।

इसी अवसर का लाभ उठाते हुए केन्द्रीय आवसन व शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खटटर ने 3-आर रिडियूज, रियूज व रिसाईकिल से एक कदम आगे बढ़ाते हुए सिटीज कोलिशन फॉर सर्कुलरिटी (सी-3) की घोषणा की। सी-3 के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शहरों के बीच सहयोग, ज्ञान-साझाकरण और निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए सहयोग किया जाएगा मंत्री ने शहरों क बीच आपसी सहयोग की संरचना और परिचालन रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए सदस्य देशों का एक कार्यसमूह बनाने का भी प्रस्ताव किया है। इससे राष्ट्रों के मध्य शहर से शहर तक भागीदारी में एक बड़ा बदलाव होगा औ यह मंच संसाधन दक्षता और कम कार्बन अर्थव्यवस्था के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा ताकि एक स्थायी भविष्य का निर्माण किया जा सके।

महाकुंभ : भगदड़ के बाद त्वरित कार्रवाई की

■ लखनऊ (एसएनबी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार ने प्रयागराज में महाकुंभ में 29 जनवरी को हुई भगदड़ के बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए त्वरित कार्रवाई की, जिससे पीड़ितों को चिकित्सा सहायता सुनिश्चित हुई और व्यापक स्तर पर अफरा-तफरी फैलने से रोका गया। राजधानी लखनऊ में आईआईएम के अधिकारियों और भारतीय डाक सेवा के अधिकारियों की एक बैठक को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, हमने इस घटना को अत्यधिक उजागर नहीं होने दिया, क्योंकि उस समय प्रयागराज और कुंभ मेला क्षेत्र में आठ करोड़ श्रद्धालु और संत मौजूद थे, तथा अफरा-तफरी से स्थिति और खराब हो सकती थी।

महाकुंभ के प्रमुख स्नान दिवस मौनी अमावस्या पर संगम घाट पर हुई भगदड़ में कम से कम 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 60 अन्य घायल हो गए थे। आदित्यनाथ ने कहा, लाखों श्रद्धालुओं के अलावा, 13 अखाड़ों के संतों को भी उस सुबह अमृत स्नान करना था। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजनों में अक्सर दो बड़ी चुनौतियां सामने आती है- संतों के बीच स्नान का क्रम तय करना, जिससे ऐतिहासिक रूप से विवाद होते रहे है, और यह सुनिश्चित करना कि अनुष्ठान सुबह चार बजे निर्धारित समय पर सुचारू रूप से हो। भगदड़ की इस घटना के बावजूद, सभी अखाड़े स्नान के लिए तैयार थे, लेकिन प्रशासन ने कार्यक्रम को स्थगित करने के लिए हस्तक्षेप किया।

■ कहा, जिससे पीड़ितों को चिकित्सा सहायता सुनिश्चित हुई और व्यापक स्तर पर अफरा-तफरी फैलने से रोका गया

आदित्यनाथ ने कहा, मैने व्यक्तिगत रूप से उनसे स्थिति को संभालने के लिए अनुष्ठान को स्थगित करने का अनुरोध किया। अधिकारियों ने भीड़ पर कड़ी निगरानी रखी, दोपहर तक संगम क्षेत्र को खाली करा लिया गया और यह सुनिश्चित किया गया कि स्नान अपराह्न 2:30 बजे तक फिर से शुरू हो जाए। मुख्यमंत्री ने प्रभावी संकट प्रबंधन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, कठिन परिस्थितियों में कई लोग घबरा जाते हैं और हार मान लेते है, लेकिन हमें धैर्य और नियंत्रण के साथ दृढ निर्णय लेने की शक्ति विकसित करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने महाकुंभ के आयोजन के दौरान भक्तों, संतों और प्रशासनिक अधिकारियों सहित तमाम हितधारकों के बीच समन्वय पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, मैंने व्यक्तिगत रूप से व्यवस्था बनाए रखने और कार्यक्रम के सुचारू निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए बातचीत शुरू की।' महाकुंभ प्रत्येक 12 साल में एक बार आयोजित किया जाता है, जिसमें दुनिया भर से लाखों तीर्थयात्री आते है, जिससे अधिकारियों के लिए भीड़ प्रबंधन एक बड़ी चुनौती बन जाती है।

निर्वाचन आयोग 24 घंटे के भीतर गलती स्वीकार करे

नई दिल्ली (एसएनबी)। टीएमसी ने मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) क्रमांक के दोहराव के मुद्दे पर निर्वाचन आयोग के जवाब को लेकर सोमवार को असंतोष व्यक्त किया और कहा कि चुनाव निकाय को 24 घंटे के भीतर इस गलती को स्वीकार करना चाहिए।

राज्यसभा में तृणमूल के नेता डेरेक ओब्रायन ने कहा, अगर आयोग ऐसा करने में विफल रहता है, तो पार्टी मंगलवार सुबह इस मुद्दे पर और दस्तावेज लेकर आएगी। डेरेक ने राज्यसभा में तृणमूल की उपनेता सागरिका घोष और लोकसभा सदस्य कीर्ति आजाद के साथ एक ही मतदाता फोटो पहचान पत्र क्रमांक वाले पहचान पत्रों की सूची दिखाई। उन्होंने कहा, हम चाहते है कि केवल राज्य के निवासी ही उस राज्य में मतदान करें। बंगाल में केवल बंगाल के मतदाता ही वोट डालें... (वैध) मतदाताओं को मतदान की अनुमति नहीं मिलेगी, क्योंकि उनके वोट समान ईपीआईसी क्रमांक वाले लोग डालेंगे। डेरेक ने कहा, वोट देने के लिए इन लोगों को दूसरे राज्यों से लाया जाएगा। यह अस्वीकार्य है।

दो अलग-अलग राज्यों में मतदाताओं को एक समान मतदाता पहचान पत्र क्रमांक जारी किए जाने की खबरों के बीच निर्वाचन आयोग ने रविवार को कहा था कि वह इस त्रुटि को सुधारेगा और अपने प्रौद्योगिकी आधारित मंच को भी अद्यतन करेगा। आयोग ने इस बात पर जोर दिया था कि कुछ मतदाताओं का ईपीआईसी क्रमांक 'समान हो सकता है', लेकिन उनकी जनसांख्यिकीय जानकारी, विधानसभा क्षेत्र और मतदान केंद्र जैसे अन्य विवरण अलग-अलग हैं।

झारखंड में एनआरसी लागू करने का समय आ गया : दुबे

नई दिल्ली (एसएनबी)। झारखंड में कथित जनसांख्यिकीय बदलाव का मुद्दा उठाते हुए भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने सोमवार को कहा कि समय आ गया है कि केंद्र सरकार राज्य में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने पर विचार करे और अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को 'हथकड़ी' लगाकर बाहर निकाले। गोड्डा से सांसद ने दावा किया कि 2011 की जनगणना के अनुसार झारखंड में आदिवासियों की आबादी 45 प्रतिशत से घटकर 28 प्रतिशत पर आ गई है और साथ ही आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस राजनीतिक लाभ के लिए राज्य का 'इस्लामीकरण' कर रहे है।

उन्होंने आरोप लगाया कि वे वोट के लिए केवल भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा, 'झारखंड आज ज्वालामुखी पर बैठा है। वह बांग्लादेश के साथ विलय के लिए तैयार है क्योंकि बांग्लादेशी घुसपैठियों (अवैध प्रवासियों) ने इसकी जनसांख्यिकी को पूरी तरह बदल दिया है।' उन्होंने कहा, 'अब समय आ गया है जब भारत सरकार को झारखंड के बारे में अलग तरीके से सोचना होगा। एनआरसी ही एकमात्र विकल्प बचा है। एनआरसी लागू करें। बांग्लादेशियों को पकड़ें और उन्हें भगाएं। उन्हें हथकड़ी लगाकर बाहर निकाला जाना चाहिए क्योंकि ट्रंप (प्रशासन) ने हथकड़ी लगाकर अवैध प्रवासियों को निर्वासित (अमेरिका से) किया है।' यह पूछे जाने पर कि क्या वह इस मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलेंगे, भाजपा सांसद ने कहा कि इसकी कोई जरूरत नहीं है क्योंकि शाह को मामले की जानकारी है। उन्होंने कहा, 'गृह मंत्री यह जानते हैं। वह इसे करना चाहते हैं इसलिए आपने देखा कि दिल्ली में सरकार बनने के तुरंत बाद गृह मंत्री (शाह) ने यहां एक बैठक की। वह झारखंड के बारे में भी चिंतित हैं। प्रधानमंत्री भी समान रूप से चिंतित हैं।'

■ कहा, अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को 'हथकड़ी' लगाकर बाहर निकाला जाए

मनोरंजन क्षेत्र में वैश्विक मंच की अगुआई करने को भारत की तैयारी

■ सहारा न्यूज ब्यूरो
नई दिल्ली।

विश्व आर्थिक मंच जैसे वैश्विक संगठन की तर्ज पर भारत मनोरंजन क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व करने को तैयार है। भारत मीडिया, मनोरंजन और डिजिटल मीडिया के हर क्षेत्र को केंद्रित हुए विश्व दृश्य-श्रव्य एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) का आयोजन एक से चार मई के बीच गोवा में आयोजित किया जाएगा। उदघाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। अभी तक विश्व में मनोरंजन और मीडिया से जुड़ा कोई वैश्विक मंच नहीं है। फिल्म फैस्टिवल विश्व स्तर पर होते हैं, लेकिन संपूर्ण मनोरंजन को लेकर कोई मंच नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इच्छा है कि भारत मनोरंजन क्षेत्र के वैश्विक मंज का नेतृत्व करे।

वेव्स को वैश्विक सम्मेलन बनाने के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनि वैष्णव 13 मार्च को दिल्ली में सभी देशों के राजनायिकों के साथ बैठक कर उनके देशों के सूचना प्रसारण मंत्री और मीडिया क्षेत्र में काम कर रहे लोगों को आमंत्रित करने के बाबत बात करेंगे।

सबकुछ ठीक रहा तो सम्मेलन के दूसरे दिन ग्लोबल मीडिया डॉयलॉग का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मेलन को प्रधानमंत्री संबोधित करेंगे। दरसअसल मीडिया और मनोरंज क्षेत्र में युवा पीढ़ी बढ़-चढ कर ले रहे हैं। डिजिटल मीडिया, इंटरनेट और कृत्रिम मेधा के युग में युवाओं के सामने अनेक संभावनाएं खुल गयी हैं। युवाओं को मंच देने की प्रधानमंत्री की कोशिश है। वेव्स की तैयारियों के सिलसिले में आजकल देश भर में मनोरंजन, गेमिंग से जुड़ी 30 तरह की प्रतियोगिताएं चल रही हैं। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को वेव्स में भाग लेने का मौका मिलेगा। सरकार वेव्स के लिए कुछ पुरस्कारों की घोषणा भी कर कर सकती है।

■ 1-4 मई तक वेव्स सम्मेलन और वर्ल्ड मीडिया डॉयलॉग होगा

■ प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन

■ अनेक देशों के सूचना मंत्री और मीडिया से जुड़े लोग शामिल होंगे

तीन नए आपराधिक कानूनों के अमल में गोवा आदर्श राज्य बने : अमित शाह

■ सहारा न्यूज ब्यूरो
नई दिल्ली।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को दिल्ली में गोवा के मुख्यमंत्री डा. प्रमोद सावंत के साथ राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पुलिस, जेल, कोर्ट, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में केंद्रीय गृह सचिव, गोवा के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के महानिदेशक, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के निदेशक सहित गृह मंत्रालय और गोवा सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में चर्चा में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में लाए गए तीन नए आपराधिक कानूनों की प्राथमिकता त्वरित न्याय सुनिश्चित करना है। शाह ने कहा, तीन नए आपराधिक कानूनों के अमल के मामले में गोवा देश में आदर्श राज्य बने। शाह ने कहा, त्वरित न्याय दिलाने के लिए जांच और अभियोजन में समययसीमा का सख्ती से पालन होना चाहिए। उन्होंने कहा, 7 वर्ष से अधिक सज़ा के प्रावधान वाले अपराधों में दोषसिद्धि के प्रमाण को 90 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य रखने की आवश्यकता है। गृहमंत्री ने ई-साक्ष्य पर सभी जांच अधिकारियों के रजिस्ट्रेशन की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने गोवा में ई-समन को 31 मार्च 2025 तक पूरी तरह लागू करने का निर्देश दिया।

■ गृहमंत्री ने पुलिस, जेल, कोर्ट, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन की समीक्षा की

गृहमंत्री ने एक बार फिर इस बात पर जोर दिया कि संगठित अपराध, आतंकवाद और मॉब लिंचिंग के मामलों की वरिष्ठ पुलिस अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग करें ताकि इन अपराधों से जुड़ी धाराओं का दुरुपयोग न हो। इन मामलों से जुड़ी धाराओं के तहत केस दर्ज करने से पहले पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी से अनुमति ली जानी चाहिए। पुलिस को अपराधियों के पास से बरामद की गई संपत्ति को नए कानूनों के प्रावधानों के अनुसार उसके असली हकदार को लौटाने की व्यवस्था करनी चाहिए। फॉरेन्सिक नमूनों की जांच को शत-प्रतिशत तक लाने के लिए सख्ती से काम करें।

छोटे किसान को समृद्ध करने के लिए डेयरी अच्छा विकल्प

नई दिल्ली (एसएनबी)। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारत का डेयरी क्षेत्र देश के साथ-साथ ग्रामीण विकास और भूमिहीन और छोटे किसानों को समृद्ध बनाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, यह हमारे देश की पोषण की चिंता करता है और कृषि के अलावा किसानों को अतिरिक्त आय भी प्रदान करता है।

यह बात केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में डेयरी क्षेत्र में सस्टेनेबिलिटी और सर्कुलरिटी पर कार्यशाला के उद्घाटन के मौके पर कही। डेयरी क्षेत्र में सस्टेनेबिलिटी और सर्कुलरिटी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहकार से समृद्धि का विजन साकार होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा, आज जब हम श्वेत क्रांति 2 की तरफ बढ़ रहे हैं तब सस्टेनेहबिलिटी और सर्कुलरिटी का महत्व बहुत बढ़ जाता था। सहकारिता का उद्धेश्य लाभ कमाने के साथ-साथ पीपुल फर्स्ट भी है। इस कार्यक्रम में डेयरी क्षेत्र में सर्कुलरिटी पर मार्गदर्शिका का विमोचन, छोटी और बड़ी कम्प्रेस्ड परियोजनाओं की वित्तीय सहायताओं के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की योजनाओं एनडीडीबी और सस्टेन प्लस परियोजना को शुरू किया गया। डेयरी, पशुपालन और मत्स्यपालन मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल, जार्ज कुरियन, सचिव अलका उपाध्याय भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

■ अमित शाह ने डेयरी क्षेत्र में सस्टेनेबिलिटी और सर्कुलरिटी पर कार्यशाला में कहा

राष्ट्रीय
सहारा
नई दिल्ली • मंगलवार • 4 मार्च • 2025
www.rashtriyasahara.com

अनमोल वचन

जो अपने को बुद्धिमान समझता है वह सामान्यतः सबसे बड़ा मूर्ख होता है
-सुदर्शन

सांच को आंच नहीं

शेयर धोखाधड़ी के मामले में पूर्व सेबी प्रमुख माधबी बुच के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने का आदेश विशेष अदालत ने दिया है। अदालत ने इसे प्रथम दृष्टि नियामक चूक व मिलीभगत का सबूत माना और निष्पक्ष जांच की आवश्यकता बताई। याचिका में बुच के अतिरिक्त पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी लिस्टिंग में अनियमितताओं का दावा किया गया है। नियामक प्राधीकरणों, खासकर सेबी की मिलीभगत से कंपनी को स्टॉक एक्सचेंज में धोखाधड़ी से सूचीबद्ध करने को कॉरपोरेट धोखाधड़ी बताया है। सेबी की पहली महिला प्रमुख बुच को अमेरिका स्थित शॉर्ट-सेलर हिंडेनबर्ग द्वारा हितों के टकराव के आरोप लगाए गए थे। बुच दंपति पर फंड संरचनाओं का हिस्सा रही संस्थाओं में निवेश का भी आरोप है, जिसमें

अडानी समूह द्वारा भी निवेश किया गया था। बुच का कहना था, यह निवेश उनके नियामक में शामिल होने से पहले किया गया था। हालांकि सेबी ने इस आदेश को चुनौती देने के लिए उचित कदम उठाने की बात की है। साथ ही बुच का समर्थन करते हुए याचिकाकर्ता को तुच्छ व आदतन मुकदमाकर्ता ठहराया। इस दरम्यान स्वयं हिंडनबर्ग अपना कारोबार बंद करने की घोषणा भी कर चुकी है। बुच द्वारा तमाम सराहनीय सकारात्मक कदम उठाये जाने के बावजूद उनके तीन साल के कार्यकाल के दरम्यान कर्मचारियों में जबरदस्त रोष भी नजर आया। खुदरा निवेशकों को बाजार की तरफ आकर्षित करने में सफल रही बुच ने निवेश सलाहकारों के लिए नियमों को आसान बनाने व राइट्स इश्यू को तेजी देने सरीखा काम कर दिखाया। इसके बावजूद उन पर लगे आरोपों की अनदेखी नहीं की जा सकती। विपक्षी दलों के भारी विरोध के बावजूद सरकार ने न सिर्फ पक्षपाती रवैया बनाये रखा बल्कि चिकने घड़े की तरह आरोपों को झाड़ती रही। यूं भी मोदी सरकार का काम करने का रवैया ऐसा है, जो अपने चहेते अधिकारियों के बचाव को लेकर अड़ियलपन दिखाने में कोई लिहाज नहीं करती। बेशक सरकार को जांच का आश्वासन देते हुए नियामक प्राधीकरणों की गरिमा बनाए रखने के प्रति गंभीर नजर चाहिए। अदालती कार्रवाई का सामना करके बुच को अपना पक्ष रखना चाहिए। सफलताओं के झंडे गाड़ने के बावजूद सेबी जैसे सम्मानित नियामक पर एक शख्स की वजह से बिला-वजह पड़ने वाले छींटों से बचाने के प्रति सरकार पहले ही प्रतिबद्धता दर्शा सकती थी।

फैसले का संदेश

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। पार्टी सुप्रीमो मायावती के हालिया फैसले ने एक बार फिर उत्तर भारत की सबसे बड़े राजनीतिक पार्टी के साथ ही राष्ट्रीय राजनीति को सरगर्म कर दिया है। मायावती ने सभी को चौंकाते हुए रविवार को भतीजे आकाश आनंद को एक बार फिर पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक (नेशनल कोआर्डिनेटर) समेत सभी पदों से हटाने का फैसला लिया है। साथ ही पार्टी प्रमुख ने अपने जीते-जी किसी को भी उत्तराधिकारी नहीं बनाने का सख्त निर्णय भी सुना दिया। स्वाभाविक है, मायावती के इस फैसले से न केवल उनकी पार्टी के लोगों को बल्कि राजनीतिक विश्लेषकों को भी अचरज में डाल दिया है। आकाश पार्टी का युवा चेहरा हैं। हालांकि जिम्मेदारी के पद पर रहते हुए पार्टी का प्रदर्शन निचले स्तर का रहा। 2019 के लोक सभा चुनाव के बाद आकाश आनंद को बीएसपी का राष्ट्रीय

समन्वयक बनाया गया था, लेकिन पार्टी का प्रदर्शन बेहद फीका रहा। यहां तक कि पिछले महीने संपन्न हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में आकाश आनंद पार्टी के प्रभारी थे, लेकिन सीट जीतना तो दूर की बात है, वोट शेयर में भी गिरावट आई थी। गौरतलब है कि मायावती ने आकाश को पहली बार राष्ट्रीय समन्वयक पद से नहीं हटाया है। पिछले साल लोक सभा चुनाव से पहले भी आकाश आनंद को राष्ट्रीय समन्वयक पद से हटा दिया था। हटाने का तर्क दिया गया था कि अभी उन्हें और परिपक्व होने की जरूरत है। मायावती के साथ एक नकारात्मक बात यह है कि वह कभी भी सड़क पर नहीं उतरती हैं। राजनीति की गहरी समझ रखने वाले और विपक्षी दलों के नेता भी यह मानते हैं कि अब खुल कर राजनीति करने के मायावती के दिन नहीं आने वाले। खासकर भाजपा के खिलाफ आक्रामक रुख रखने के स्वभाव को मायावती ने बहुत पहले साइडलाइन कर रखा है। वह भाजपा के दबाव में है। बहरहाल, मायावती के फैसले के बाद आकाश की प्रतिक्रिया में ही भविष्य के संकेत निहित हैं। आकाश का यह कहना कि 'परीक्षा कठिन है और लड़ाई लंबी है', इस बात को भलीभांति स्पष्ट करती दिखती है कि बसपा में अभी बहुत कुछ घटित होने वाला है। देखना है मायावती के हार्डकोर समर्थक पार्टी के लिए कितने फायदेमंद रहते हैं या पार्टी के अंदर का घमासान सतह पर आकर बसपा वोटर्स को असहज करते हैं।

चिंता/सोनम लववंशी

कब सभ्य होंगे हम

क्या सचमुच हम सभ्य समाज में जी रहे हैं या यह सिर्फ भ्रम है। रामगढ़ की घटना पर नजर डालें, जहां एक बेटा अपनी मां को भूख से तड़पता छोड़कर कुंभ नहाने चला गया। दूसरी ओर, मध्य प्रदेश में एक अपराधी जिसने पहले भी दो बार बलात्कार और हत्या जैसे जघन्य अपराध किए, फिर एक बार नाबालिग को शिकार बनाते हुए पकड़ा गया। क्या यही हमारी संस्कृति और नैतिकता की पराकाष्ठा है? कुंभ का स्नान क्या मां की सेवा से बढ़कर हो गया? या फिर धर्म के नाम पर पाप धोने की हमारी परंपरा इतनी प्रबल हो गई है कि हमें अपनी जिम्मेदारियों से भागने का लाइसेंस मिल जाता है? मां जिसे देवी का दर्जा दिया जाता है। गीता, वेद, पुराणों में सबसे ऊंचा स्थान दिया गया है, वही मां जब बूढ़ी हो जाती है तो उसे भूखा-प्यासा घर में बंद कर दिया जाता है।

यह कैसी विडंबना है कि जहाँ समाज सेवा और पुण्य के नाम पर धर्मस्थलों में भीड़ उमड़ती है, वहीं अपने ही घर में माँ की सेवा करना बोझ लगता है? वहीं दूसरे मामले को देखें। एक बलात्कारी, जिसे सजा होती है जेल की हवा तक खाता है, वह फिर एक बार जघन्य अपराध करता है। क्यों? क्या हमारे कानून में इतनी ढिलाई है कि अपराधी बेखौफ होकर अपराध दोहराते रहें? क्या समाज का नैतिक पतन इस कदर हो गया है कि अपराधियों को कोई भय ही नहीं? या फिर यह हमारी सामूहिक विफलता है कि हम ऐसे दरिंदों को समय रहते रोक नहीं पाते? जब तक हम अपनी सोच नहीं बदलते, तब तक ऐसी घटनाएं दोहराई जाती रहेंगी। समाज में नैतिकता और न्याय की दुहाई देने वाले अक्सर तब चुप हो जाते हैं जब असल में आवाज उठाने की जरूरत होती है। हर दिन समाचार पत्रों में ऐसी घटनाएं पढ़कर क्षणिक आक्रोश तो व्यक्त कर देते हैं, लेकिन फिर अगले ही पल अपनी दिनचर्या में व्यस्त हो जाते हैं। यह निष्क्रियता ही सबसे बड़ा अपराध है। हम अपने आसपास की इन घटनाओं को देखते हुए भी मौन रह जाते हैं, जिससे अपराधियों का मनोबल और बढ़ता है। हमारी न्याय व्यवस्था इतनी धीमी है कि अपराधी बेखौफ हो जाते हैं। अब समय आ गया है कि हम अपनी सोच और अपने कर्तव्यों को नये सिरे से परिभाषित करें?

यूक्रेन, यूरोप और ट्रंप

कूटनीति

अवधेश कुमार

यूक्रेन मोर्चे पर अंतिम समाचार यह है कि ब्रिटेन फ्रांस और यूक्रेन ने मिलकर एक युद्धविराम योजना बनाई है जिसे अमेरिका के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की बात मानें तो इस पर लगभग सहमति बन गई है। युद्ध समाप्त करने पर चर्चा के लिए यूरोपीय नेताओं के साथ 2 मार्च को शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था।

इस शिखर सम्मेलन में फ्रांस, जर्मनी, डेनमार्क, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, पोलैंड, स्पेन, कनाडा, फिनलैंड, स्वीडन, चेक गणराज और रोमानिया के नेता के अलावा तुर्किये के विदेश मंत्री, नाटो महासचिव तथा यूरोपीय आयोग और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष ने भाग लिया। विश्व की दृष्टि से यह यूरोप का संपूर्ण सशक्त शिखर सम्मेलन था। विश्व ने देखा कि किस तरह यूरोपीय नेताओं ने वोलिदिमीर जेलेंस्की की आवभगत की तथा उन्हें महत्त्व दिया। ओवल ऑफिस यानी अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय से निकलने के बाद जेलेंस्की सीधे ब्रिटेन आए और प्रधानमंत्री स्टार्मर ने उन्हें गले लगाया और कहा कि उन्हें उनके देश का अटूट समर्थन प्राप्त है तो इसके पीछे तत्काल ट्रंप एवं दुनिया को एक संदेश देने की रणनीति है। वास्तव में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस ढंग से यूक्रेन पर अपने तेवर दिखाए और पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रो के साथ उनकी बहस हुई तथा जेलेंस्की को व्हाइट हाउस से बाहर किया गया वह दुनिया में सबसे बड़ी हलचल मचाने वाली घटना बन गई।

अमेरिकी इतिहास की यह पहली घटना थी जब व्हाइट हाउस में दो नेताओं के बीच इस तरह बहस हुई, दोनों उंगली उठाते दिखे तथा किसी विदेशी मेहमान को वहां से बाहर निकालना पड़ा। प्रश्न है कि अभी आगे होगा क्या? ऐसा दिख रहा है कि यूरोप के ज्यादातर नेता इस समय जेलेंस्की के साथ है। हालांकि वर्तमान यूरोपीय नेता अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में उथल-पुथल के परिणाम से आशंकित हैं और वे संतुलित आचरण की कोशिश कर रहे हैं। ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर ने सधे हुए वक्तव्य में कहा कि अब हम इस बात पर सहमत हो गए हैं कि ब्रिटेन, फ्रांस और संभवतः एक या दो अन्य देशों के साथ मिलकर यूक्रेन के साथ लड़ाई रोकने की योजना पर काम किया जाएगा और फिर उस पर अमेरिका के साथ चर्चा करेंगे। स्टार्मर ने कहा कि उन्हें पुतिन पर विश्वास नहीं है, लेकिन ट्रंप पर विश्वास है और वह जब कहते हैं कि उन्हें शांति चाहिए तो हम मान कर चलते हैं कि वह यही चाहते हैं। इसमें दो मत नहीं कि कोई समझौता स्थाई शांति की गारंटी होनी चाहिए। इसलिए स्टार्मर अगर कह रहे हैं कि हम अस्थाई युद्ध विराम का जोखिम नहीं ले सकते तो सामान्य तौर पर इसे असहमत होना कठिन है। एक बड़े समूह को ट्रंप का व्यवहार अटपटा और एकपक्षीय लग सकता है। धीरे-धीरे विश्व में ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है जो मानते हैं कि

उनका व्यवहार गलत नहीं है। एक समय यूक्रेन के प्रति विश्व की सहानुभूति थी और यह सच है कि अमेरिका और यूरोप की मदद के कारण पुतिन की युद्ध योजना पर तुषारापात हुआ। यूक्रेन जैसे छोटे देश को घुटनों पर लाना उनके लिए कठिन हो गया। किंतु पूरे काला सागर सहित क्रीमिया के क्षेत्र को देखें तो वहां लंबे समय से यूरोप की भूमिका के कारण ही स्थिति इतनी जटिल है कि उनका स्थाई निपटारा संभव नहीं।

सोवियत संघ जिन राज्यों को मिलकर बना उनमें ज्यादातर आज स्वतंत्र हैं, पर उनकी भौगोलिक सीमाएं खासकर समुद्र में और आसपास इतनी स्पष्ट नहीं है। न भूलिए कि प्रथम और द्वितीय युद्ध विश्व युद्ध के पीछे उसे क्षेत्र की भौगोलिक जटिलताएं और राजनीतिक व्यवहार की बड़ी भूमिका थी। द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त होने के बावजूद अमेरिका के समक्ष सोवियत संघ के दूसरी महाशक्ति के रूप में खड़ा होने के कारण थोड़ा संतुलन रहा तथा यूरोप के प्रमुख देशों ने आपस में भौगोलिक जटिलताएं खत्म कीं, राजनीतिक महत्त्वाकांक्षाओं पर लगाम लगाई। बावजूद न संपूर्ण यूरोप के लिए और न विश्व के लिए अस्थाई सुरक्षा और शांति सुनिश्चित हुई। सोवियत संघ के विघटन के बाद अमेरिकी नेतृत्व वाले नाटो और उसकी सेना कायम रही। अगर अमेरिका और यूरोपीय देश यूक्रेन को नाटो का सदस्य बनाने की ओर कदम आगे नहीं बढ़ाते तथा उसे हथियार नहीं देते तो पुतिन के लिए इस तरह आक्रमण करने का आधार नहीं बनता। शेष विषयों को छोड़ दें तो जेलेंस्की यह घोषणा कर देते कि वह नाटो का सदस्य नहीं बनेंगे तो भी शायद स्थिति इतनी बिगड़ती नहीं।

सच यह है कि यूक्रेन-रूस युद्ध विश्वयुद्ध की पृष्ठभूमि तैयार कर चुका है। कई बार आपको शांति के लिए दबाव और अन्य बाध्यकारी दबावकारी कड़े भी कदम उठाने पड़ते हैं। ऐसा लग रहा है कि रूस यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए ही ट्रंप ने इस स्तर कड़ा रुख अपनाया है।

जेलेंस्की को भी अमेरिका के महत्त्व का पता है और उन्होंने कहा है कि वह खनिज पर समझौते के लिए फिर से व्हाइट हाउस जाने को तैयार हैं, लेकिन उन्हें सुरक्षा की गारंटी चाहिए। जेलेंस्की विश्व इतिहास को ठीक से देखें। कोई देश किसी की सुरक्षा की स्थाई गारंटी नहीं दे सकता। इस समय उन्हें गारंटी दी जा सकती है। बस, वे स्वयं को भी बड़ी सैन्य शक्ति बनने या ऐसी अन्य महत्त्वाकांक्षाओं से अलग रखें। यूरोपीय देशों को भी समझना होगा कि पहले की तरह यूक्रेन की सैन्य और कूटनीतिक मदद जारी रखकर वे कुछ समय तक आर्थिक लाभ पा सकते हैं, रूस और यूक्रेन भी दबाव में रह सकता है, लेकिन यह विश्व को बड़े संकट में फंसाने वाला भी साबित होगा।

यूरोपीय देशों में तत्काल सबसे ज्यादा सक्रिय ब्रिटेन और फ्रांस को भी अपनी शक्ति की सीमाओं का आभास होगा। अमेरिका के साथ यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था इतनी आबद्ध है कि वह इससे बिल्कुल अलग हटकर एकाएक नई सशक्त सुरक्षा प्रणाली उत्पन्न नहीं कर सकते। ब्रिटेन का तो नाभिकीय ढांचां तक अमेरिका के साथ अविच्छिन्न जुड़ाव है। उनको पूरी तरह अलग कर अमेरिका के विरुद्ध जाना इस समय असंभव लगता है। इसलिए उनके अंदर भी नये सिरे से मंथन चल रहा है। ट्रंप अड़े रहते हैं तो भविष्य में एक सहमतिकारक समझौता संभव है। कम से कम तत्काल विश्व के हित में होगा और आगे इस पर शांति की कोशिश हो सकती है।

(लेख में विचार निजी हैं)

> जेलेंस्की को भी अमेरिका के महत्त्व का पता है और उन्होंने कहा है कि वह खनिज पर समझौते के लिए फिर से व्हाइट हाउस जाने को तैयार हैं, लेकिन उन्हें सुरक्षा की गारंटी चाहिए। जेलेंस्की विश्व इतिहास को ठीक से देखें। कोई देश किसी की सुरक्षा की स्थाई गारंटी नहीं दे सकता। इस समय उन्हें गारंटी दी जा सकती है। बस, वे स्वयं को भी बड़ी सैन्य शक्ति बनने या ऐसी अन्य महत्त्वाकांक्षाओं से अलग रखें

तपेदिक के खात्मे की दिशा में बढ़ता भारत

- भारत इस साल के अंत तक देश से तपेदिक (टीबी) को खत्म करने का लक्ष्य हासिल कर लेगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में अच्छे एवं अनुकरणीय व्यवहारों एवं नवाचारों पर 9वें राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर यह दावा किया
- नड्डा के मुताबिक, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुसार भारत को 2030 तक टीबी को खत्म करना है। लेकिन, भारत इस लक्ष्य को 2025 तक हासिल करने के लिए पूरी तरह तैयार है

(मीडिया इनपुट्स)

किसी व्यक्ति की मूर्खता और जिद को मैं वीरता की संज्ञा नहीं दे सकता! अपने सुंदर देश को युद्ध के हवाले करने की जिद का आधार क्या था? वो था, तत्कालीन US राष्ट्रपति बाइडेन का आश्वासन और अन्य देशों का समर्थन कि NATO मेंबर बनकर चढ़ जा भाई चोटी पर! जबकि रास्ता समझौता था, टकराव नहीं!

उर्मिलेश, पत्रकार@UrmileshJ

तेजी से बढ़ रही कैंसर मृत्यु दर

आधी आबादी **नृपेन्द्र अभिषेक नृप**

कैंसर आज भारत सहित पूरी दुनिया में एक गंभीर स्वास्थ्य संकट बन चुका है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा किए गए हालिया विश्लेषण में यह खुलासा हुआ है कि भारत में कैंसर से होने वाली मौतों की दर चिंताजनक रूप से बढ़ रही है, विशेष रूप से महिलाओं में यह दर पुरुषों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ी है। ग्लोबोकैन 2022 के आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं में कैंसर से मृत्यु दर में 1.2 फीसद से 4.4 फीसद तक वार्षिक वृद्धि हुई है, जबकि पुरुषों में यह वृद्धि 1.2 फीसद से 2.4 फीसद तक रही है।

ये आंकड़े न केवल एक स्वास्थ्य आपातकाल की ओर संकेत कर रहे हैं, बल्कि सामाजिक और चिकित्सा व्यवस्था की कमियों को भी उजागर करते हैं। महिलाओं में कैंसर से बढ़ती मृत्यु दर एक जटिल समस्या है, जो केवल जैविक या चिकित्सीय कारणों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक, आर्थिक, जागरूकता और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच की भी बड़ी भूमिका है। भारत में हर पांच में से तीन लोग कैंसर के निदान के बाद अपनी जान गंवा देते हैं। यह आंकड़ा इस बात की पुष्टि करता है कि कैंसर न केवल एक गंभीर रोग है, बल्कि भारत में इसका उपचार भी उतना प्रभावी नहीं हो पा रहा है। खासकर महिलाओं में यह स्थिति अधिक गंभीर होती जा रही है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में महिलाएं अक्सर अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं देतीं। परिवार की जिम्मेदारियां, सामाजिक दबाव, और आर्थिक निर्भरता उन्हें समय पर जांच और इलाज कराने से रोकते हैं। कई बार कैंसर के शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिससे बीमारी तब पकड़ी जाती है जब यह अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी होती है। महिलाओं में कैंसर की बढ़ती दर के पीछे कई महत्त्वपूर्ण कारण है। सबसे पहले, जागरूकता की भारी कमी एक प्रमुख कारण है। स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर जो भारत में महिलाओं में सबसे आम हैं, यदि प्रारंभिक अवस्था में पकड़ लिए जाएं, तो इनका इलाज संभव है, लेकिन दुर्भाग्यवश महिलाओं में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की आदत नहीं होती। आधुनिक जीवनशैली में शारीरिक गतिविधियों की कमी, असंतुलित आहार, धूम्रपान, शराब का सेवन, और अत्यधिक तनाव महिलाओं के स्वास्थ्य पर नकारात्मक

प्रभाव डाल रहे हैं। पहले के समय में महिलाएं अधिक शारीरिक श्रम करती थीं और उनका खान-पान भी पारंपरिक और पोषक तत्वों से भरपूर होता था, लेकिन आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में यह सब धीरे-धीरे गायब होता जा रहा है। पैक्ड और प्रोसेस्ड फूड का बढ़ता सेवन, व्यायाम की कमी, और मानसिक तनाव ने महिलाओं में कैंसर के खतरे को कई गुना बढ़ा दिया है। एक और महत्त्वपूर्ण पहलू यह है कि महिलाओं में कैंसर के कई मामले अनुवांशिक और हार्मोनल असंतुलन से भी जुड़े होते हैं। स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर और अंडाशय (ओवेरियन) कैंसर मुख्य रूप से हार्मोनल परिवर्तन और अनुवांशिक प्रवृत्तियों के कारण होते हैं। महिलाओं में सबसे अधिक पाए जाने वाले कैंसर में स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, अंडाशय (ओवेरियन) कैंसर और कोलोरेक्टल कैंसर शामिल हैं। ये पांच कैंसर भारत में महिलाओं की कैंसर मृत्यु दर का 44 फीसद हिस्सा बनाते हैं। स्तन कैंसर सबसे आम है और इसकी मृत्यु दर भी अधिक है, क्योंकि यह देर से पहचाना जाता है। इस गंभीर समस्या का समाधान केवल चिकित्सा उपचार तक सीमित नहीं हो सकता। इसके लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है, जिससे महिलाओं को समय पर जांच और इलाज कराने के लिए प्रेरित किया जा सके। महिलाओं को स्वयं अपनी सेहत को प्राथमिकता देने की मानसिकता विकसित करनी होगी। साथ ही, सरकार को भी इस दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए मोबाइल हेल्थ वैन, निःशुल्क कैंसर जांच शिविर, और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता है।

भारत में कैंसर की रोकथाम और इलाज को प्रभावी बनाने के लिए सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना होगा। सरकारी अस्पतालों में अत्याधुनिक जांच और उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाएं भी समय पर इलाज करा सकें। इसके अलावा, एचपीवी वैक्सीन को राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए, ताकि गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर को जड़ से खत्म किया जा सके। महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना भी आवश्यक है। यह केवल एक चिकित्सा समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक मुद्दा भी है। इस चुनौती से निपटने के लिए सरकार, स्वास्थ्य संगठनों, समाज और स्वयं महिलाओं को मिलकर प्रयास करने होंगे। महिलाओं के जीवन को सुरक्षित और स्वस्थ बनाने के लिए हमें ठोस कदम उठाने होंगे, ताकि इस बीमारी को नियंत्रित किया जा सके और भारत को स्वस्थ राष्ट्र बनाया जा सके।

फासला जरूरी है **ओशो**

कोई आदमी दुख में है तो तुम कहते हो कि इतने परेशान क्यों होते हो! यह सब चलता रहता है; संसार है! अपने को जरा दूर रखो। और यही दुख तुम पर आयेगा तो बडे मजे की बात है कि हो सकता है, यही

आदमी, जिसको तुम सलाह दे रहे हो वह तुम्हें सलाह दे कि भाई, सुख दुख तो बाहर की वृत्तियां हैं। बात क्या है? कारण क्या है? कारण यह है कि जब दूसरे पर दुख आता है, तब तुम साक्षी हो। इसलिए ज्ञान उत्पन्न होता है। दूसरे पर दुख आ रहा है, तुम पर तो आ नहीं रहा है। तुम सिर्फ देखने वाले हो। इतने ही देखने वाले जब तुम अपने दुख के लिए हो जाओगे, तब इतना ही ज्ञान तुम्हें अपने प्रति भी बना रहेगा। तुमने अभी अपना ज्ञान बांटा है। मुल्ला नसरुद्दीन एक मनोचिकित्सक के पास गया और उसने कहा कि मेरी पत्नी की हालत अब खराब है, कुछ आपको करना ही पड़ेगा। मनोचिकित्सक ने अध्ययन किया उसकी पत्नी का कुछ सप्ताह तक और कहा कि इसका मस्तिष्क तो बिल्कुल खत्म हो गया है। नसरुद्दीन ने कहा कि 'वह मुझे पता था। रोज मुझे बांटती थी, मुझे देती थी। आखिर हर चीज खत्म हो जाती है। रोज थोडा-थोड़ा करके अपनी बुद्धि मुझे देती रही, खत्म हो गई।' तुम दूसरों को तो बुद्धि बांट रहे हो; लेकिन उसी बुद्धि का प्रयोग तुम अपने पर ही नहीं कर पाते। अब जब दुबारा तुम्हारे जीवन में सुख आए तो तुम उसे ऐसे देखना जैसे किसी और के जीवन में आया हो। तुम जरा दूर खड़े होकर देखने की कोशिश करना। जरा फासला चाहिए। बिल्कुल सटकर मत खड़े हो जाओ अपने से। तुम अपने पड़ोसी हो। इतने सटकर मत खड़े हो जाओ। नसरुद्दीन से मैंने पूछा कि जो रास्ते के किनारे पर होटल है, उस होटल का मालिक कहता है कि तुम्हारा बहुत सगा-संबंधी है, बहुत निकट का। नसरुद्दीन ने कहा 'गलत कहता है। नाता है, लेकिन बहुत दूर का। बड़ा फासला है।' मैंने पूछा. 'क्या नाता है?' तो नसरुद्दीन ने कहा कि हम एक ही बाप के बारह बेटे हैं। वह पहला है, मैं बारहवां हूं। बड़ा फासला है। तुम अपने पड़ोसी हो, फासला काफी है। ज्यादा सटकर मत खड़े होओ। जरा दूरी रखो। दूरी के बिना परिप्रेक्ष्य खो जाता है, पर्सपैक्टिव खो जाता है। कोई भी चीज देखनी हो तो थोड़ा-सा फासला चाहिए। तुम अगर बिल्कुल फूल पर आंखें रख दो तो क्या खाक दिखाई पड़ेगा; कि तुम दर्पण में तुम बिल्कुल सिर लगा दो, कुछ भी दिखाई न पड़ेगा। थोड़ी दूरी चाहिए।

रीडर्स मेल

गायब हो रहा बसंत

बसंत ऋतु को सभी ऋतुओं का राजा कहा जाता है। इस ऋतु को सभी जीवों के लिए अनुकूल और सुखद माना जाता है, क्यूं की इस समय प्रकृति एक नये रंग रूप में उपस्थित होती है। धरती के सभी जीव, पेड़-पौधे इसी ऋतु की प्रतीक्षा करते हैं क्योंकि इसी ऋतु में उन्हें एक नई चेतना और ऊर्जा प्राप्त होती है। बसंत ऋतु में सुगंधित हवाएं सभी को मदमस्त कर देती है। फूलों की भरी डालिया और कोयल की कूक हर व्यक्ति को अपना दीवाना बना देती है। बसंत ऋतु में ना जाड़े की थरथराहट होती है, ना गर्मी की उमस। सभी जगह हरे-भरे पेड़ों और फूलों के कारण चारों तरफ हरियाली और रंगीन दिखाई देता है। लगता है कि स्वर्ग की छटा धरती पर उतर आई है, लेकिन इस वर्ष न जाने बसंत ऋतु को किसकी नजर लग गई है। बसंत ऋतु में गर्मी का एहसास हो रहा है। सामान्य से तापमान अधिक हो चुका है। बढ़ती गर्मी की वजह से अब वसंत ऋतु भी बेरंग होती जा रही है। इन सभी के लिए मानव खुद ही दोषी है। हमें प्रकृति का दोहन करना बंद करना होगा, अन्यथा बसंत ऋतु हमेशा के लिए हमसे जुदा हो जाएगा।

हिमांशु शेखर, गया

चिंताएं बढ़ी

ट्रंप और जेलेंस्की की मुलाकात का कई लोगों को बेसब्री से इंतजार था। विशेषकर पश्चिमी देश इस उच्चस्तरीय बैठक में विशेष रुचि रखते थे, परंतु यह मुलाकात न केवल अचानक समाप्त हो गई बल्कि बेनतीजा भी रही। इस बैठक के बाद विश्व के नेता दो धड़ों में बंटे नजर आ रहे हैं व कूटनीतिक क्षेत्र में ट्रंप व उप राष्ट्रपति जेडी बेंस की आलोचना भी हो रही है। ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान में वादा किया था कि वह राष्ट्रपति बनते ही रूस यूक्रेन युद्ध को रुकवा देंगे। वह इसे तीसरे विश्वयुद्ध के खतरे के रूप में भी देखते हैं। ट्रंप का मानना है कि किसी भी समझौते पर पहुंचने के लिए यूक्रेन और रूस दोनों के साथ अमेरिका का होना आवश्यक है। इस बात की आलोचना इसलिए भी हो रही है क्योंकि कई लोग इसे यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस को अलग-थलग करने की अमेरिका की नीति से विचलन के रूप में देखते हैं, परंतु किसी समझौते पर पहुंचने के लिए दोनों पक्षों के साथ बैठना पड़ता है व इसे ट्रंप के अच्छे प्रयोजन के रूप में भी देखा जाना चाहिए। इस घटना ने अमेरिका यूक्रेन संबंधों के भविष्य और रूस के साथ चल रहे संघर्ष को लेकर चिंताएं बढ़ा दी है।

पुनीत अरोड़ा, मेरठ

महत्त्वपूर्ण क्षण

यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन की भारत की हालिया यात्रा द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक महत्त्वपूर्ण क्षण है। दोनों देश इस साल के अंत तक एक मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने का इरादा रखते हैं, ऐसे में यह सोचना मुश्किल है कि उन्हें किन बाधाओं को दूर करना होगा। क्या भारत और यूरोपीय संघ टैरिफ और वीजा प्रतिबंधों जैसे पुराने मुद्दों को सुलझाने में सफल हो सकते हैं? वे आर्थिक आकांक्षाओं और भू-राजनीतिक तनावों के बीच कैसे सामंजस्य बिठा सकते हैं? इस तरह की वार्ताओं की सफलता से न केवल व्यापार में सुधार होगा बल्कि वैश्विक व्यवस्था में उनकी रणनीतिक स्थिति भी फिर से परिभाषित होगी।

अंशु भारती, ई मेल से

letter.editorsahara@gmail.com

हमें गर्व है हम भारतीय हैं

राष्ट्रीय सहारा
• राष्ट्रीयता • कर्तव्य • समर्पण
वर्ष-34, अंक 197

सहारा इण्डिया मास कम्युनिकेशन के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **जिया कादरी** द्वारा सहारा इंडिया मास कम्युनिकेशन प्रेस, सी-2,3, सेक्टर-11, नोएडा में मुद्रित तथा तथा 1209-1210, बारहवां तल, नवरंग हाउस, 21 के.जी. मार्ग नई दिल्ली से प्रकाशित।
। **समूह संपादक - डॉ. विजय राय**। **स्थानीय संपादक - रत्नेश मिश्र*** ।
दूरभाष - दिल्ली कार्यालय - 23352368, 23352369, 23352371, 23352372, **फैक्स** - 23352370, **दूरभाष - नोएडा प्रेस** 0120-2444755, 2444756 **फैक्स** - 2550750

आर.एन.आई. सं. 53469/91, पंजीकरण संख्या UP/BR /GZB- 38/2024-2026

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों के लिए उत्तरदायी

राष्ट्रहित में क्या ज्यादा आवश्यक है? मुगलों को कोसना या उनका नामोनिशान मिटाना? अंग्रेजों को कोसना या अंग्रेजी व्यवस्था बदलना? कांग्रेस को कोसना या उसका कानून खत्म करना?
- अश्विनी उपाध्याय @AshwiniUpadhyay

प्रधानमंत्री ने गिर में सफारी का आनंद लिया

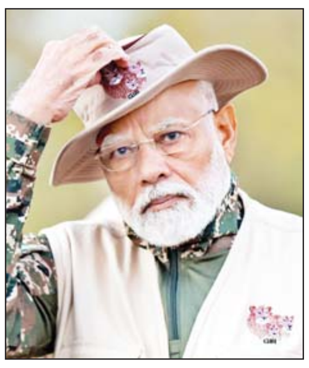

सासण (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर सोमवार की सुबह गुजरात के जूनागढ़ जिले में गिर वन्यजीव अभयारण्य में जंगल सफारी का आनंद लिया। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में मोदी ने कहा कि सामूहिक प्रयासों के कारण एशियाई शेरों की आबादी में लगातार वृद्धि देखी गई है। उन्होंने एशियाई शेरों के आवास को संरक्षित करने में आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासियों और महिलाओं के योगदान की सराहना की।

उन्होंने कहा, आज सुबह विश्व वन्यजीव दिवस पर मैं गिर में सफारी पर गया। जैसा कि हम सभी जानते है कि गिर, जंगल के राजा एशियाई शेरों का घर है। गिर आकर मुझे गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में हमारे द्वारा सामूहिक रूप से किए गए काम की कई यादें भी ताजा हो गई। मोदी ने कहा, पिछले कई वर्षो में सामूहिक प्रयासों ने यह सुनिश्चित किया कि एशियाई शेरों की आबादी लगातार बढ़े। एशियाई शेरों के आवास को संरक्षित करने में आदिवासी समुदायों और आसपास के क्षेत्रों की महिलाओं की भूमिका भी उतनी ही सराहनीय है। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, पिछले दशक में बाघों, तेंदुओं, गैंडों की आबादी में भी वृद्धि हुई है, जो दर्शाता है कि हम वन्यजीवों को कितना महत्व देते है और जानवरों के लिए स्थायी आवास बनाने के लिए काम कर रहे है। प्रधानमंत्री ने सफारी के दौरान दिखे शेरों की तस्वीरें भी साझा कीं।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव, अन्य मंत्री और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सफारी के

- एशियाई शेरों के आवास के संरक्षण पर आदिवासियों को सराहा

दौरान मोदी के साथ थे। इसके बाद प्रधानमंत्री गिर वन्यजीव अभयारण्य के मुख्यालय सासण गिर में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की सातवीं बैठक की अध्यक्षता करने पहुंचे। एक सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि केंद्र सरकार ने एशियाई शेरों के संरक्षण के लिए 'प्रोजेक्ट लॉयन' के तहत 2,900 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मंजूर की है। इन शेरों का एकमात्र निवास स्थान गुजरात है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि वर्तमान में एशियाई शेर गुजरात के नौ जिलों के 53 तालुकाओं में लगभग 30,000 वर्ग किलोमीटर में निवास करते है। इसके अलावा, एक राष्ट्रीय परियोजना के तहत जूनागढ़ जिले के न्यू पिपल्या में 20.24 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर वन्यजीवों के चिकित्सीय निदान एवं रोग से बचाव के लिए एक 'राष्ट्रीय रेफरल केंद्र' स्थापित किया जा रहा है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि संरक्षण प्रयासों को मजबूत करने के वास्ते सासण में वन्यजीव निगरानी के लिए उच्च तकनीक से युक्त निगरानी केंद्र और एक अत्याधुनिक अस्पताल भी स्थापित किया गया है। इससे पहले, सोमनाथ से आने के बाद मोदी ने सासण में वन अतिथि गृह 'सिह सदन' में रात्रि विश्राम किया। रविवार शाम को उन्होंने सोमनाथ मंदिर में भगवान शिव की पूजा अर्चना की थी। यह 12 ज्योतिर्लिंगों में से सबसे पहला ज्योतिर्लिंग है।

'सिह सदन' से प्रधानमंत्री जंगल सफारी पर गए, उनके साथ कुछ मंत्री और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी थे। मोदी ने रविवार को रिलायंस जामनगर रिफाइनरी परिसर में स्थित पशु बचाव, संरक्षण और पुनर्वास केंद्र 'वनतारा' का भी दौरा किया। यह बचाव केंद्र बंदी हाथियों और वन्यजीवों के कल्याण के लिए समर्पित है, जो दुर्व्यवहार और शोषण से बचाए गए जानवरों को शरण, पुनर्वास और चिकित्सा देखभाल प्रदान करता है।

पीएम ने की वन्यजीव बोर्ड बैठक की अध्यक्षता

सासण (गुजरात) (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर सोमवार को राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) की सातवीं बैठक की अध्यक्षता की और इस साल मई में एशियाई शेरों की अनुमानित आबादी की घोषणा की। गिर राष्ट्रीय उद्यान में सुबह अपनी लॉयन सफारी पूरी करने के तुरंत बाद, मोदी गुजरात के जूनागढ़ जिले के सासण में एनबीडब्ल्यूएल की बैठक के लिए रवाना हुए, जिसमें केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव और अन्य सदस्यों ने भाग लिया। इस मौके पर मोदी ने जूनागढ़ में राष्ट्रीय रेफरल केंद्र-वन्यजीव की आधारशिला रखी और इस साल मई में एशियाई शेरों के 16वें जनसंख्या अनुमान की घोषणा की। उन्होंने तमिलनाडु के कोयंबटूर में मानव-वन्यजीव संघर्ष प्रबंधन उत्कृष्टता केंद्र एसएसीओएन की स्थापना की भी घोषणा की और नदी डॉल्फिन पर एक पुस्तक का विमोचन किया। वन्यजीव संरक्षण पर सरकार को सलाह देने वाली वैधानिक संस्था एनबीडब्ल्यूएल में 47 सदस्य है, जिनमें सेना प्रमुख, विभिन्न राज्यों के सदस्य, इस क्षेत्र में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, मुख्य वन्यजीव वार्डन और विभिन्न राज्यों के सचिव शामिल है। प्रधानमंत्री एनबीडब्ल्यूएल के पदेन अध्यक्ष होते है और केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री बोर्ड के उपाध्यक्ष होते है। सफारी के बाद मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सामूहिक प्रयासों के कारण एशियाई शेरों की आबादी में लगातार वृद्धि देखी गई है। उन्होंने एशियाई शेरों के आवास को संरक्षित करने में आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासियों और महिलाओं के योगदान की सराहना की।

उन्होंने कहा, आज सुबह विश्व वन्यजीव दिवस पर मैं गिर में सफारी पर गया। जैसा कि हम सभी जानते है, गिर एशियाई शेरों का घर है। गिर आकर मुझे गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मेरे कार्यकाल के दौरान किए गए सामूहिक कार्यों की कई यादें भी ताज़ा हो गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले कई वर्षों में, सामूहिक प्रयासों ने यह सुनिश्चित किया है कि एशियाई शेरों की आबादी लगातार बढ़ रही है।

- शेरों की अनुमानित आबादी की घोषणा की

जैव विविधता की रक्षा के लिए किया प्रतिबद्धता दोहराने का आह्वान

नई दिल्ली (एसएनबी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर देशवासियों से पृथ्वी पर मौजूद अतुलनीय जैव विविधता की रक्षा और उसके संरक्षण के लिए प्रतिबद्धता दोहराने का आह्वान किया। विश्व वन्यजीव दिवस पहली बार 2014 को मनाया गया था। इस दिन को मनाने का उद्देश्य दुनिया भर के जीव-जन्तुओं का संरक्षण सुनिश्चित करना है।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, आइए आज विश्व वन्य जीव दिवस पर हम अपने ग्रह की अतुलनीय जैव विविधता की रक्षा और संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराएं। हर प्रजाति एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है-आइए, भावी पीढ़ियों के लिए उनके भविष्य की रक्षा करें! उन्होंने कहा कि वन्यजीवों के संरक्षण और सुरक्षा के लिए भारत के योगदान पर उन्हें गर्व है।

प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को गुजरात के दौरे पर है। विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर वह सासन में जंगल सफारी का आनंद लेंगे और राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) की बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

मशहूर यूरोलॉजिस्ट जॉर्ज पी अब्राहम फार्महाउस में मृत मिले

कोच्चि। केरल के कोच्चि जिले के नेदुंबस्सेरी में स्थित फॉर्महाउस में राज्य के प्रसिद्ध मूत्र रोग विशेषज्ञ डा. जॉर्ज पी अब्राहम मृत पाए गए है। पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। अब्राहम 75 साल के थे। वरिष्ठ सर्जन का शव रविवार की रात उनके फार्महाउस में फंदे से लटका मिला। यह फॉर्महाउस नेदुंबस्सेरी पुलिस थाना क्षेत्र में स्थित है। डा. अब्राहम जटिल मूत्र रोग संबंधी विकारों के सर्जिकल उपचार में विशेषज्ञ थे और कोच्चि के एक प्रमुख निजी अस्पताल में कार्यरत थे। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, उन्होंने 3,600 से अधिक गुर्दा प्रतिरोपण किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया, फार्महाउस पर एक नोट मिला है जिससे पता चलता है कि वह अपने खराब स्वास्थ्य के कारण अपने पेशे पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ थे। एर्णाकुलम के सामान्य अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद उनके शव को उनके आवास पर ले जाया गया है। पोस्टमार्टम के बाद जब उनका पार्थिव शरीर अस्पताल लाया गया तो अस्पताल कर्मचारियों और उनके मरीजों ने दिवंगत डॉक्टर को अंतिम श्रद्धांजलि दी।

बांग्लादेश के चार नागरिक त्रिपुरा में गिरफ्तार

अगरतला। त्रिपुरा में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बांग्लादेश के चार नागरिकों को भारत में अवैध रूप से दाखिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पूर्वोत्तर राज्य में दो अलग-अलग घटनाओं में भारत के पांच नागरिकों को भी गिरफ्तार किया गया है। उन पर बांग्लादेशियों को भारत में दाखिल होने में मदद करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि गश्ती दल ने गुप्त सूचना के आधार पर गोमती जिले के नूतनबाजार क्षेत्र में चटगांव हिल ट्रैक्ट (सीएचटी) के पास एक सुदूर आदिवासी बस्ती धनियाबाड़ी में रविवार शाम को छापेमारी की। इस दौरान उन्होंने चार लोगों को अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने का प्रयास करते हुए पाया। अधिकारियों ने बताया कि जब वे सीमा पार कर रहे थे तो बीएसएफ के जवानों ने चारों को पकड़ लिया। बीएसएफ के एक अधिकारी ने बताया कि इनमें से दो गोमती जिले के नूतन बाजार के निवासी है, जबकि अन्य दो बांग्लादेश के खगराचेरी जिले के रहने वाले है।

जंगलों से आदिवासियों को हटाना चाहती है भाजपा सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार 40 प्रतिशत वनों का निजीकरण करने की तैयारी में है तथा वह जंगलों से आदिवासियों को हटाना चाहती है। अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने यह दावा भी किया कि छत्तीसगढ़ के हसदेव जंगल में 'वन अधिकार अधिनियम' के उल्लंघन का सबसे बड़ा उदाहरण देखने को मिल रहा है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'इस देश में 12 करोड़ आदिवासी है, लेकिन उन्हें अधिकार नहीं मिल रहे है। वहीं, भाजपा सरकार उनके अधिकारों को छीनने का काम कर रही है। आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है, उनकी जमीनें छीनी जा रही है।'

कांग्रेस प्रवक्ता ने रोहित शर्मा पर की आपत्तिजनक टिप्पणी, पार्टी ने फटकारा

नई दिल्ली (एसएनबी)। कांग्रेस ने अपनी प्रवक्ता शमा मोहम्मद को भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के बारे में की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर सोमवार को फटकार लगाई और उन्हें अपना संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट हटाने तथा भविष्य में सावधानी बरतने का निर्देश दिया।

पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि शमा की टिप्पणी कांग्रेस का मत नहीं है। शमा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर रविवार देर रात पोस्ट किया था जिसे उन्होंने अब हटा दिया है। उनके इस पोस्ट पर भाजपा नेताओं सहित कई लोगों ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई जब मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय क्रिकेट टीम लगातार विजय हासिल करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है। कांग्रेस ने इस बात पर जोर दिया कि क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी के बारे में शमा मोहम्मद की टिप्पणी पार्टी की स्थिति को नहीं दर्शाती है। शमा ने अपने, अब हटा दिए गए पोस्ट में कहा था कि शर्मा 'एक खिलाड़ी होने के लिहाज से मोटे है'। उन्होंने यह भी कहा था, 'उन्हें वजन कम करने की जरूरत है! ... और निश्चित रूप से भारत का अब तक का सबसे अप्रभावी कप्तान।' खेड़ा ने कहा, 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. शमा मोहम्मद ने क्रिकेट के एक दिग्गज के बारे में कुछ टिप्पणियां कीं जो पार्टी की स्थिति को प्रतिबिंबित नहीं करती है।'

- पार्टी ने सोशल मीडिया पोस्ट पर डाली गई पोस्ट को डिलीट करने को कहा

उन्होंने कहा कि उन्हें 'एक्स' से संबंधित पोस्ट हटाने के लिए कहा गया है और भविष्य में अधिक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। खेड़ा ने कहा, 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस खेल के नायकों के योगदान को सर्वोच्च सम्मान देती है और उनकी विरासत को कमजोर करने वाले किसी भी बयान का समर्थन नहीं करती।

भाजपा ने की कांग्रेस प्रवक्ता की टिप्पणी की निंदा

नई दिल्ली (एसएनबी)। भाजपा ने कांग्रेस नेता शमा मोहम्मद की क्रिकेटर रोहित शर्मा पर टिप्पणी की निंदा करते हुए कहा कि कांग्रेस अब भारतीय क्रिकेट टीम से भी नफरत करने लगी है।

भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोमवार को कहा, कांग्रेस भारतीय एजेंसियों और संगठनों से पहले से नफरत करती थी। अब उसने भारतीय क्रिकेट टीम से भी नफरत करना शुरू कर दिया है। पूनावाला ने कहा, रोहित शर्मा पर कांग्रेस नेता शमा मोहम्मद की ओर से की गयी टिप्पणी से पता चलता है कि वे भारत की किसी भी उपलब्धि और जीत से ईर्ष्या करते है। दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, यह बहुत शर्मनाक है कि कांग्रेस का एक आधिकारिक प्रवक्ता ऐसा बयान दे रहा है। यह कांग्रेस का बयान है। उन्हें लगता है कि केवल एक व्यक्ति हर चीज के लिए फिट है और वह है राहुल गांधी। वे देश के खिलाफ इतने है कि आज वे हमारे देश के क्रिकेट कप्तान के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल कर रहे है।

लंगेट के विधायक ने आम नागरिकों की मौत के मामलों के खिलाफ किया प्रदर्शन

जम्मू (भाषा)। जम्मू-कश्मीर के निर्दलीय विधायक शेख खुर्शीद अहमद ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और हाल ही में सोपोर एवं कठुआ में मारे गए दो लोगों के परिवारों के लिए न्याय के साथ-साथ अनुच्छेद 370 एवं राज्य का दर्जा बहाल किए जाने की मांग की। लंगेट विधानसभा क्षेत्र के विधायक बारिश के बीच विधानसभा परिसर में सीढियों पर बैनर लेकर बैठे रहे और दो आम नागरिकों की मौत की न्यायिक जांच किए जाने की मांग की। अहमद, इंजीनियर रशीद के नाम से जाने जाने वाले सांसद शेख अब्दुल रशीद के भाई है।

अहमद ने बजट सत्र के पहले दिन उपराज्यपाल के अभिभाषण के दौरान 'सेंट्रल हॉल' में घुसकर बैनर दिखाने की भी कोशिश की, लेकिन उन्हें ऐसा करने से रोक दिया गया। उनसे एक बैनर जब्त कर लिया गया। अहमद ने विधानसभा के बाहर पत्रकारों से कहा, ''मैंने उपराज्यपाल के सामने विरोध प्रदर्शन किया। मैंने वसीम मीर और माखन दीन के परिवारों के लिए न्याय की मांग की है। पुलिस और सरकार इस मामले पर अब भी चुप है। कुछ नहीं किया गया है। यहां तक कि विधायक भी चुप है, इसलिए मैंने यह मुद्दा उठाया है। हम उनके लिए न्याय चाहते है। उन्होंने इन घटनाओं की न्यायिक जांच की जरूरत पर जोर दिया। अहमद ने कहा, ''हम उपराज्यपाल से न्यायिक जांच का आदेश देने का आग्रह करते है।

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबादिया को 'शो' के प्रसारण की अनुमति दी

नई दिल्ली (एसएनबी)। सुप्रीम कोर्ट ने पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया को उनके 'द रणवीर शो' को प्रसारित करने की सोमवार को अनुमति दे दी, बशर्ते वह 'नैतिकता और शालीनता' बनाए रखें और यह वचन दें कि यह सभी आयु वर्ग के लिए उपयुक्त है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इलाहाबादिया की इस दलील पर गौर किया कि पॉडकास्ट उनकी आजीविका का एकमात्र स्रोत है और उनके द्वारा काम पर रखे गए लगभग 280 लोग इस शो पर निर्भर हैं। पीठ ने इलाहाबादिया को गिरफ्तारी से दिए गए अंतरिम संरक्षण को अगले आदेश तक बढ़ा दिया तथा उन्हें गुवाहाटी में जांच में शामिल होने को कहा। केंद्र और महाराष्ट्र, असम एवं ओडिशा जैसे राज्यों की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, विवादास्पद यूट्यूब शो 'इंडियाज गॉट लैटेंट' पर की गई टिप्पणी न केवल अश्लील है, बल्कि अनुचित भी है। उन्होंने अदालत से कोई भी शो को प्रसारित नहीं करने की शर्त में बदलाव नहीं करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, उन्हें कुछ समय के लिए चुप रहने दें।

पीठ ने इलाहाबादिया की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिनव चंद्रचूड़ से कहा, मौलिक अधिकार थाली में (परोस कर) नहीं मिलते, बल्कि उनके साथ कुछ पाबंदियां जुड़ी होती है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, मामले का एक आरोपी कनाडा गया था और उसने इस मामले पर बात की थी। न्यायाधीश ने चेतावनी देते हुए कहा, ये युवा सोच सकते है कि हम पुराने ढंग के (आउटडेटेड) है, लेकिन हम जानते है कि उनसे कैसे निपटना है। अदालत को हल्के में न लें। इसके बाद पीठ ने इलाहाबादिया पर पाबंदी लगाते हुए कहा कि वह अपने शो में इस मामले से जुड़ी कोई बात नहीं कहेंगे। इस बीच, केंद्र को निर्देश दिया गया कि वह सोशल मीडिया सामग्री पर एक मसौदा विनियामक तंत्र लेकर आए, जिसे सभी हितधारकों से सुझाव एकत्र करने के अलावा सार्वजनिक किया जाना चाहिए। हालांकि, पीठ ने इलाहाबादिया को फिलहाल विदेश यात्रा की अनुमति देने से इनकार कर दिया और कहा कि मामले की जांच में शामिल होने के बाद उनके अनुरोध पर विचार किया जाएगा। इलाहाबादिया के खिलाफ कॉमेडियन समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लैटेंट' में माता-पिता और सेक्स पर की गई टिप्पणी के लिए कई प्राथमिकी दर्ज की गई थीं। सुप्रीम कोर्ट ने 18 फरवरी को इलाहाबादिया को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया था और उनकी टिप्पणी को 'अश्लील' करार देते हुए कहा था कि उनकी 'विकृत मानसिकता' से समाज को शर्मिंदा होना पड़ा।

इंडियाज गॉट लैटेंट मामला

4,500 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी मामले में ईडी का छापा

नई दिल्ली (एसएनबी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मुंबई जोनल कार्यालय ने मेसर्स पैनकार्डक्लब लिमिटेड (पीसीएल) और अन्य के खिलाफ सेबी अधिनियम, 1992 आर/डब्ल्यू सेबी (सीआईएस) विनियम, 1999 के उल्लंघन में सामूहिक निवेश योजना के एक मामले में धन-शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत 28.02.2025 को 50 लाख निवेशकों से कथित तौर पर 4,500 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी के मामले में मुंबई और दिल्ली में 4 परिसरों में तलाशी अभियान चलाया है।

तलाशी अभियान के दौरान, मुख्य आरोपी, मेसर्स पैनकार्ड क्लब लिमिटेड के तत्कालीन निदेशक, स्वर्गीय श्री सुधीर मोरवेकर के परिवार के सदस्यों द्वारा वर्तमान में संचालित विदेशी संपत्तियों के विवरण वाले विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज पाए गए और उन्हें जब्त कर लिया गया। इसके अलावा, यह भी पाया गया है कि ये संपत्तियां पट्टा किराये से आय अर्जित कर रही हैं। ईडी ने मेसर्स पैनकार्ड क्लब लिमिटेड और अन्य के खिलाफ आईपीसी, 1860 और जमाकर्ताओं के हितों की महाराष्ट्र सुरक्षा (वित्तीय स्थापना में) अधिनियम, 1999 (एमपीआईडी) की विभिन्न धाराओं के तहत आर्थिक अपराध शाखा मुंबई द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की।

छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय सरकार का दूसरा बजट पेश

■ रमेश शर्मा

रायपुर। एसएनबी

छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने विधानसभा में राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार का दूसरा बजट बजट पेश किया जिसमे कोई नया कर नहीं लगाया गया है। कुल 1.60 लाख करोड़ रुपए के बजट में पेट्रोल की कीमतों में कटौती की गई है। इसके साथ ही महिलाओं की महतारी वंदन योजना के लिए पिछले साल के बजट की अपेक्षा इस बार 5500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। रायपुर दुर्ग मेट्रो रेल सर्वे का भी ऐलान किया गया है। पेट्रोल की कीमत में एक रुपए की कमी की गई है।

सोमवार सदन में पेश 2025/26 के सालाना बजट अटलजी के सपने को साकार करने वाला और मोदी की गारंटी की दिशा में बढ़ने वाला बजट बताते हुए वित्त मंत्री ने बताया कि इसमें 'कृषि अर्थव्यवस्था को संवारने के उपायों के साथ ही इंडस्ट्रियल हब और आईटी हब के रूप में छत्तीसगढ़ को तैयार करने की ठोस नींव रखी गई है। मुख्यमंत्री ने बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमने छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए बहुत जरूरी है कि हम आधुनिक समय के मुताबिक अपनी अर्थव्यवस्था को तैयार करें, बजट में पूरा फोकस इसी पर है।

- मेट्रो दौड़ेगी से रायपुर से दुर्ग, मुख्यमंत्री मोबाइल टॉवर लगेंगे, पेट्रोल सस्ता
- महतारी वंदन योजना के लिए 5500 करोड़ रुपये का प्रावधान

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के समग्र विकास के लिए हमने बड़े सपने देखे है और उन्हें पूरा करने की रणनीति भी तैयार कर ली है। इन्हें पूरा करने के लिए हमारी ट्रिपल इंजन की सरकार पूरी रफ्तार से काम करेगी।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी का स्मरण भी किया। अटल जी छत्तीसगढ़ को विकसित राज्यों की श्रेणी में देखना चाहते थे, उनके सपनों को पूरा करने की ठोस नींव हमने रख दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में ऐसी अधोसंरचना की जरूरत होगी जो एक विकसित औद्योगिक राज्य की जरूरतों को पूरी करती हो। इसके लिए हमने बजट में विशेष प्रावधान किये है। रायपुर-दुर्ग मेट्रो सेवा का सर्वे होगा। नये औद्योगिक पार्क स्थापित कर रहे है। इसके लिए 700 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। महानदी- इंद्रावती तथा कोडार-सिकासर जैसी निदयों को जोड़ेंगे, खेती में निवेश करेंगे।

बजट की खास बातें

- रायपुर में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी का स्थापना की जाएगी।
- जशपुर में फुटबॉल स्टेडियम बैडमिंटन इंडोर हॉल निर्माण के लिए 5 करोड़।
- होम स्टे पॉलिसी के लिये पांच करोड़ रुपये का प्रावधान।
- ग्राम गौरव पथ योजना के लिये 100 करोड़ रुपये का प्रावधान।
- महतारी सदन निर्माण के लिये 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। स्कूल और कॉलेजों में होगी शिक्षकों की भर्ती, नगरीय विकास के लिये 750 करोड़ रुपये का प्रावधान बजट में किया गया है।
- मुख्यमंत्री मोबाइल टॉवर योजना की शुरूआत। गांव गांव में लोगों को मोबाइल टॉवर के जोड़ा जाएगा।
- आठ लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के लिये 1500 करोड़ रुपये का प्रावधान।

पाकिस्तान में घमासान मचाएगी बलूच नेशनल आर्मी!

■ कुणाल

नई दिल्ली। एसएनबी

कहावत जो दूसरों के लिए बुरा करता है उसका भी कोई ना कोई बुरा करता है । यह कहावत पाकिस्तान आर फिट बैठता है । भारत में आतंकी हमला कर लोगों की जान लेने वाले पाकिस्तान में कोई दिन ऐसा नहीं गुजरता जब पाकिस्तानी सुरक्षाबलों के जनाजे ना उठते हों।बलूच विद्रोहियों ने बलूचिस्तान में तो टीटीपी ने खैबर के इलाके में हाथ मिलाकर नाक में दम कर दिया है।अब पाक में बलूच नेशनल आर्मी नाम से मुसीबत का नया चेहरा तैयार हो गया है।बलूचिस्तान और सिंध प्रांत में एक्टिव छोटे बड़ों ग्रुप अब एक साथ आ खड़े हुए है । वहाँ का असर भारत पर ना पड़े इसलिए खुफ़िया ने सीमा पर अलर्ट रहने को कहा है ।

खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक बलूच लिब्रेशन आर्मी(बीएलए), बलूच लिब्रेशन फ्रंट, बलूच रिपब्लिकन गार्ड्स (बीआरजी), और सिंधू देश क्रांतिकारी सेना ने पाकिस्तान और चीन के खिलाफ एक साथ ऑपरेशन शुरू करने को तैयार हो गए। सूत्रों के अनुसार खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक गत सप्ताह तीन दिन तक चली एक बैठक में रणनीति बनाई और इस फ्रंट को नया नाम दिया गया ' बलूच नेशनल आर्मी' यानी (बीएनए) नए संगठन ''बलूच राजी अजोहि संगार'' (बीआरएएस) इसका अंग्रेजी में मतलब है बलोच नेशनल फ्रीडम मूवमेंट। खुफिया सूत्रो के अनुसार पाकिस्तान सरकार और पाक सेना के दामन से त्रस्त होने के कारण पहली बार बलूच उग्रवादी संगठनों ने मिलकर एक संगठन बनाया है।इसका मकसद है पाकिस्तान में बलूचिस्तान के लिए आजादी की लड़ाई एक साथ लड़ना।पाकिस्तान के साथ साथ चीन का बलूचिस्तान में संसाधनों का शोषण को रोकना है।बलूच राजी आज़ोई संगठन (बीआरएएस) की एक बैठक आयोजित की।इस बैठक का मकसद था सभी बलूच विद्रोही संगठनों को एक छतरी के नीचे लाना।बलूच राष्ट्रीय आंदोलन को नेक्स्ट लेवल पर ले जाना।बैठक में यह भी फैसला लिया गया कि पाकिस्तान और चीन के खिलाफ ऑपरेशन को ज्यादा घातक किया जाएगा।मॉर्डर्न मिलेट्री वॉरफेयर के तहत गुरिल्ला ऑपरेशनों को अंजाम दिया जाएगा।बीआरएएस नई तकनीक के इस्तमाल से जंग लड़ने को अंजाम देने जा रहे है।

- पाकिस्तान खुफिया एजेंसी आईएसआई को परेशान करने में लगी है बलूच नेशनल आर्मी
- सिंध प्रांत में एक्टिव छोटे बड़े ग्रुप आए एक मंच पर

सूत्रों के अनुसार बलूचिस्तान के सभी महत्वपूर्ण हाइव को ब्लॉक कर पाकिस्तानी सेना के लॉजिस्टिक और अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाई जाएगी।बलूच नागरिकों और संसाधनों के खिलाफ पाक और चीन का खौफनाक चेहरा अंतर्राष्ट्रीय मंचों तक ले जाने की भी नीति बनाई गई है।

कर्नाटक के विकास मॉडल का दुनिया भर में हो रहा अध्ययन

बेंगलुरू (भाषा)। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार विकास में कर्नाटक का एक अनूठा मॉडल विकसित कर रही है, जिसका अध्ययन दुनिया भर के अर्थशास्त्री और विश्वविद्यालय कर रहे है। गहलोत ने यहां 'विधान सौध' में राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि विकास का कर्नाटक मॉडल आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक शासन के लिहाज से जन-केंद्रित दृष्टिकोण पर केंद्रित है।

उन्होंने कहा, ''...सरकार विकास में कर्नाटक का एक अनूठा मॉडल तैयार कर रही है। विकास के कर्नाटक मॉडल का मतलब है जन-केंद्रित आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक शासन बनाना। इसमें हरित ऊर्जा, महिला सशक्तिकरण आदि भी शामिल है। राज्यपाल ने कहा कि कर्नाटक मॉडल का विश्व के विशेषज्ञ गहन अध्ययन कर रहे है। उन्होंने बताया, ''ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने अपने 'ह्यूमन राइट्स हब' ब्लॉग में इस मॉडल को 'अंधेरे में प्रकाश की किरण' और 'दुनिया के लिए एक खाका' बताया है। संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख ने इस मॉडल के बारे में जानने के लिए व्यक्तिगत रूप से राज्य का दौरा किया और हमारे कार्यक्रमों की खुलकर प्रशंसा की। सरकार की गारंटी योजनाओं का बचाव करते हुए गहलोत ने उन चिंताओं का समाधान किया कि राज्य विकास में पिछड़ जाएगा और महत्वाकांक्षी कल्याण कार्यक्रमों के कारण इसकी वित्तीय सेहत खराब हो जाएगी। उन्होंने कहा, ''सरकार ने इन पूर्वानुमानों को झूठा साबित कर दिया है।'' विभिन्न क्षेत्रों में राज्य की उपलब्धियों को सूचीबद्ध करते हुए राज्यपाल ने कहा कि कर्नाटक की आय बढ रही है तथा राज्य में निजी पूंजी रिकॉर्ड संख्या में आ रही है। उन्होंने कहा कि कल्याणकारी कार्यक्रमों के कुशल क्रियान्वयन के कारण असमानता कम हो रही है। राज्यपाल ने कहा, ''राज्य प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में दूसरे स्थान पर है। जीएसटी की वृद्धि दर अच्छी है।

- राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित किया
- कहा, कल्याणकारी योजनाओं से हो सकती है प्रदेश की अर्थव्यवस्था खराब

उन्होंने यह भी बताया कि सरकार के कल्याणकारी कार्यक्रमों के कारण राज्य में किसान परिवारों में आत्महत्या के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है। राज्यपाल ने कहा कि बाबासाहेब आंबेडकर के माध्यम से हमारे बुजुर्गों ने इस देश को एक बहुत ही मानवीय संविधान दिया है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि समाज 'सामाजिक डार्विनवाद' की ओर न जाए। संविधान असमानता को कम करने तथा लोगों के बीच आय के उचित वितरण को अनिवार्य बनाता है। उन्होंने कहा, ''इस संबंध में गारंटी योजनाएं लागू की गई है। इसके लिए सालाना 52,000 करोड़ से अधिक के संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे है। मेरी सरकार के सत्ता में आने के बाद से पांच गारंटी योजनाओं के लिए 70,000 करोड़ सीधे लोगों के बैंक खातों में स्थानांतरित किए गए है।''

नई दिल्ली में एक बैठक के दौरान बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह।

गिर सोमनाथ स्थित राष्ट्रीय उद्यान में सोमवार को लायन सफारी का दौरा करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

बेंगलुरू : सोमवार को राज्य विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत से पहले विधानसभा परिसर में कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार।

मुंबई : महाराष्ट्र विधान भवन में बजट सत्र की शुरुआत से पहले छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करते महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार।

जूनागढ़ जिले में गुजरात के इको-गाइड, ट्रैकर्स और फील्ड स्टाफ के साथ बातचीत करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

नई दिल्ली : सोमवार को पुराने सचिवालय परिसर में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता।

पूर्वी थाईलैंड के चोनबुरी प्रांत में हाट याओ समुद्र तट पर कोबरा गोल्ड यूएस-थाई संयुक्त सैन्य अभ्यास में भाग लेते दक्षिण कोरियाई सैनिक।

प्रयागराज : सोमवार को विनायक चतुर्थी के अवसर पर संगम क्षेत्र में पूजा करतीं श्रद्धालु महिलाएं।

शिमला : सोमवार को हुई बर्फ बारी का मजा लेते लोग।

महाराष्ट्र सपा अध्यक्ष अबू आजमी के बयान पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, औरंगज़ेब ने छत्रपति संभाजी महाराज को 40 दिनों तक प्रताड़ित किया। ऐसे व्यक्ति को अच्छा कहना महापाप है, इसलिए उन पर देशद्रोह का मामला दर्ज होना चाहिए। अबू आजमी ने कहा था कि औरंगज़ेब कोई क्रूर शासक नहीं था, उन्होंने जो किया वो सही किया।

—— पांचजन्य @epanchjanya

संक्षिप्त खबरें

मालदीव में भीषण बाढ़ के कारण सरकारी कार्यालय बंद

कोलंबो। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने देश के इतिहास में सबसे अधिक दैनिक वर्षा के कारण आई भीषण बाढ़ के चलते रविवार को सरकारी कार्यालयों और संस्थानों को बंद करने का आदेश दिया। मालदीव के सरकारी मीडिया 'पीएसएम न्यूज' ने यह जानकारी दी। मालदीव मौसम विज्ञान सेवा ने 'एक्स' पर कहा कि रविवार सुबह आठ बजे समाप्त 24 घंटों में 296 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। पीएसएम न्यूज ने बताया कि राष्ट्रपति ने यह फैसला लगातार हो रही बारिश के बाद लिया है, जिसके परिणामस्वरूप लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। चैनल ने बताया कि शनिवार को भारी बारिश के कारण माले शहर में व्यापक बाढ़ आ गई, जिसमें माले, हुलहुमाले और वेलाना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के शहर हुलहुले समेत कई बाहरी द्वीप शामिल हैं।

नेपाल जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या घटी

काठमांडो। फरवरी 2025 में 96 हजार से अधिक पर्यटक नेपाल पहुंचे, लेकिन पिछले साल की तुलना में इस वर्ष हिमालयी देश की यात्रा करने वाले भारतीयों की संख्या में कमी देखी गई। नेपाल पर्यटन बोर्ड के अनुसार, फरवरी महीने में 96,880 पर्यटक हवाई मार्ग से नेपाल पहुंचे। आंकड़ों के अनुसार, इस साल फरवरी में पर्यटकों की संख्या पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में थोड़ी कम रही। फरवरी 2024 में नेपाल आने वाले पर्यटकों की संख्या 97,426 थी। अन्य देशों के पर्यटकों की तुलना में नेपाल पहुंचने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या सबसे अधिक रही। इस साल फरवरी में 19,187 भारतीय हवाई मार्ग से नेपाल पहुंचे। इस अवधि में अमेरिका से 10,348, चीन से 8,232, ब्रिटेन से 5,057 और बांग्लादेश से 4,874 पर्यटक नेपाल आए। श्रीलंका से 4,370 और ऑस्ट्रेलिया से 3,737 पर्यटक नेपाल पहुंचे। फरवरी 2024 में 25,578 भारतीय पर्यटकों ने नेपाल की यात्रा की थी जबकि इस साल फरवरी में यह संख्या 25 प्रतिशत कम रही। नेपाल पर्यटन बोर्ड के निदेशक मणि लामिछाने ने कहा कि प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ ने लाखों भारतीय तीर्थयात्रियों को आकर्षित किया जिससे नेपाल आने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में कमी देखी गई।

एयर इंडिया ने इस्राइल के लिए उड़ानें फिर से शुरू की

यरुशलम। देश की प्रमुख विमानन कंपनी एयर इंडिया ने सात महीने के निलंबन के बाद रविवार को इस्राइल के लिए अपनी उड़ानें फिर से शुरू कर दीं। परिचालन दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सीधी उड़ान के साथ शुरू हुआ और रविवार शाम को तेल अवीव के बाहर बेन गुरियन हवाई अड्डे पर उतरी। एयर इंडिया अब दिल्ली और तेल अवीव के बीच पांच साप्ताहिक उड़ानें संचालित करेगी, जिसके साथ वह दोनों देशों के बीच सीधी सेवाएं देने वाली एकमात्र एयरलाइन बन जाएगी। इस्राइल में बहु-मोर्चे संघर्ष तेज होने के बाद, मध्य पूर्व क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच अधिकांश विदेशी एयरलाइनों ने तेल अवीव के लिए अपनी उड़ानें अस्थाई रूप से निलंबित कर दी थी।

परमाणु हथियारों पर संरा सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेगा जापान

टोक्यो (एपी)। जापान परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध लगाने वाली संधि पर संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेगा। देश के एक शीर्ष अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि अमेरिका का परमाणु क्षमता से लैस होना जापान की सुरक्षा के लिए अहम है और सम्मेलन में टोक्यो की भागीदारी से 'गलत संदेश' जाएगा।

मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने कहा कि जापान अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण न्यूयॉर्क में सोमवार से शुरू हो रहे इस सम्मेलन में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल नहीं होगा। हयाशी ने कहा, गंभीर सुरक्षा माहौल में लोगों के जीवन और संपत्तियों के साथ-साथ जापान की शांति एवं संप्रभुता की रक्षा के लिए परमाणु क्षमता अपरिहार्य है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में पर्यवेक्षक के रूप में जापान की भागीदारी परमाणु क्षमता (के प्रति समर्थन) को लेकर जापान की नीति के बारे में गलत संदेश भेजेगी और शांति एवं सुरक्षा कायम रखने की देश की कोशिशों में बाधा पैदा करेगी। परमाणु हथियारों के अप्रसार पर संयुक्त राष्ट्र संधि को 2017 में मंजूरी दी गई थी। द्वितीय विश्व युद्ध के अंत में हिरोशिमा और नागासाकी पर अमेरिका के परमाणु हमले की पुनरावृत्ति को रोकने के मकसद से दशकों तक चलाए गए अभियान के बाद 2021 में इसे लागू कर दिया गया था। परमाणु हमलों का सामना करने वाला एकमात्र देश होने के बावजूद जापान ने संधि पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया है, क्योंकि उसका कहना है कि किसी भी परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र की भागीदारी के बिना इसका लक्ष्य प्राप्त करना संभव नहीं है। हयाशी ने कहा कि पर्यवेक्षक के रूप में हिस्सा लेने से अप्रसार संधि को मजबूत करने के लिए समर्थन हासिल करने के जापान के प्रयास में बाधा आएगी और परमाणु निरस्त्रीकरण की कोशिशें भी प्रभावित होंगी।

> सोमवार से न्यूयार्क में शुरू हा गया परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध लगाने वाली संधि पर सम्मेलन

मनमोहन के कार्यकाल में कश्मीर मुद्दा सुलझने के था करीब

> जम्मू-कश्मीर विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि देते हुए उमर अब्दुला ने कहा

जम्मू (भाषा)। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार के दौरान भारत और पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे को सुलझाने के करीब पहुंच गए थे और उन्हें अपने जीवनकाल में पूर्व स्थिति की वापसी की उम्मीद नहीं है। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन सिंह और चार अन्य पूर्व विधायकों को श्रद्धांजलि देते हुए अब्दुल्ला ने मनमोहन सिंह की प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने विस्थापित कश्मीरी पंडितों की वापसी के लिए व्यावहारिक कदम उठाए और उनके कार्य समूह अब भी प्रासंगिक हैं।

विधानसभा में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, पूर्व मंत्री सैयद गुलाम हुसैन गिलानी, पूर्व राज्यसभा सदस्य शमशेर सिंह मन्हास और पूर्व विधायक गुलाम हसन पर्रे और चौधरी प्यारा सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के अभिभाषण के बाद विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर ने शोक प्रस्ताव रखा। शाम लाल शर्मा (भारतीय जनता पार्टी), जी ए मीर (कांग्रेस) और एम वाई तारिगामी (मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी) समेत कई सदस्यों ने भी सदन में अपनी बात रखी।

मुख्यमंत्री ने कहा, पिछले विधानसभा सत्र (श्रीनगर में) में हमारे पास पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की अध्यक्षता वाली एक लंबी सूची थी और अब चार महीने बाद हमारे पास एक अन्य पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अध्यक्षता वाली एक छोटी सूची है, जिन्होंने देश के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया है। उमर अब्दुल्ला ने सिंह के एक गांव (जो अब पाकिस्तान में है) से भारत के प्रधानमंत्री बनने तक की यात्रा तथा विशेष रूप से निजी क्षेत्र और सामाजिक कल्याण उपायों से संबंधित सुधारों को लागू करके भारत को एक आर्थिक शक्ति बनाने में उनके योगदान को याद किया। जम्मू-कश्मीर के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा, उन्होंने बाहरी देश (पाकिस्तान) के साथ समस्या का समाधान करने की कोशिश की।

उन्होंने यह पहल नहीं की, बल्कि यह उन्हें विरासत में मिली, क्योंकि इसकी शुरुआत वाजपेयी और (तत्कालीन पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल परवेज) मुशर्रफ ने की थी। उन्होंने प्रधानमंत्री (2004 में) बनने के बाद इस पहल को रोक दिया होता, लेकिन वह अच्छी तरह जानते थे कि वाजपेयी द्वारा की गई पहल को आगे बढ़ाना एक बड़ी जिम्मेदारी है।

उन्होंने आतंकवादी घटनाओं का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा कि सिंह ने बिगड़ते हालात के बावजूद ईमानदारी से प्रयास किए। यह कहना चाहूंगा कि दोनों देश उस अवधि के दौरान इस (कश्मीर) समस्या को हल करने के करीब पहुंचे गए थे और मैं अपने जीवनकाल में उस स्थिति की वापसी नहीं देखता हूं।

संघर्ष विराम वार्ता ठप होने से गाजावासियों की बढ़ी चिंता

गाजा (आईएएनएस)। गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों ने इस साल रमजान का स्वागत भारी मन से किया। तबाह हो चुके शहर के निवासियों का डर है कि युद्ध विराम समझौते कहीं टूट न जाए और इस्राइली हमले फिर से शुरू न हो जाए। फिलीस्तीन और इस्राइला के बीच संघर्ष विराम का पहला चरण शनिवार को समाप्त हो गया। दूसरे चरण का कोई संकेत न मिलने के कारण गाजा के लोग अब बहुत चिंता में हैं और उन्हें डर है कि युद्ध कभी भी फिर से शुरू हो सकता है। गाजा की सड़कों पर पहले लोगों का आवागमन रहता था। लेकिन, अब यह खंडहर में बदल चुकी हैं। टूटे हुए घरों का मलबा तबाही की याद दिलाता है और हवा में बारूद, मौत और सड़ी गली चीजों की बदबू फैली हुई है।

दक्षिणी गाजा के खान यूनिस की ओम मोहम्मद अल-नज्जर कहती हैं, हर दिन जब गोलाबारी नहीं होती, तो थोड़ा आराम मिलता है। लेकिन हम हमेशा इस डर में जीते हैं कि कहीं हमले फिर से न शुरू हो जाएं। हाल ही में हुई बमबारी में उनका घर भी नष्ट हो गया। उन्होंने कहा, हमने बहुत दुख सहा है। रमजान शांति का समय होना चाहिए, लेकिन यहां कोई शांति नहीं है। गाजा सिटी के 45 वर्षीय मोहम्मद अल-दहदौह, जो चार बच्चों के पिता हैं, बताते हैं कि उनका परिवार पहले खुशी-खुशी अपने घर को लालटेन और चमकीले रंगों से सजाता था।

रसोई में पारंपरिक मध्य पूर्वी व्यंजन, मकलूबा और कतायेफ़ की खुशबू फैल जाती थी और पूरे घर में हंसी की आवाजें गूंजती थीं। अल-दहदौह ने बताया, रमजान का मतलब होता था इफ्तार की मेज पर परिवार का एक साथ होना, बच्चों की हंसी की आवाज़ और घर में खाने की खुशबू का होना। अब, न घर है, न मेज। हम एक छोटे से तंबू में रह रहे हैं और हमारे पास जो खाना है, वह मुश्किल से पर्याप्त है। राफा शहर की एक फिलिस्तीनी महिला, तसाहिल नासर ने बताया पवित्र रमजान का महीना गाजा में अपनी खुशियां खो चुका है। नासर हवाई हमले में अपने पति, भाइयों और माता-पिता को खो चुकी है। उन्होंने कहा, हमारे प्रियजन चले गए हैं और अब हमारे पास आगे बढ़ने की ताकत नहीं है। दर्द लगातार बना हुआ है, अब यह और भी बढ़ गया है, क्योंकि पवित्र रमजान का महीना उस परिवार की यादें लेकर आता है, जिसे मैंने खो दिया है।

फ्रांस व ब्रिटेन ने यूक्रेन में एक महीने के संघर्ष विराम का प्रस्ताव रखा

लंदन/पेरिस (वार्ता)। फ्रांस और ब्रिटेन ने यूक्रेन में हवा, समुद्र और ऊर्जा अवसंरचना में एक महीने के संघर्ष विराम का प्रस्ताव रखा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने यह जानकारी दी है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने रविवार को लंदन में यूक्रेन पर शिखर सम्मेलन से पहले घोषणा की कि पेरिस और लंदन युद्ध को रोकने के लिए एक योजना पर काम कर रहे हैं।

ब्रसेल्स टाइम ने रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति मैक्रों ने बताया कि इस तरह के संघर्ष विराम का फायदा यह है कि पेरिस-बुडापेस्ट लाइन के बराबर विशाल मोर्चे को देखते हुए इसे मापा जा सकता है। उन्होंने बताया कि शुरुआत में शत्रुता का अंत करने में जमीनी लड़ाई शामिल नहीं होगी क्योंकि युद्ध विराम के मामले में यह सत्यापित करना बहुत मुश्किल होगा कि मोर्चे का सम्मान किया गया है। उन्होंने कहा कि यूरोपीय सैनिकों की तैनाती में फ्रांस और ब्रिटेन के सैनिक भाग लेने के लिए तैयार हैं और यह बाद के पता चल पाएगा। मैक्रों ने ले फिगारो को बताया आने वाले हफ्तों में यूक्रेनी धरती पर कोई यूरोपीय सैनिक नहीं होंगे। उन्होंने इस समय का उपयोग युद्धविराम वार्ता के लिए करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, हम हर हाल में शांति चाहते हैं लेकिन किसी भी कीमत और बिना किसी गारंटी के। फ्रांस के अधिकारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के बीच संवाद को फिर से स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप और जेलेंस्की के बीच शुक्रवार को ओवल कार्यालय में तीखी नोकझोंक हुई थी। मैक्रो ने लंदन शिखर सम्मेलन से लौटने के बाद कहा, आने वाले दिनों में हमें फिर से बातचीत करने की तैयारी करनी चाहिए। इस बीच जेलेंस्की ने अमेरिका के साथ बातचीत किए गए खनिज समझौते पर हस्ताक्षर करने की इच्छा व्यक्त की। यह समझौता शुक्रवार को ट्रंप के साथ उनके विवाद के कारण विलंबित हो गया था। उन्होंने लंदन छोड़ने से पहले कहा, एक बार सभी पक्ष सहमति के बाद समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

अगर हम खनिज समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए सहमति बनी तो तो हम इस पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं। हम रचनात्मक हैं। उन्होंने वॉशिंगटन के सुझाव के बाद कहा कि यूक्रेनी नेता को अपने व्यवहार में बदलाव नहीं करने पर पद छोड़ना पड़ सकता है। उन्होंने युद्धविराम की स्थिति में यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी मांगने का भी उल्लेख किया और यूक्रेन के नाटो में शामिल होने पर इस्तीफा देने की अपनी पिछली पेशकश को दोहराया। उन्होंने कहा, अगर नाटो की सदस्यता और युद्ध का अंत हो जाता है तो मेरा मिशन पूरा हो जाएगा।

> लंदन में हुए यूक्रेन पर शिखर सम्मेलन के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा

जेलेंस्की निरस्त खनिज सौदे पर हस्ताक्षर को तैयार

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ब्रिटेन की यात्रा के दौरान के राजा चार्ल्स तृतीय के साथ।

लंदन (आईएएनएस)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका के साथ निरस्त खनिज सौदे पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं। जेलेंस्की का यह बयान रविवार (स्थानीय समयानुसार) को लंदन में यूरोपीय नेताओं के शिखर सम्मेलन में यूक्रेन को मिले समर्थन के बाद आया। शिखर सम्मेलन यूक्रेन के भविष्य और यूरोप के साथ उसके संबंधों पर केंद्रित था।

शिखर सम्मेलन के बाद, जेलेंस्की ने से कहा, अगर हम खनिज सौदे पर हस्ताक्षर करने के लिए सहमत हुए, तो हम इस पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह भी कहा, अगर दोनों पक्ष तैयार हैं, तो मेज पर मौजूद समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। हालांकि, इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं थी कि अमेरिका दोनों पक्षों द्वारा तैयार किए गए और हस्ताक्षर के लिए तैयार समझौते को जारी रखने के लिए तैयार है या नहीं। अमेरिका के ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा कि अगर वह लड़ाई जारी रखना चाहते हैं, तो समझौता बेमानी हो जाएगा। जेलेंस्की ने कहा है कि वह पहले अमेरिका से रूस के साथ युद्ध खत्म करना चाहते हैं लेकिन इससे पहले अपने देश की सुरक्षा की गारंटी चाहते हैं। इस बीच, फ्रांस और ब्रिटेन ने शांति प्रयासों को गति देने की कोशिश की, जिसके प्रति खास आग्रह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दिखाया गया, जबकि जेलेंस्की ने इसके प्रति संदेह जताया है। स्टार्मर ने कहा कि वह और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जेलेंस्की के साथ मिलकर एक शांति योजना बनाएंगे और इसे ट्रंप के समक्ष रखेंगे। उन्होंने यह भी बताया, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस और संभवतः एक या दो अन्य देशों के साथ मिलकर यूक्रेन के साथ मिलकर लड़ाई रोकने की योजना पर काम करेगा और फिर हम उस योजना पर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ चर्चा करेंगे।

यूक्रेन का अमेरिका ने दिया साथ, इसके लिए उनका आभार : जेलेंस्की

नई दिल्ली (आईएएनएस)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस के खिलाफ चल रहे युद्ध के दौरान अमेरिका से मिले समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर वीडियो संदेश पोस्ट कर कहा कि यूक्रेन को अमेरिका से मिल रहे समर्थन की महत्वपूर्ण भूमिका को वह समझते हैं और इसके लिए आभारी हैं। जेलेंस्की का यह पोस्ट व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस द्वारा यूक्रेन से पर्याप्त आभार व्यक्त न करने की बात कहने और संघर्ष विराम के प्रस्तावों को अस्वीकार करने के बाद आया। जेलेंस्की ने यह भी बताया कि यूरोप से उन्हें समर्थन और एकता मिल रही है और इस सहयोग को मजबूत बनाने की इच्छा बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन का लक्ष्य शांति है, न कि अंतहीन युद्ध और इसके लिए उन्हें वास्तविक सुरक्षा गारंटी की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पूरे यूरोप, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और तुर्की समेत कई देशों का यह मुख्य मुद्दा है। इसके अलावा, जेलेंस्की ने यूक्रेनी लोगों की लचीलापन की सराहना करते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता को बचाने के लिए चल रहे अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के लिए वे हमेशा कृतज्ञ महसूस कर रहे हैं। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि यूक्रेन का लचीलापन इस बात पर आधारित है कि उनके साझेदार उनकी और अपनी सुरक्षा के लिए क्या कर रहे हैं। जेलेंस्की का यह संदेश लंदन में हुए एक शिखर सम्मेलन के बाद आया, जहां विभिन्न देशों के नेता रूस-यूक्रेन युद्ध पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए थे।

परमाणु समझौते के सूत्रधार रहे ईरानी मंत्री ने इस्तीफा दिया

तेहरान (एपी)। अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के साथ 2015 में परमाणु समझौता कराने में अहम भूमिका निभाने वाले ईरान के पूर्व विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ ने कथित तौर पर कट्टरपंथियों के दबाव के आगे झुकते हुए सुधारवादी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की सरकार से सोमवार को इस्तीफा दे दिया।

जरीफ के इस्तीफे से यह संकेत मिलता है कि ईरान पश्चिम के साथ अपने संबंधों से तेजी से पीछे हट रहा है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप देश पर लगाए गए प्रतिबंधों को और कड़ा कर रहे है।जरीफ, पेजेशकियन के कार्यकाल में उपराष्ट्रपति रह चुके है और लंबे समय से देश के कट्टरपंथियों के निशाने पर रहे हैं। उन्होंने इससे पहले भी एक बार इस्तीफा देने की कोशिश की थी और फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस बार पेजेशकियन ने उनका इस्तीफा स्वीकार किया है या नहीं। यह घटनाक्रम ईरान की संसद द्वारा रविवार को वित्त मंत्री अब्दोलनसेर हेममती पर महाभियोग चलाए जाने के बाद सामने आया है।

गाजा में राहत सामग्री रोकने पर इस्राइल की चौतरफा आलोचना

तेल अवीव (एपी)। गाजा में सभी खाद्य वस्तुओं और रसद का प्रवेश रोके जाने के कारण इस्राइल को तीखी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। इस्राइल ने रविवार को गाजा पट्टी में सभी वस्तुओं और रसद का प्रवेश रोकते हुए चेतावनी दी थी कि यदि हमास संघर्षविराम की अवधि को बढ़ाने संबंधी नए प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करता है तो उसे अतिरिक्त परिणाम भुगतने होंगे। मध्यस्थों मिस्र और कतर ने इस्राइल पर भुखमरी को हथियार के रूप में इस्तेमाल करके मानवीय कानून का उल्लंघन करने का रविवार को आरोप लगाया।

> इस्राइल ने संघर्षविराम की अवधि को बढ़ाने संबंधी नए प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करने पर दी परिणाम भुगतने की चेतावनी

हमास ने इस्राइल पर संघर्षविराम समझौते को पटरी से उतारने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सहायता पर रोक संबंधी उसका फैसला युद्ध अपराध है और समझौते पर हमला है। यह समझौता जनवरी में हुआ था। हमास ने कहा कि इस्राइल सिर्फ कैदी अदला-बदली समझौते के जरिए ही बंधकों को वापस पा सकता है। हमास के वरिष्ठ अधिकारी महमूद मर्दावी ने कहा, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अगर यह सोचते हैं कि गाजा पट्टी पर थोपे गए भुखमरी युद्ध माध्यम से वे अपने लक्ष्य हासिल कर लेंगे, तो वे भ्रम में हैं। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार मर्दावी ने समझौते के तहत तय सभी चरणों को मूल रूप में लागू करने पर जोर दिया और इस्राइल की ओर से पहले चरण को आगे बढ़ाने का विरोध किया। हमास नेता ने मध्यस्थों से यह सुनिश्चित करने की भी अपील की कि इस्राइल समझौते की शर्तों का पालन करे।

बंधकों को वापस पाने के लिए इस्राइल के सामने सिर्फ एक रास्ता : हमास

गाजा (आईएएनएस)। हमास ने कहा कि इस्राइल सिर्फ कैदी अदला-बदली समझौते के जरिए ही बंधकों को वापस पा सकता है। हमास के वरिष्ठ अधिकारी महमूद मर्दावी ने कहा, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अगर यह सोचते हैं कि गाजा पट्टी पर थोपे गए भुखमरी युद्ध माध्यम से वे अपने लक्ष्य हासिल कर लेंगे, तो वे भ्रम में हैं। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार मर्दावी ने समझौते के तहत तय सभी चरणों को मूल रूप में लागू करने पर जोर दिया और इस्राइल की ओर से पहले चरण को आगे बढ़ाने का विरोध किया। हमास नेता ने मध्यस्थों से यह सुनिश्चित करने की भी अपील की कि इस्राइल समझौते की शर्तों का पालन करे। उन्होंने मध्यस्थों से यह भी कहा कि वे सुनिश्चित करें कि समझौते की शर्तों का पालन हो, जैसा कि सहमति हुई थी।

इस्राइली सेना ने गाजा में चार फिलिस्तीनियों को मार गिराया

गाजा (वार्ता)। इस्राइली सेना ने रविवार को गाजा पट्टी में चार फिलिस्तीनियों को मार गिराया। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों और चिकित्सा स्रोतों ने यह जानकारी दी। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा, इस्राइली सेना ने गाजा पट्टी के उत्तर में बेत हनौन शहर में स्थानीय लोगों के एक समूह पर सैन्य ड्रोन से हमला किया जिससे दो फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। इस्राइली सेना ने कहा कि उत्तरी गाजा में सैन्य ठिकानों के पास कई व्यक्तियों को संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त देखा था। उन्होंने आरोप लगाया कि वे एक विस्फोटक उपकरण लगा रहे थे। खतरे को खत्म करने के लिए हमला किया गया।

बांग्लादेश के खुलना विवि में संस्थानों के नाम में बदलाव

ढाका (वार्ता)। बांग्लादेश के खुलना विश्वविद्यालय ने विभिन्न संस्थानों के नाम बदल दिए हैं, जिनमें विश्व प्रसिद्ध रसायनज्ञ प्रफुल्ल चंद्र रे, भौतिक विज्ञानी जगदीश चंद्र बोस और कवि जीवनानंद दास के नाम हटा दिए गए हैं। इस फैसले की शिक्षकों और छात्रों ने कड़ी आलोचना की है।

प्रोथोम अलो की रिपोर्ट के अनुसार, अंतरिम सरकार के शिक्षा सलाहकार वहीदुद्दीन महमूद ने पिछले सप्ताह ढाका में बीआरएसी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में अपने संबोधन के दौरान कहा कि वह इस निर्णय से निराश हैं। उन्होंने कहा कि हम बचपन से ही जगदीश चंद्र बोस के बारे में कहानियां सुनते आ रहे हैं। खुलना विश्वविद्यालय में उनके नाम पर इमारतें और प्रतिष्ठान थे, जिनके नाम बदल दिए गए हैं। उन्होंने कहा, आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रॉय के नाम पर एक इमारत थी। कई अन्य प्रतिष्ठानों के नाम बदल दिए गए हैं। मैं इससे काफी निराश हूं। महमूद ने कहा, यह मेरी कल्पना से परे है कि जगदीश चंद्र बोस के नाम पर बनी इमारत का नाम बदला जा सकता है। मुझे उम्मीद है कि विश्वविद्यालय प्रशासन और छात्र इसका समाधान निकालेंगे।'' बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की खुलना शहर इकाई ने भी इस निर्णय की आलोचना की। बीएनपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सहायक संगठन सचिव जयंत कुंडू ने कहा, मैं खुलना विश्विद्यालय के कुलपति से पूछना चाहता हूं कि किसकी शक्ति से आपने लालन साईं, जीवनानंद दास, सत्येंद्रनाथ बोस और जगदीश चंद्र बोस के नाम हटाने की हिम्मत की। आज या कल, आपको इसका जवाब देना होगा। प्रख्यात शिक्षाविद् और सोचेटन नागोरिक समिति (सोनक) खुलना के अध्यक्ष प्रोफेसर अनवारुल कादिर ने कहा, एक शब्द में कहें तो ऐसी घटना उनकी घटिया पसंद और घटिया मानसिकता को दर्शाती है। यह अविश्वसनीय है कि विश्वविद्यालय के शिक्षक ऐसी मानसिकता को सहन कर सकते हैं। यह निर्णय आठ फरवरी को आयोजित केयू सिंडिकेट की बैठक में लिया गया था। इसके बाद 12 फरवरी को बदलावों के संबंध में कार्यालय आदेश जारी किया गया। सैयद नारुल इस्लाम प्रशासनिक भवन का नाम बदलकर विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति गुलाम रहमान के नाम पर रखा गया। इसी प्रकार राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान का नाम बदलकर बीर श्रेष्ठ मोहम्मद रुहुल अमीन कर दिया गया। बंगामाता फाजिलतुन्नेसा हॉल का नाम बदलकर बिजय 24 हॉल कर दिया गया, सत्येंद्रनाथ बसु शैक्षणिक भवन का नाम बदलकर शैक्षणिक भवन-1, जगदीश चंद्र शैक्षणिक भवन का नाम बदलकर शैक्षणिक भवन-2, कवि जीवनानंद दास शैक्षणिक भवन का नाम बदलकर शैक्षणिक भवन-3 और जॉय बांग्ला भवन का नाम बदलकर शैक्षणिक भवन-4 कर दिया गया।

इसके अलावा, शहीद ताजुद्दीन अहमद प्रशासनिक भवन का नाम बदलकर प्रशासनिक भवन कर दिया गया; सुल्ताना कामा जिम्नेजियम का नाम बदलकर खुलना विश्वविद्यालय जिम्नेजियम कर दिया गया तथा आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रॉय केंद्रीय प्रयोगशाला का नाम बदलकर खुलना विश्वविद्यालय केंद्रीय प्रयोगशाला कर दिया गया। वहीं शहीद बुद्धिजीवियों के नाम पर बने चार शिक्षक आवासों के नाम भी बदल दिए गए।

> जगदीश चंद्र बोस, कवि जिबनानंद दास का नाम हटाए जाने की हो रही है आलोचना

भारत और बेल्जियम ने रक्षा सहयोग पर वार्ता की

नई दिल्ली (एसएनबी)। भारत और बेल्जियम ने क्षेत्रीय सुरक्षा और हिन्द प्रशांत क्षेत्र में रक्षा सहयोग पर चर्चा की है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने अपने एक्स हैंडल पोस्ट में कहा कि बेल्जियम की राजकुमार एस्ट्रिड और रक्षामंत्री थियो फ्रेंकन के साथ यहां मुलाकात शानदार रही। उन्होंने कहा, बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड और मेरे समकक्ष थियो फ्रेंकेन से मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई। हमने क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों और इंडो पैसिफिक में रक्षा सहयोग की संभावना पर चर्चा की। साथ ही, हमने दोनों देशों के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने के तरीकों और साधनों पर भी विचार-विमर्श किया।

हसीना शासन के अत्याचारों के रिकॉर्ड संरक्षित करना जरूरी : यूनुस

ढाका (भाषा)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रशासन के दौरान किए गए कथित अत्याचारों के दस्तावेजों को सावधानीपूर्वक संरक्षित करने का आह्वान किया है। 'ढाका ट्रिब्यून' अखबार की खबर के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों के साथ हुई बैठक के दौरान यूनुस ने इस बात पर जोर दिया कि उचित अभिलेखीय प्रणाली के बिना सच्चाई जानना और न्याय सुनिश्चित करना मुश्किल है।

मुख्य सलाहकार की 'प्रेस शाखा' की ओर से कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र की 'रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर' ग्वेन लुईस और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार विशेषज्ञ हुमा खान के साथ बातचीत के दौरान मुख्य सलाहकार ने शापला चत्तर में प्रदर्शनकारियों पर की गई कार्रवाई, डेलवर हुसैन सईदी के फैसले के बाद प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की बर्बरता और वर्षों की कथित न्यायेतर हत्याओं का हवाला दिया। इसके जवाब में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने मानवाधिकारों के हनन के दस्तावेजीकरण में बांग्लादेश की सहायता करने की अपनी इच्छा की पुष्टि की। तकनीकी सहायता और क्षमता निर्माण में संयुक्त राष्ट्र की विशेषज्ञता की पेशकश करते हुए लुईस ने कहा, यह (अत्याचारों के शिकार लोगों को) मरहम लगाने और सत्य-निर्माण की एक प्रक्रिया है। यूनुस ने जुलाई-अगस्त 2024 के विद्रोह के बाद मानवाधिकार उल्लंघन पर संगठन की हालिया तथ्यान्वेषी रिपोर्ट की भी सराहना की, जिसके कारण अवामी लीग के 15 साल के शासन का खत्मा हो गया और हसीना पलायन कर भारत चली गईं।

स्पिनरों के दम पर भारत फाइनल का दावेदार

सेमीफाइनल में आज आस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबला दोपहर 2.30 बजे से

दुबई (भाषा)। अतीत में ऐसा करने में भले ही वे नाकाम रहे हों लेकिन इस बार स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन और हालात से वाकफियत के दम पर भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में मंगलवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ उतरेगी तो आईसीसी टूर्नामेंटों के नॉकआउट मुकाबलों में मिले हर जख्म पर मरहम लगाने का इरादा होगा।

इसके साथ ही 2023 में अपनी धरती पर विश्व कप फाइनल में मिली हार का बदला चुकता करने का भी यह सुनहरा मौका है जब भारत के दस मैचों के अश्वमेध अभियान पर फाइनल में आस्ट्रेलिया ने नकेल कसी थी।

यह उतना आसान भी नहीं होगा क्योंकि पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क के बगैर भी आस्ट्रेलियाई टीम काफी मजबूत है। कुछ दिन पहले लाहौर में इंग्लैंड के खिलाफ 352 रन के लक्ष्य को हासिल करके उसने एक बार फिर यह साबित कर दिया है।

भारत को आखिरी बार आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में आस्ट्रेलिया पर जीत 2011 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में मिली थी। भारत को आस्ट्रेलिया ने 2015 वनडे विश्व कप सेमीफाइनल और 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में हराया। इसके अलावा विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल 2023 में भी भारत को हराकर खिताब जीता।

इस बार भारतीय टीम चौदह बरस की नाकामियों का हिसाब चुकता करने उतरेगी और उसके आतमविश्वास का कारण टीम में आला दर्जे के स्पिनरों की मौजूदगी है। टूर्नामेंट से पहले टीम में पांच स्पिनरों को शामिल करने के फैसले की काफी आलोचना हुई थी लेकिन दुबई की धीमी पिचों पर अब यह मास्टरस्ट्रोक साबित हो रहा है।

■ आस्ट्रेलियाई टीम पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क के बिना भी काफी मजबूत है, एकमात्र स्पिनर एडम जम्पा

■ भारत ने आखिरी बार आईसीसी के नॉकआउट मैच में 2011 के विश्व कप में आस्ट्रेलिया को क्वार्टर फाइनल में हराया था

यह भी कहा जा रहा है कि भारत को सारे मैच दुबई में खेलने का फायदा मिल रहा है लेकिन असलियत यह है कि भारतीय टीम ने अपने प्रदर्शन में लगातार सुधार के प्रयास किये हैं। ऐसा नहीं है कि पिच से इतनी टर्न मिल रही है कि भारतीय गेंदबाजों कामयाब रहे है बल्कि इन पिचों पर उनका संयम कारगर साबित हुआ है। न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी लीग मैच में पांच विकेट लेने वाले स्पिनर वरूण चक्रवर्ती ने कहा, 'यहां पिच रैंक टर्नर नहीं है जैसा कि लोग बोल रहे हैं। इससे थोड़ी मदद जरूर मिली है लेकिन आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तो करना ही है।'

भारतीय स्पिन चौकड़ी चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ नौ विकेट लिये। उन्होंने 39 ओवरों में 128 डॉट गेंद डाली। केन विलियमसन जैसा धैर्यवान बल्लेबाज भी अक्षर पटेल के सामने संयम खो बैठा और केएल राहुल की स्टम्पिंग का शिकार हो गया।

दूसरी ओर आस्ट्रेलिया के पास एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर एडम जम्पा है। उसे अनियमित स्पिनरों ग्लेन मैक्सवेल और ट्रेविस हेड से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

मैथ्यू शॉर्ट पिंडली की चोट के कारण बाहर हो गए हैं जिससे आस्ट्रेलिया के पास से एक और स्पिन गेंदबाजी विकल्प चला गया। इंग्लैंड और अफगानिस्तान के खिलाफ आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने क्रमशः 352 और 273 रन दिये और अब तो बल्लेबाजी के लिये अनुकूल हालात हैं।

ऐसे में विराट कोहली, रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल की चुनौती काफी कठिन होगी।

कप्तान रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के बाद कहा था, 'यह अच्छा मैच होगा। आस्ट्रेलिया का आईसीसी टूर्नामेंटों में अच्छा खेलने का इतिहास रहा है और अब हमें सब कुछ सही करना है। उम्मीद है कि हम ऐसा करने में कामयाब होंगे।'

भारत की नजरें ट्रेविस हेड और कप्तान स्टीव स्मिथ को जल्दी पवेलियन भेजने पर लगी होंगी। खासकर हेड ने पिछले कुछ साल में भारत को काफी परेशान किया है।

टीमें : **भारत** : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, ऋषभ पंत, रविंद्र जड़ेजा, वरुण चक्रवर्ती

ऑस्ट्रेलिया : स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबट, एलेक्स कैरी, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट और एडम जम्पा।

गेफेनी व इलिंगवर्थ भारत-आस्ट्रेलिया सेमीफाइनल मैच में मैदानी अंपायर

दुबई (भाषा)। न्यूजीलैंड के क्रिस गेफेनी और इंग्लैंड के रिचर्ड इलिंगवर्थ भारत और आस्ट्रेलिया के बीच चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में मैदानी अंपायर होंगे। इंग्लैंड के माइकल गाफ तीसरे अंपायर और जिम्बाब्वे के एंडी पायक्रॉफ्ट मैच रैफरी होंगे।

इलिंगवर्थ रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच ग्रुप ए के मैच में भी अंपायर थे। गेफेनी को 25 फरवरी को रावलपिंडी में आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के मैच में अंपायरिंग करनी थी लेकिन बारिश के कारण मैच रद्द हो गया। लाहौर में न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे सेमीफाइनल में श्रीलंका के कुमार धर्मसेना और आस्ट्रेलिया के पॉल रीफेल मैदानी अंपायर होंगे जबकि जोएल विल्सन तीसरे अंपायर और रंजन मदुगले मैच रैफरी होंगे।

आस्ट्रेलियाई चैम्पियंस ट्रॉफी टीम में चोटिल शॉर्ट की जगह कूपर कोनोली शामिल

दुबई (भाषा)। युवा स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला कूपर कोनोली को चैम्पियंस ट्रॉफी के नॉकआउट मुकाबले के लिये चोटिल मैथ्यू शॉर्ट की जगह आस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। शॉर्ट को अफगानिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान पिंडली में चोट लगी थी। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट में पदार्पण करने वाले 21 वर्ष के कोनोली को टूर्नामेंट में यात्रा रिजर्व में रखा गया था। आईसीसी टूर्नामेंट की तकनीकी समिति ने इस बदलाव को सोमवार को मंजूरी दे दी। कोनोली ने अभी तक आस्ट्रेलिया के लिये छह अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें तीन वनडे हैं। आस्ट्रेलिया को मंगलवार को पहले सेमीफाइनल में भारत से खेलना है।

यह हमारा घर नहीं है, पिच से हमें अलग तरह की चुनौतियां मिली : रोहित शर्मा

दुबई (भाषा)। कप्तान रोहित शर्मा ने इस धारणा को खारिज किया कि सारे मैच दुबई में खेलने से उनकी टीम को चैम्पियंस ट्रॉफी में फायदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह उनका घरेलू मैदान नहीं है और पिचों से उनकी टीम को अलग तरह की चुनौतियां मिली है। पाकिस्तान, आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के कई पूर्व खिलाड़ियों ने कहा है कि भारत को सारे मैच एक ही जगह पर खेलने से दूसरी टीमों के मुकाबले हालात के अनुकूल बेहतर ढलने में मदद मिली है। रोहित ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'हर बार पिच से अलग तरह की चुनौती मिलती है। यहां हमने तीन मैच खेले हैं और तीनों मैचों में पिच का स्वभाव अलग रहा है। यह हमारा घर नहीं है, यह दुबई है। हमने यहां उतने मैच भी नहीं खेले हैं। यह हमारे लिये भी नया है।' उन्होंने कहा कि उनकी टीम को आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले तुरंत हालात के अनुरूप ढलना होगा। उन्होंने कहा, 'यहां चार या पांच पिचें इस्तेमाल की जा रही है। मुझे नहीं पता कि सेमीफाइनल में कौन सी पिच होगी। लेकिन जो भी हो, हमें खुद को ढालना होगा और उस पर खेलना होगा।' रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच का उदाहरण देते हुए कहा, 'हमने देखा जब गेंदबाज गेंद डाल रहे थे और वह स्विंग ले रही थी। पहले दो मैचों में ऐसा नहीं था। पिछले मैच में हमने देखा कि उतना स्पिन नहीं मिल रहा है। लिहाजा अलग अलग पिच पर अलग चुनौतियां है। हमें नहीं पता होता कि पिच कैसी रहेगी या कैसी नहीं।' उन्होंने कहा कि गेंदबाजों को पिच से मदद मिलती तो मैच और मजेदार होते। उन्होंने कहा, 'अगर इसमें गेंदबाजों के लिये भी कुछ होता तो मैच और दिलचस्प होते।'

संक्षिप्त खबरें

छह टीमों का महिला वनडे विश्व कप क्वालीफायर पाक में

कराची। पाकिस्तान इस महीने के आखिर में छह टीमों के महिला एक दिवसीय क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर की मेजबानी करेगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक अधिकारी ने सोमवार को इसकी पुष्टि की कि वे तारीखों और स्थान के लिये आईसीसी के संपर्क में हैं। छह टीमें पाकिस्तान, स्कॉटलैंड, आयरलैंड, श्रीलंका, थाईलैंड और वेस्टइंडीज हैं। अधिकारी ने बताया कि ये मैच कराची, मुल्तान और फैसलाबाद में हो सकते हैं क्योंकि पाकिस्तान सुपर लीग का दसवां सत्र भी 11 अप्रैल से शुरू हो रहा है।

फीफा ने पाकिस्तान पर लगाया प्रतिबंध हटाया

कराची। विश्व फुटबॉल की नियामक ईकाई फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) पर लगाया गया प्रतिबंध हटा लिया है चूंकि पाकिस्तान ने खेल के सुचारू संचालन के लिये अपने संविधान में जरूरी बदलाव कर लिये हैं। फीफा ने पीएफएफ पर पांच फरवरी को प्रतिबंध लगाया था क्योंकि कांग्रेस सदस्य संविधान में जरूरी बदलाव नहीं कर सके थे। पीएफएफ कांग्रेस के सदस्यों ने बृहस्पतिवार को जरूरी संशोधनों को लागू करने के लिये सहमति जताई। पीएफएफ के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि फीफा ने उन्हें रविवार को बताया कि प्रतिबंध हटा लिया गया है। जून 2019 से पाकिस्तान फुटबॉल का संचालन फीफा द्वारा नियुक्त समिति कर रही है जिसे विरोधी गुटों के बीच मतभेदों का समाधान करने और चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई है। पिछले पांच साल में समिति के नेतृत्व में कई बदलावों के बावजूद पाकिस्तान फुटबॉल के मूल मसले जस के तस हैं। प्रतिबंध हटने के बाद अब पाकिस्तान 2027 एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर में भाग ले सकेगा जिसमें टीम को ग्रुप ई के पहले मैच में 25 मार्च को सीरिया से खेलना है।

खेलो इंडिया शीतकालीन खेल नौ से 12 मार्च तक

श्रीनगर। खेलो इंडिया शीतकालीन खेल (केआईडटल्यूजी) 2025 के दूसरे चरण का आयोजन नौ से 12 मार्च तक गुलमर्ग में होगा। कश्मीर घाटी के ऊंचे इलाकों में पिछले कुछ दिनों से भारी हिमपात के बाद यह फैसला लिया गया। इन शीतकालीन खेलों को पहले 22 से 25 फरवरी तक आयोजित होना था लेकिन गुलमर्ग में बर्फ की कमी के कारण इसे स्थगित करना पड़ा था। कश्मीर में इस साल हिमपात काफी कम हुआ है। जम्मू-कश्मीर खेल परिषद की सचिव नुजहत गुल ने बताया, 'हम नौ से 12 मार्च तक खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2025 की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। देश भर के शीर्ष शीतकालीन खेल एथलीटों के इस आयोजन में भाग लेने की उम्मीद है।'

ऋषभ पंत लॉरियस 'वर्ल्ड कमबैक ऑफ द ईयर' के लिए नामांकित

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को दिसम्बर 2022 में एक भयानक कार दुर्घटना से बचने के खेल में वापसी पर प्रतिष्ठित लॉरियस विश्व खेल पुरस्कार 2025 के 'कमबैक ऑफ द ईयर (वापसी करने वाले साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी)' श्रेणी में नामांकित किया गया है। पुरस्कार समारोह 21 अप्रैल को मैड्रिड में होगा।

पंत को 30 दिसम्बर 2022 को दिल्ली से अपने गृहनगर रुड़की जाते समय कार दुर्घटना का सामना करना पड़ा था। देहरादून के एक अस्पताल में प्रारंभिक उपचार के बाद इस 27 साल के खिलाड़ी को मुंबई ले जाया गया, जहां बीसीसीआई के विशेषज्ञ सलाहकार की देखरेख में उनका इलाज हुआ। दाएं घुटने के तीनों लिगामेंट की सर्जरी के बाद पंत ने बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में अपना रिहैबिलिटेशन पूरा

किया। पंत चोट से उबरने के बाद पिछले साल मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ अपनी तत्कालीन आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के लिए मैदान में उतरे।

पंत ने इसके बाद टेस्ट क्रिकेट में विजयी वापसी की और कार दुर्घटना के बाद अपने पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ शतक बनाया। उनके प्रदर्शन ने भारत को 280 रनों से जीत दिलाने में मदद की।

महान स्पिनर पद्माकर शिवालकर का निधन

मुंबई (भाषा)। मुंबई के महान स्पिनर पद्माकर शिवालकर का उम्र संबंधी समस्याओं के कारण सोमवार को यहां निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। भारत के लिए कभी नहीं खेले पाने वाले सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों में शामिल शिवालकर ने 1961-62 से 1987-88 के बीच कुल 124 प्रथम श्रेणी मैचों में हिस्सा लिया और 19.69 की औसत से 589 विकेट लिए।

बाएं हाथ के स्पिनर ने 22 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में पदार्पण किया और 48 साल की उम्र तक खेलना जारी रखा। उन्होंने भारत की प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता में 361 विकेट लिए जिसमें ग्यारह बार मैच में 10 विकेट लेना शामिल हैं। शिवालकर ने 12 लिस्ट ए मैचों 16 विकेट लिए है। उन्हें भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा 2017 में सीके नायडू 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा, 'मुंबई क्रिकेट ने आज एक सच्चे दिग्गज को खो दिया है।'

बेथ मूनी की पारी से गुजराज जायंट्स विजयी

लखनऊ (भाषा)। दिग्गज बल्लेबाज बेथ मूनी शतक पूरा करने से चूक गयी लेकिन उनकी 96 रन की नाबाद पारी से गुजरात जायंट्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) टी20 मैच में सोमवार को यहां यूपी वॉरियर्स को 81 रन से हरा दिया। पहले खेलते हुए गुजरात जायंट्स ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 186 रन का बड़ा स्कोर खड़ा

वीमेंस प्रीमियर लीग

किया। जवाब में यूपी वॉरियर्स की टीम 17.1 ओवर में 105 रन बनाकर आउट हो गयी।

मूनी ने अपनी 59 गेंद की नाबाद पारी में मैदान के चारों ओर 17 चौके जड़े। उन्हें आखिरी ओवर में शतक तक पहुंचने के लिए 10 रन की जरूरत थी लेकिन वह तीन गेंद में छह रन ही बना सकी। दयालन हेमलता (दो) के आउट होने के बाद बायें हाथ की सलामी बल्लेबाज मूनी ने हरलीन देओल (45) के साथ दूसरे विकेट के लिए 68 गेंद में 101 रन की साझेदारी कर टीम के लिए बड़े स्कोर की नींव रखी।

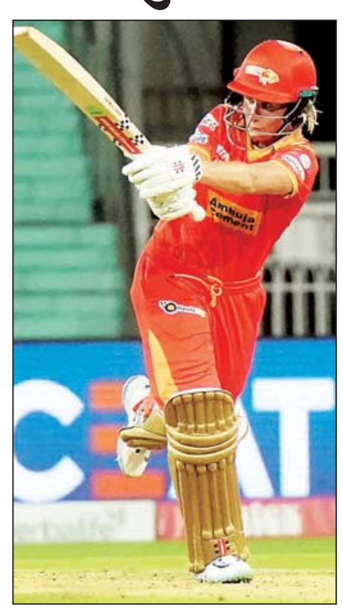

लखनऊ : अर्धशतकीय पारी के दौरान स्ट्रोक लगातीं बेथ मूनी।

वह इस दौरान शानदार लय में दिखी। उन्हें फ्लिक और ड्राइव की मदद से क्षेत्ररक्षकों के बीच से गेंद को निकाल कर स्कोरबोर्ड को तेजी से चलाये रखने में कोई परेशानी नहीं हुई। हरलीन ने 32 गेंद की पारी में छह चौके जड़े। वह मौजूदा सत्र में अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी को अर्धशतक में बदलने में नाकाम रही। सोफी एक्लेस्टन ने मेजबान यूपी वॉरियर्स के लिए यहां के इकाना स्टेडियम में सत्र के पहले मैच में 34 रन देकर दो विकेट चटाये। उन्होंने हरलीन को आउट करने के बाद खतरनाक ड्रियंड्रा डॉटिन (17) को चलता किया। गुजरात जायंट्स की कप्तान एशले गर्डनर (11) और फोबे लिचफील्ड (आठ) तेजी से रन बनाने की कोशिश में अपना विकेट जल्दी गंवा बैठी।

जवाबी पारी में यूपी वॉरियर्स के लिए चिनेली हेनरी ने सबसे ज्यादा 28 रन बनाये। ग्रेस हैरिस ने 25 रन का योगदान किया। गुजरात के लिए काशवी गौतम और तनुजा कंवर ने तीन-तीन तथा डियेंड्रा डोटिन ने दो विकेट अपने नाम किये।

अजिंक्य रहाणे केकेआर के कप्तान नियुक्त

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे 22 मार्च से शुरू हो रही इंडियन प्रीमियर लीग में गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी करेंगे। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को इसकी घोषणा की। रहाणे कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर की जगह लेंगें।

श्रेयस को इस साल आईपीएल नीलामी में पंजाब किंग्स ने अपनी टीम से जोड़ और वह उस टीम का नेतृत्व करेंगे। केकेआर का लंबे समय से प्रतिनिधित्व कर रहे वेंकटेश अय्यर को फ्रेंचाइजी ने उपकप्तान बनाया है।

रहाणे ने यहां जारी एक बयान में कहा, 'केकेआर की अगुआई करने का मौका मिलना सम्मान की बात है। यह आईपीएल की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में से एक है। मुझे लगता है कि हमारे पास एक बेहतरीन और संतुलित टीम है। मैं सभी के साथ काम करने और अपने खिताब को बचाने की चुनौती लेने के लिए उत्सुक हूं। गत चैंपियन केकेआर का आईपीएल के पहले मैच में 22 मार्च को ईडन गार्डन्स में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से मुकाबला होगा।

केकेआर ने तीन खिताबों के सम्मान में तारामंडल में तीन सितारे पंजीकृत किये

कोलकाता (भाषा)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के तीन बार के चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स ने आधिकारिक तौर पर जेमिनी (मिथुन) तारामंडल के आसपास तीन सितारों को पंजीकृत किया है जो टीम के 2012 (कोरबो), 2014 (लोरबो) और 2024 (जीतबो) में उनकी खिताबी जीत का प्रतीक है।

साफ आसमान में इन तारों को कोऑर्डिनेट्स (निर्देशांक) का उपयोग करके या क्यूआर कोड को स्कैन करके देखा जा सकता है।

केकेआर की मुख्य विपणन अधिकारी बिंदा डे ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'सितारों को उन तारीखों पर पंजीकृत किया गया है जब हमने तीनों खिताब जीते थे। इन्हें 27 मई 2012, एक जून 2014 और 26 मई 2024 को पंजीकृत किया गया है।'

उन्होंने कहा, 'तीनों सितारों को मिथुन तारामंडल के आसपास से चुना गया है, क्योंकि ये तीनों तिथियां मिथुन राशि में आती हैं। इन में से शिखर पर काबिज तीसरा सितारा हमें इस साल की हमारी सफलता को लेकर एक शानदार एहसास देता है।'

नाइट राइडर्स दुनिया भर में चार टीमों के साथ एक वैश्विक फ्रेंचाइजी है। केकेआर के लंबे समय से चले आ रहे आदर्श वाक्य कोरबो (प्ले), लोरबो (संघर्ष) और जीतबो (जीत) के नाम पर नामित तीन सितारे टीम की चैंपियनशिप-विरासत के लिए एक सम्मान की तरह है।

बिंदा ने कहा, 'केकेआर ने विरासत में बनाये रखने के लिए अपनी पहुंच को पिच से परे ब्रह्मांड में ले गया। हमारे आईपीएल खिताबों के सम्मान में मिथुन तारामंडल के चारों ओर इन तीन सितारों को पंजीकृत करके हमने अपनी तरह का पहला खगोलीय उत्सव मनाया है। 'कोरबो, लोरबो, जीतबो' अब सिर्फ हमारा आदर्श वाक्य नहीं है बल्कि यह सितारों में भी लिखा है।'

बिहार की राष्ट्रीय सीनियर महिला हॉकी में दूसरी हार

पंचकूला (भाषा)। असम ने 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के डिवीजन बी के ग्रुप ए के मैच में सोमवार को यहां ताऊ देवी लाल स्टेडियम में बिहार को 2-1 से हराया।

■ असम ने 2-1 से बिहार को हराया

■ आन्ध्र प्रदेश और पुडुचेरी विजयी

पहले क्वार्टर में कड़ी टक्कर के बाद असम की कप्तान मुनमुनी दास (29वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम का खाता खोला। खुशबू प्रजापति (59वें मिनट) भी सेट पीस को गोल में बदलकर टीम की बढत दोगुनी कर दी। बिहार के लिए 60वें मिनट में नुसरत खातून ने सांत्वना गोल किया। बिहार की यह प्रतियोगिता में लगातार दूसरी हार है। इससे पहले उत्तराखंड ने बिहार को 3-0 से हराया। बिहार अब अपना अंतिम मैच तेलंगाना से होगा।

आंध्र प्रदेश ने डिवीजन सी के मैच में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ 4-2 से जीत दर्ज की। इस मैच में आंध्र के लिए रेवती थलारी (3वें, 17वें), हरथी लोमाडा (36वें) और मदुगुला भवानी (45वें) ने गोल किये जबकि रजनी (10वां) और अंजू कुमारी (57वां) ने जम्मू कश्मीर के लिए दागे। इसी डिवीजन के पूल बी मैच में पुडुचेरी ने अरुणाचल पर 6-1 से शानदार जीत दर्ज की।

भारत के इनियान ने कान ओपन शतरंज प्रतियोगिता जीती

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय ग्रैंडमास्टर पा इनियान ने हमवतन वी प्रनेश को नौवें और आखिरी दौर में हराकर फ्रांस में चल रहा कान इंटरनेशनल ओपन जीत लिया। इनियान ने 7.5 अंक हासिल किये जबकि दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय मास्टर आराध्य गर्ग दूसरे स्थान पर रहे। मौजूदा विश्व जूनियर चैम्पियन कजाखस्तान के काजिबेक नोदेरबेक के भी सात अंक थे जिन्हें टाइब्रेक के बाद तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।

इनियान ने टूर्नामेंट में छह मुकाबले जीते और तीन ड्रॉ खेले। इस जीत से उन्हें 12 रेटिंग अंक मिले और अब वह 2600 ईएलओ अंक के करीब पहुंच गए हैं। उनके 2579 ईएलओ अंक हैं। टूर्नामेंट में 25 देशों के 147 खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें छह ग्रैंडमास्टर और 21 अंतरराष्ट्रीय मास्टर शामिल थे।

प्राग मास्टर्स : प्रज्ञानानंदा ने अरविंद से ड्रॉ खेला

प्राग (भाषा)। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने भारत के अरविंद चिदंबरम के साथ प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के पांचवें दौर में ड्रॉ खेला और इन दोनों के पास अब पूरे एक अंक की बढ़त हो गई है। अरविंद और प्रज्ञानानंदा के 3.5 अंक हैं।

विश्व कप क्वालीफायर में अर्जेंटीना की कमान लियोनेस मेसी के हाथ में

ब्यूनस आयर्स (एपी)। अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने उरूग्वे और ब्राजील के खिलाफ दक्षिण अमेरिका विश्व कप फुटबॉल क्वालीफाइंग मैचों के लिसे लियोनेल मेसी की अगुआई में 33 खिलाड़ियों की प्रारंभिक टीम चुनी है।

टीम में अंडर 21 स्ट्राइकर क्लाउडियो इचेवेरी को भी शामिल किया गया है जो हाल ही में मैनचेस्टर सिटी से जुड़े हैं। इनके अलवा निकोलस पाज, बेंजामिन डोमिनगेज और सैंटियागो कास्ट्रो भी टीम में हैं जो 21 वर्ष से कम उम्र के हैं।

अर्जेंटीना 12 मैचों में 25 अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि उरूग्वे के 20 अंक हैं। पहला मैच मोंटेवीडियो में 21 मार्च को खेला जायेगा। इसके चार दिन बाद विश्व कप विजेता अर्जेंटीना टीम ब्यूनस आयर्स में ब्राजील से खेलेगी।

दिल्ली में 11 से होगा विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री का आयोजन

नई दिल्ली (भाषा)। भारत की मेजबानी में 11 से 13 मार्च तक आयोजित होने वाली पहली विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में 20 से अधिक देशों के पैरा एथलीट भाग लेगें।

दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में तीन दिनों तक चलने वाले आयोजन के 90 स्पर्धाओं में जर्मनी, जापान, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, ब्राजील, रूस, कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान जैसे देशों के खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। इस आयोजन में एशियाई पैरालंपिक समिति (एपीसी) के अध्यक्ष माजिद रशीद और एशियाई पैरालंपिक समिति के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तारेक सूई शामिल होंगे।

भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने कहा, 'भारत में ग्रां प्री की मेजबानी करना पैरा-खेलों के प्रति हमारे देश के समर्पण का प्रमाण है। यह आयोजन सिर्फ प्रतिस्पर्धा के बारे में नहीं है। यह देश में भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए एक मिसाल कायम करने के बारे में है।'

डीडीए एकादश ने जीता खिताब

नई दिल्ली (वार्ता)। डीडीए एकादश ने सोमवार को फाइनल मुकाबले में एमसीडी एकादश को हराकर 10वीं यमुना ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में डीडीए ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी एमसीडी को डीडीए के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 19.5 ओवर में 115 रन के स्कोर पर समेट दिया। इसके बाद डीडीए ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 12.3 ओवर में 116 रन बनाकर आठ विकेट से मुकाबला जीत लिया। डीडीए की ओर से रविंद्र मीणा ने मदद से 63 रन बनाये।

बढ़ते स्वास्थ्य खर्च के बीच भारत दुनिया में वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा का गुमनाम नायक है
किरण मजूमदार शॉ@kiranshaw

बैंकिंग के बारे में संक्षेप में एलन मस्क की राय :- पैसा एक डेटाबेस है जो दुनिया में सभी वस्तुओं और सेवाओं के उपविभाजन को परिभाषित करता है। यदि आप 10 सेब या एक अरब डालर के साथ एक रेगिस्तानी द्वीप पर होंगे तो आप हमेशा सेब ही चुनेंगे
जय कोटक@jay_kotakone

संक्षिप्त खबरें

भूटानी इंफ्रा का प्रोजेक्ट शुरू

नई दिल्ली। भूटानी इंफ्रा ने 1510 करोड़ रुपये की नोएडा फिल्म सिटी परियोजना शुरू कर दी है। जिसमें वर्चुअल स्टूडियो, अंडरवाटर फिल्मिंग और अंतरिक्ष से दिखाई देने वाला 250 एकड़ का ऊँ (ओम) शामिल है। यह भारत के सिनेमाई और रियल एस्टेट परिदृश्य में एक ऐतिहासिक कदम है। यह फिल्म सिटी 50,000 से अधिक लोगो को रोजगार देगी। भूटानी इंफ्रा के सीईओ आशीष भूटानी ने कहा, भूटानी बेव्यू इंटरनेशनल फिल्म सिटी भारतीय फिल्म उद्योग के लिए एक नए युग की शुरुआत करेगी।

हायर के नए एयर कंडीशनर

नई दिल्ली। हायर अप्लायंसेज इंडिया ने भारत में अपने नए किनोची एयर कंडीशनर की कलरफुल रेंज लांच की है। यह एसी सिर्फ ठंडक ही नहीं देता, बल्कि माडर्न घरों की खूबसूरती को भी बढ़ाता है। किनोची लिमिटेड एडिशन एसी कटिंग-एज टेक्नोलॉजी और प्रीमियम कलरफुल फिनिश के साथ आते हैं। किनोची सीरीज तीन शानदार कलर्स ब्लैक, मॉर्निंग मिस्ट और मूनस्टोन ग्रे में उपलब्ध है। कंपनी के प्रेसिडेंट एन. एस. सतीश ने कहा, हम हमेशा ग्राहकों को प्राथमिकता देते हैं।

ICICI प्रू का नया प्लान

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने 'आईसीआईसीआई प्रू गिफ्ट सिलेक्ट' प्लान पेश किया है। यह प्रोडक्ट ग्राहकों को लंबी अवधि की बचत प्रदान करने के साथ ही तुरंत आय की गारंटी भी देता है, जिससे उन्हें आर्थिक लिक्विडिटी मिलती है। ICICI प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ प्रोडक्ट एंड डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर अमित पालटा ने कहा हम अपने ग्राहकों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नवाचार की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

सेंसेक्स 112 अंक टूटा

मुंबई। सोमवार को शेयर बाजार में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 112 अंक के नुकसान में रहा। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और यह 112.16 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,085.94 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह ऊंचे में 73,649.72 अंक तक गया और नीचे में 72,784.54 अंक तक आया। निफ्टी में लगातार नौवें कारोबारी सत्र में गिरावट रही और यह 5.40 अंक के मामूली नुकसान के साथ 22,119.30 पर बंद हुआ।

रुपया तीन पैसे मजबूत

मुंबई। विदेशों में डॉलर के कमजोर होने तथा कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया तीन पैसे मजबूत होकर 87.34 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। रुपया 87.36 पर खुला और कारोबार के दौरान 87.25 प्रति डॉलर के दिन के उच्चतम स्तर और 87.41 प्रति डॉलर के निचले स्तर को छूने के बाद कारोबार के अंत में रुपया तीन पैसे ऊपर 87.34 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ।

बिजली खपत बढ़ी

नई दिल्ली। भारत की बिजली खपत फरवरी में मामूली रूप से बढकर 131.54 अरब यूनिट (बीयू) हो गई। सरकारी आंकड़ों के अनुसार एक साल पहले इसी अवधि में खपत 127.34 अरब यूनिट थी। दोनों आंकड़ों की हालांकि तुलना नहीं हो सकती, क्योंकि फरवरी, 2024 में 29 दिन थे। पिछले महीने किसी एक दिन में सबसे अधिक बिजली आपूर्ति (चरम मांग) 238.14 गीगावाट थी, जो फरवरी, 2025 में 222 गीगावाट थी।(एजेंसियां)

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 14 माह के निम्न स्तर पर

■ उत्पाद घटने और नए ठेकों में कमी आने से घटी है वृद्धि दर

नई दिल्ली (भाषा)।

नये ठेके घटने और उत्पादन में कम वृद्धि के बीच फरवरी में भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 14 महीने के निचले स्तर पर आ गई। एक मासिक सर्वेक्षण में सोमवार को यह जानकारी दी गई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी भारत विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) फरवरी में 56.3 अंक पर रहा, जो जनवरी के 57.7 अंक से कम है। हालांकि, विनिर्माण पीएमआई 'विस्तारकारी' क्षेत्र में बना हुआ है। पीएमआई की भाषा में 50 से ऊपर अंक विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का अंक गतिविधियों में संकुचन का संकेत है।

■ विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक फरवरी में 56.3 पर रहा
■ जनवरी में यह सूचकांक 57.7 अंक पर रहा था
■ हालांकि इस दौरान नौकरियों में हुआ इजाफा
■ निर्यात मांग में भी बनी रही अच्छी तेजी

एचएसबीसी के भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, 'हालांकि, दिसंबर 2023 के बाद से उत्पादन वृद्धि सबसे कमजोर स्तर पर आ गई है, लेकिन भारत के विनिर्माण क्षेत्र में कुल मिलाकर गति फरवरी में व्यापक रूप से सकारात्मक रही।'

सर्वेक्षण में कहा गया कि जनवरी के 14 साल के उच्चतम स्तर से कम होने के बावजूद विस्तार की गति तेज थी। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया कि फरवरी में नए निर्यात आर्डर में जोरदार वृद्धि हुई, क्योंकि निर्माताओं ने अपने माल की मजबूत वैश्विक मांग का लाभ उठाना जारी रखा।

नौकरी के मोर्चे पर, विनिर्माताओं ने फरवरी में अपने कर्मचारियों की संख्या में विस्तार करना जारी रखा।

वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति के बावजूद इस्पात की मांग बढ़ेगी

जमशेदपुर (भाषा)।

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने सोमवार को कहा कि मौजूदा वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति के बावजूद इस्पात की मांग बढ़ेगी। चंद्रशेखरन ने टाटा स्टील के संस्थापक जेएन टाटा की 186वीं जयंती पर आयोजित समारोह में कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस्पात की मांग बढ़ती रहेगी और ऐसी स्थिति का सामना करने का सबसे अच्छा तरीका दक्षता और लागत प्रबंधन के साथ तैयार रहना और उत्पादकता बढ़ाना है।'

उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी को प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए सरकार, उसकी नीतियों, कर्मचारियों और श्रमिक संघों की मदद की जरूरत होगी। चंद्रशेखरन ने कहा, 'प्रबंधन को विस्तार करने, दक्षता बनाए रखने, लागत प्रबंधन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए साहसी होना होगा। साथ ही जमशेदपुर सहित निवेश जारी रखने का भरोसा देना होगा।'

शुल्क वृद्धि पर जारी बहस के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि ''कीमत/ शुल्क क्या होगा, इस बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है। हमें अपनी उत्पादकता पर ध्यान केंद्रित करना होगा।'

भारतीय स्टार्टअप्स ने फरवरी में जुटाए 1.65 अरब डालर

■ अप्रैल-24 से फरवरी-25 में जुटाए 25.4 अरब डालर

नई दिल्ली (भाषा)।

घरेलू स्टार्टअप कंपनियों ने फरवरी, 2025 में कुल 1.65 अरब डालर (लगभग 14,418 करोड़ रुपये) का वित्तपोषण जुटाया है। यह वित्तपोषण 8.32 करोड़ डालर के औसत मूल्यांकन पर हुआ है। ट्रैक्सन के आंकड़ों के मुताबिक, इससे वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल-फरवरी) में 2,200 दौर में कुल वित्तपोषण 25.4 अरब डालर पर पहुंच गया है।

फरवरी का आंकड़ा जनवरी, 2025 के कुल 1.38 अरब डालर के वित्तपोषण से 19.5 प्रतिशत अधिक है। सालाना आधार पर, वित्तपोषण की कुल राशि फरवरी, 2024 में जुटाए गए 2.06 अरब डालर के आंकड़े से कम है। देश की स्टार्टअप राजधानी बेंगलुरु में उद्यमियों ने 35.3 करोड़ डॉलर का वित्तपोषण हासिल किया। औसतन एक दौर में 20 लाख डालर जुटाये गये।

मुंबई के स्टार्टअप ने कुल 10.2 करोड़ डालर वित्तपोषण हासिल किया। वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनी ऑक्सीजो परंपरागत कर्ज मद में एक अरब डॉलर का वित्तपोषण जुटाकर इस मामले में अगुवा रही। उसके बाद ऑनलाइन बी2बी (कंपनियों के बीच) 'उड़ान' का स्थान रहा, जिसने एम एंड जी पीएलसी के नेतृत्व में श्रृंखला जी इक्विटी वित्तपोषण दौर में 7.5 करोड़ डॉलर का वित्तपोषण जुटाया।

पूंजी जुटाने वाली अन्य कंपनियों में स्पॉटड्राफ्ट, कैशफ्री पेमेंट्स, जेटा और जेनीमोड शामिल हैं।

छह माह में निजी निवेश पटरी पर आने की उम्मीद

नई दिल्ली (भाषा)।

विनिर्माण क्षेत्र में चीन के बढ़ते दबदबे से दुनियाभर के निवेशकों में पैदा हुई अनिश्चितता की स्थिति ओर ध्यान दिलाते हुए नीति आयोग के सदस्य डा. अरविंद विरमानी ने अगले छह महीने में निजी निवेश के पटरी पर आने की उम्मीद जताई है।

विरमानी ने यह भी कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। नीति आयोग के सदस्य ने विशेष बातचीत में कहा, 'दुनिया में अनिश्चितता बढ़ गई है। अमेरिका में शुल्क दरों की घोषणा के साथ चीन के कदम से भी अनिश्चितता बढ़ रही है। चीन सोच-विचार कर विनिर्माण क्षेत्र में एकाधिकार बढ़ा रहा है, जिसपर हमारा ध्यान नहीं जाता।'

निजी निवेश से जुड़े एक सवाल के जवाब में विरमानी ने कहा, 'निजी निवेश वैश्विक स्तर पर जारी उथल-पुथल से भी जुड़ा है। लोग यह भूल गये हैं कि चीन में क्षमता बढ़ती जा रही है। बाजार अर्थव्यवस्था में जब क्षमता उपयोग कम होता है तो निवेश घटता है। यह फ्रांस और ब्रिटेन में देखा जा सकता है। लेकिन चीन में निवेश जारी है। इसका क्या मतलब है? वहां मांग उतनी ही है लेकिन निवेश बढ रहा है और क्षमता भी बढ़ रही है।' भारतीय स्टेट बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार सकल पूंजी निर्माण यानी कुल निवेश वित्त वर्ष 2023-24 में घटकर 31.4 प्रतिशत रहा जो वित्त वर्ष 2022-23 में 32.6 प्रतिशत था। इसका प्रमुख कारण निजी क्षेत्र के निवेश में कमी है। यह वित्त वर्ष 2023-24 में घटकर जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के 24 प्रतिशत पर आ गया, जो 2022-23 में 10 साल के उच्चतम स्तर यानी जीडीपी का 25.8 प्रतिशत था।

विरमानी के अनुसार, चीन सोच-विचार कर यह कर रहा है। इसीलिए हम प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को आकर्षित करने समेत मुक्त व्यापार समझौते कर रहे हैं। यूरोप के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत जारी है और अमेरिका के साथ भी इस पर काम करने पर सहमति बनी है।' विरमानी के अनुसार, 'वास्तव में एक नई समस्या खड़ी हो गयी है। लेकिन मेरा ख्याल है कि अगले छह महीने में अनिशतता कम हो जाएगी और निजी निवेश पटरी पर आने की उम्मीद है।'

आर्थिक वृद्धि के बारे में पूछे जाने पर विरमानी ने कहा, 'एक तिमाही (चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही) में नरमी आई थी। कई कारण हो सकते हैं। एक कारण दुनिया में अनिश्चितता का बढ़ना है।' नीति आयोग के सदस्य ने कहा, 'यह हो सकता है कि तीन से छह महीने में वैश्विक आर्थिक गतिविधियों को लेकर जो अनिश्चितता कुछ कम हो तो इसका सकारात्मक अप्रत्यक्ष असर हो सकता है।

आटा मिलों की गेहूं बोर्ड के गठन की मांग

गोवा (भाषा)।

आटा मिल संगठन आरएफएमएफआई ने सोमवार को सरकार से शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने के अलावा नीति मार्गदर्शन और बाजार विस्तार के अवसर प्रदान करने के लिए गेहूं बोर्ड स्थापित करने की मांग की।

यहां एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए रोलर्स फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (आरएफएमएफआई) के अध्यक्ष नवनीत चितलांगिया ने कहा, 'हमारा उद्योग महज एक आर्थिक क्षेत्र नहीं है, यह खाद्य आपूर्ति श्रृंखला की रीढ़ है, रोजगार में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता है और देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में एक आवश्यक शक्ति है।'

उन्होंने कहा कि इस उद्योग की क्षमता को खोलने और बाजार में अस्थिरता को रोकने के लिए एक स्थिर और अनुमानित गेहूं नीति होनी चाहिए।

1000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी ओला

नई दिल्ली (भाषा)। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी अपने घाटे को कम करने के लिए कारोबार पुनर्गठन की प्रक्रिया के तहत लगभग 1,000 कर्मचारियों की छंटनी करने की तैयारी कर रही है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। हालांकि, कंपनी ने छंटनी के शिकार होने वाले कर्मचारियों की संख्या को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की लेकिन यह संकेत जरूर दिया कि ऐसा परिचालन गतिविधियों के पुनर्गठन और स्वचालन के कारण हो रहा है। ओला इलेक्ट्रिक ने पिछले साल भी करीब 500 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया था।

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के एक प्रवक्ता ने कहा, 'हमने अपने फ्रंट-एंड परिचालन को पुनर्गठित और स्वचालित किया है, जिससे बेहतर मार्जिन, कम लागत और बेहतर ग्राहक अनुभव प्राप्त हुआ है। इसी के साथ बेहतर उत्पादकता के लिए गैर-जरूरी रोजगार भूमिकाओं को खत्म किया गया है।' यह कंपनी में पांच महीने के भीतर कर्मचारियों की छंटनी का दूसरा दौर है। यह छंटनी उस समय हो रही है जब कंपनी अपने स्टॉक प्रबंधन में सुधार और ग्राहकों को तेजी से आपूर्ति करने के अलावा एबिटा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास से पूर्व की आय) मार्जिन को लगभग 10 प्रतिशत अंक तक बढ़ाने के लिए रणनीतिक कदम उठा रही है। ओला इलेक्ट्रिक ने देशभर में अपने क्षेत्रीय गोदामों को खत्म कर दिया है और वाहनों का स्टॉक, कलपुर्जे और आपूर्ति को बनाए रखने के लिए देशभर में अपने 4,000 खुदरा स्टोरों का इस्तेमाल करने का फैसला किया है।

इसने प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने और लागत को कम करने के लिए वाहन पंजीकरण एजेंसी भागीदारों के साथ अनुबंधों पर फिर से बातचीत की है। रिपोर्टों के मुताबिक, नौकरियों में कटौती के नवीनतम दौर से खरीद, पूर्ति, ग्राहक संबंध और चार्जिंग ढांचा जैसे कार्यों पर असर पड़ सकता है। ओला इलेक्ट्रिक को पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 376 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था।

देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह 5.6% घटा

नई दिल्ली (भाषा)।

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) सालाना आधार पर 5.6 प्रतिशत घटकर 10.9 अरब डॉलर रह गया। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

अक्टूबर-दिसंबर, 2023-24 की अवधि में देश में 11.55 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया था। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही में एफडीआई आवक सालाना आधार पर लगभग 43 प्रतिशत बढ़कर 13.6 अरब डॉलर रही थी।

वहीं चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में एफडीआई का सालाना प्रवाह 47.8 प्रतिशत बढ़कर 16.17 अरब डॉलर हो गया था।

इस तरह चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर, 2024) के दौरान देश में कुल एफडीआई प्रवाह 27 प्रतिशत बढ़कर 40.67 अरब डॉलर हो गया जबकि 2023-24 की समान अवधि में यह 32 अरब डॉलर था।

कुल एफडीआई प्रवाह में शेयर बाजार में निवेश, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी शामिल है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में कुल एफडीआई प्रवाह 21.3 प्रतिशत बढ़कर 62.48 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 51.5 अरब डॉलर था।

अप्रैल-दिसंबर, 2024 की अवधि में भारत में एफडीआई निवेश के प्रमुख स्रोतों में सिंगापुर (12 अरब डॉलर), अमेरिका (3.73 अरब डॉलर), नीदरलैंड (चार अरब डॉलर), संयुक्त अरब अमीरात-यूएई (4.14 अरब डॉलर), साइप्रस (1.18 अरब डॉलर) और केमैन आइलैंड (29.6 करोड़ डॉलर) रहे।

परिसंपत्ति के रूप में बढ़ेगी सोने की प्रासंगिकता

नई दिल्ली (भाषा)।

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने सोमवार को कहा कि आने वाले वर्षों में परिसंपत्ति वर्ग के रूप में सोने की प्रासंगिकता बढ़ेगी।

उन्होंने आईजीपीसी - आईआईएमए वार्षिक स्वर्ण और स्वर्ण बाजार सम्मेलन 2025 में कहा कि सोना न केवल मूल्य के रूप में, सांस्कृतिक और धार्मिक उद्देश्यों के रूप में, बल्कि एक महत्वपूर्ण पोर्टफोलियो विविधीकरण तंत्र के रूप में भी प्रासंगिक बना रहेगा।

उन्होंने कहा कि जब तक कि दुनिया मौजूदा अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक गैर-प्रणाली से अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली तक पहुंचने में सक्षम नहीं हो जाती, तब तक परिसंपत्ति वर्ग के रूप में सोने का महत्व बना रहेगा।

पिछले तीन महीनों में सोने का मूल्य 200 डॉलर प्रति औंस या आठ प्रतिशत से अधिक बढ़कर 2,860 डॉलर प्रति औंस हो गया है।

नागेश्वरन ने यह भी उम्मीद जताई कि भारत अपने पास मौजूद सोने की परिसंपत्तियों को उत्पादक रूप से उपयोग करने के तरीके खोजेगा।

सीमेंट की सालाना मांग 64 करोड़ टन को पार कर जाएगी

नई दिल्ली (भाषा)।

वित्त वर्ष 2029-30 तक सीमेंट की सालाना मांग 64 करोड़ टन को पार कर जाने की उम्मीद है। आदित्य बिड़ला समूह की प्रमुख कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट ने एक निवेशक प्रस्तुति में यह अनुमान लगाया है।

उद्योग के अनुमानों और शोध रिपोर्ट का हवाला देते हुए कंपनी ने उम्मीद जताई कि वित्त वर्ष 2023-24 और वित्त वर्ष 2029-30 के बीच सीमेंट की मांग में सालाना सात से आठ प्रतिशत की वृद्धि होगी। निवेशक प्रस्तुति के अनुसार, 31 मार्च, 2024 को समाप्त हुए वित्त वर्ष में सीमेंट की सालाना मांग 42 करोड़ टन थी।

IRCTC, और IRFC को नवरत्न का दर्जा

नई दिल्ली (भाषा)। सरकार ने सोमवार को आईआरसीटीसी और आईआरएफसी को नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) का दर्जा देने को मंजूरी दी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) रेल मंत्रालय का एक उपक्रम है। वित्त वर्ष 2023-24 में इसका वार्षिक कारोबार 4,270.18 करोड़ रुपये और कर पश्चात लाभ 1,111.26 करोड़ रुपये था।

बयान में कहा गया कि आईआरएफसी (भारतीय रेलवे वित्त निगम) रेल मंत्रालय का एक उपक्रम है। वित्त वर्ष 2023-24 में इसका वार्षिक कारोबार 26,644 करोड़ रुपये और कर पश्चात लाभ 6,412 करोड़ रुपये था। दोनों सीपीएसई को बधाई देते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट किया, 'नवरत्न का दर्जा मिलने पर आईआरसीटीसी और आईआरएफसी को बधाई।'

सिटी यूनियन बैंक और सीएसके लाएंगे को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड

नई दिल्ली (वि.)। निजी क्षेत्र के अग्रणी बैंक सिटी यूनियन बैंक (सीयूबी) ने एक नया सह-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड पेश करने के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। यह सहयोग फ्रैंचाइज़ी के प्रशंसकों को क्रिकेट के प्रति उनके प्यार से संबंधित विशेष लाभों का आनंद लेते हुए अपनी वित्तीय यात्रा को बढ़ाने का मौका प्रदान करता है। इस कार्ड की थीम बेहद आकर्षक है। सीएसके के पीले रंग की तरह इस कार्ड का रंग भी पीला और इसपर शेर का लोगो बना है। इस कार्ड के धारक को हर शापिंग पर आकर्षक पुरस्कार भी दिये जाएंगे। जिसमें सीएसके से संबंधित माल, मैच टिकट और अनुभवों के लिए बोनस अंक होंगे। कार्यक्रम में आयोजनों तक विशेष पहुंच, प्रशंसक मुलाकातें और बहुत कुछ शामिल है।

वेडिंग प्लानर्स के प्रति बढ़ी शादी की तैयारी कर रहे लोगों की रुचि

■ बीते साल के शादी-ब्याह सीजन के मुकाबले दर्ज हुई है 70 फीसद की वृद्धि

■ हास्पिटैलिटी एवं ट्रैवल के क्षेत्र में काम करने के इच्छुक लोगों की संख्या भी बढ़ी

■ इनडीड की एक रिपोर्ट में कहा गया वेडिंग इंडस्ट्री के प्रति बढ़ रही लोगों की रुचि

नई दिल्ली (एजेंसियां)।

ट्रैवल एवं हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र में रिक्त पदों के लिए नौकरी के इच्छुक लोगों की रुचि में पिछले शादी-ब्याह के मौसम (नवंबर 2024-जनवरी 2025) के मुकाबले 37 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

इस वृद्धि में शादियों की अहम भूमिका रही, जिससे रिज़ॉर्ट मैनेजर्स, होटल स्टाफ, ट्रैवल एजेंट्स, बैंक्वेट को-ऑर्डिनेटर्स, और डेकोरेटर्स की मांग को बल मिला। वेडिंग प्लानर्स की मांग सबसे ज्यादा बढ़ी, जिसके लिए क्लिक्स में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसका कारण अपने जीवन के इस महत्वपूर्ण दिन का जश्न भव्यता के साथ मनाने की युगलों की बढ़ती इच्छा है।

इनडीड इंडिया के हेड ऑफ सेल्स, शशि कुमार ने कहा, 'वेडिंग उद्योग में नौकरियों के नए अवसरों का निर्माण हो रहा है। दंपत्तियों के विवाह-बंधन में बंधने के साथ उद्योग में नियुक्तियाँ बढ़ रही है। वेडिंग उद्योग बहुत तेजी से बढ़ रहा है, इसलिए इस उद्योग में कुशल प्रोफेशनल्स की मांग भी मजबूत बनी हुई है।

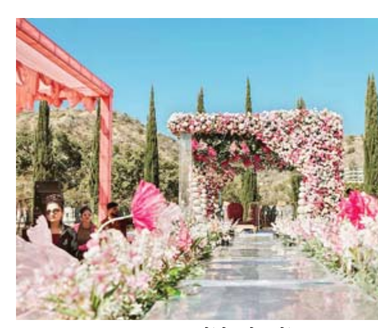

ट्रैवल और हॉस्पिटैलिटी, खासकर शादियों के क्षेत्र में प्रोफेशनल्स की रुचि में तेजी आई है क्योंकि दंपत्ति अपने इस महत्वपूर्ण दिन को यादगार बनाने के लिए प्रोफेशनल्स की मदद चाहते है। इसलिए इस सेक्टर में करियर के आकर्षक अवसर मिल रहे है।' ट्रैवल और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुकों के लिए वेडिंग उद्योग एक तेजी से विकसित होता हुआ डोमेन है। जश्नों का बढ़ता प्रचलन, सस्टेनेबल से लेकर व्यक्तिगत और बुटीक अनुभवों से विकसित होते हुए पदों के साथ नौकरी के एक गतिशील बाजार का निर्माण किया है। यह सेक्टर अनुभवी प्रोफेशनल्स से लेकर नए ग्रेजुएट्स तक, सभी को सफल करियर बनाने के अनेक अवसर पेश कर रहा है।

'युग और कालखंड कोई भी हो जीत सदैव अच्छाई और सच्चाई की होती है!'
अरुण गोविल @arungovil12

'इस वर्ष महाकुंभ में भाग लेकर एहसास हुआ कि माँ गंगा में स्नान आत्मा के शुद्धीकरण के लिए होता है, स्वयं से स्वयं की पहचान कराने के लिए होता है,अपने अंदर की ताक़त को महसूस करने के लिए होता है और सबसे अधिक विश्व को सनातन से क्या मिल सकता है, उसके लिए होता है!'
अनुपम खेर @AnupamPKher

ऑस्कर 2025

'अनोरा' को मिला सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार

■ लॉस एंजेल्स (एपी)।

सीन बेकर के निर्देशन में बनी और एक यौन कर्मी के जीवन पर आधारित 'रोमांटिक कॉमेडी' फिल्म 'अनोरा' को रविवार को आयोजित 97वें अकादमी पुरस्कार समारोह में सर्वश्रेष्ठ फिल्म चुना गया। कान फिल्मोत्सव में भी पाल्म डी'ओर पुरस्कार जीत चुकी 'अनोरा' ऐसी यौन कर्मी की कहानी को बयान करती है जिसका विवाह एक रूसी कुलीन वर्ग के युवक के साथ होता है। इस फिल्म को मात्र 60 लाख अमेरिकी डॉलर की लागत से बनाया गया है। 'अनोरा' ने 'विकेड', 'ड्यूनः पार्ट टू', 'द ब्रूटलिस्ट', 'ए कम्प्लीट अननोन', कॉन्क्लेव, 'एमिलिया पेरेज', 'आई एम स्टिल हियर', 'निकेल बॉयज़' और 'द सब्सटेंस' को हराकर पुरस्कार जीता। रविवार को व्यक्तिगत रूप से चार ऑस्कर जीतकर बेकर ने वॉल्ट डिज्नी के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली, जिन्होंने 1954 में चार अलग-अलग फिल्मों के लिए ऑस्कर जीता था। बेकर ने डॉल्बी थिएटर के मंच से चिल्लाकर कहा, 'स्वतंत्र फिल्में अमर रहें!' 'द पियानिस्ट' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीतने के 22 साल बाद एड्रियन ब्रॉडी ने इस बार 'द ब्रूटलिस्ट' में दमदार भूमिका निभाकर एक बार फिर यह पुरस्कार अपने नाम किया। मिकी मैडिसन ने 'अनोरा' में अपने शानदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता।

■ दिल्ली में बनी लघु फिल्म 'अनुजा' ऑस्कर 2025 में सर्वश्रेष्ठ 'लाइव एक्शन शॉर्ट' फिल्म श्रेणी में पुरस्कार हासिल नहीं कर पाई

सीन बेकर ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ मूल पटकथा और सर्वश्रेष्ठ संपादन की श्रेणी में भी पुरस्कार जीते। बेकर ने कहा, 'हमें फिल्मों से प्यार कहां से हुआ? सिनेमाघर से...। फिल्म निर्माता, बड़े पर्दे के लिए फिल्में बनाते रहें।' उन्होंने कहा, 'मैं यौन कर्मी समुदाय को धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने अपनी कहानियां साझा कीं।...' अभिनेत्री जो सलदाना ने 97वें अकादमी पुरस्कार समारोह में 'एमिलिया पेरेज' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री और किरेन कल्किन ने 'द रियल पेन' में दमदार भूमिका निभाकर सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का ऑस्कर जीता। सर्वश्रेष्ठ एनिमेशन श्रेणी में 'फ्लो' ने पुरस्कार जीता। 'विकेड' ने सर्वश्रेष्ठ 'कॉस्ट्यूम डिजाइन' और सर्वश्रेष्ठ 'प्रोडक्शन डिजाइन' के पुरस्कार अपने नाम किए। सर्वश्रेष्ठ मेकअप और हेयरस्टाइल का पुरस्कार 'द सब्सटेंस' को मिला। 'ड्यूनः पार्ट टू' को 'विजुअल इफेक्टर और 'साउंड' दोनों के लिए पुरस्कार मिला। 'विस्टाविजन' में फिल्माई गई 'द ब्रूटलिस्ट' को उसकी 'सिनेमैटोग्राफी' के लिए पुरस्कार मिला। दिल्ली में बनी लघु फिल्म 'अनुजा' ऑस्कर 2025 में सर्वश्रेष्ठ 'लाइव एक्शन शॉर्ट' फिल्म श्रेणी में पुरस्कार हासिल नहीं कर पाई। इस श्रेणी में डच भाषा की 'आई एम नॉट ए रोबोट' को पुरस्कृत किया गया है। विक्टोरिया वार्मरडैम ने 'आई एम नॉट ए रोबोट' की पटकथा लिखी है और इसका निर्देशन भी किया है।

किसको क्या मिला

- ■ सर्वश्रेष्ठ फिल्म- अनोरा (सीन बेकर)
- ■ सर्वश्रेष्ठ अभिनेता-एड्रियन ब्रॉडी (द ब्रूटलिस्ट)
- ■ सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री-मिकी मैडिसन (अनोरा)
- ■ सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ मूल पटकथा और सर्वश्रेष्ठ संपादन- सीन बेकर(अनोरा)
- ■ सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री-जो सलदाना (एमिलिया पेरेज)
- ■ सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता -किरेन कल्किन(द रियल पेन)
- ■ सर्वश्रेष्ठ एनिमेशन- फ्लो
- ■ सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिजाइन और सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिजाइन- विकेड
- ■ सर्वश्रेष्ठ मेकअप और हेयरस्टाइल- द सब्सटेंस
- ■ विजुअल इफेक्ट और साउंड-ड्यूनः पार्ट टू
- ■ सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्राफी- द ब्रूटलिस्ट
- ■ सर्वश्रेष्ठ 'लाइव एक्शन शॉर्ट फिल्म-आइ एम नॉट ए रोबोट

कॉनन ओ' ब्रायन ने भारतीय दर्शकों का हिंदी में अभिवादन किया

नयी दिल्ली (भाषा)। ऑस्कर 2025 पुरस्कार समारोह के भारतीय दर्शक उस समय आश्चर्यचकित रह गए जब मेजबान कॉनन ओ ब्रायन ने अमेरिका में लॉस एंजेल्स के 'डॉल्बी थिएटर' से हिंदी में उनका अभिवादन किया। इस बार 97वें अकादमी पुरस्कार का भारत में 'जियोहॉटस्टार' और टीवी चैनल 'स्टार प्लस' पर सीधा प्रसारण हुआ। ऑस्कर की पहली बार मेजबानी कर रहे ओ'ब्रायन ने कार्यक्रम की शुरुआत में भारतीय दर्शकों को संबोधित करते हुए हिंदी में कहा, 'आप में से जो लोग भारत से देख रहे है, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि भारत के लोगों को नमस्कार। वहां सुबह हो चुकी है तो मुझे उम्मीद है कि नाश्ते के साथ वे ऑस्कर समारोह देख रहे है।' सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कई लोगों ने हिंदी बोलने की कोशिश करने पर ओ'ब्रायन की प्रशंसा की। एक 'यूजर' ने कहा, ''कॉनन ओ'ब्रायन विदेशी भाषा में बोलने के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के लिए ऑस्कर के हकदार है!

बच्चों की मौजूदगी ब्रेनएजिंग की रफ्तार पर लगाती है लगाम

नई दिल्ली (आईएएनएस)। बच्चे भगवान का वरदान होते हैं। भले शैतान हों लेकिन कई मुश्किलों का हल इनकी बदमाशी में ही छिपा होता है। हाल ही में छपी एक स्टडी दावा करती है कि जिन लोगों के बच्चे ज्यादा होते हैं, वो शारीरिक और मानसिक तौर पर ज्यादा फुर्तीले होते हैं और उनकी ब्रेन एजिंग की रफ्तार कम हो जाती है। इस नए अध्ययन से पता चलता है कि बच्चों की वजह से रातों की नींद हराम करना और सुबह तनावग्रस्त रहना वास्तव में आपके लिए नेमत से कम नहीं है। शोधकर्ताओं ने यूके की 19,964 महिलाओं और 17,607 पुरुषों के ब्रेन स्कैन का विश्लेषण किया। पाया कि जिन लोगों के बच्चे थे, उनकी उम्र बढ़ने के साथ फंक्शनल कनेक्टिविटी का हाल अच्छा था, जबकि जिन लोगों के कम या कोई बच्चे नहीं थे, उनकी स्थिति अलग थी। यानि इन लोगों का दिमाग और बॉडी के विभिन्न पार्ट्स से कोआर्डिनेशन सही था। यह प्रभाव विशेष रूप से मस्तिष्क के उन हिस्सों में प्रमुख था जो गति, संवेदना और सामाजिक जुड़ाव से जुड़े होते हैं। रटगर्स सेंटर फॉर एडवांस्ड ह्यूमन ब्रेन इमेजिंग रिसर्च में मनोचिकित्सा के प्रोफेसर और अध्ययन के मुख्य लेखक अवराम होम्स के मुताबिक, व्यक्ति की उम्र बढ़ने के साथ फंक्शनल कनेक्टिविटी में कमी वाले क्षेत्र, बच्चे होने पर कनेक्टिविटी में वृद्धि करते हैं। शोध में एक और बात सामने आई, वो ये कि पुरुषों और महिलाओं के लिए परिणाम समान थे। जो यह दर्शाता है कि ये ब्रेन बूस्टिंग इफेक्ट गर्भावस्था के बजाय पालन-पोषण से संबंधित था। होम्स के मुताबिक, गर्भावस्था के बजाय प्रोटेक्टिव वातावरण महत्वपूर्ण होता है, बच्चों के ख्याल रखने का प्रभाव माता और पिता दोनों में देखने को मिलता है। रिसर्च में ये भी दावा किया गया कि परिवार अगर साथ में ज्यादा समय बिताता है या सामाजिक समारोहों का हिस्सा बनता है, तो भी पेरेंट्स को लाभ पहुंचता है।

सात मार्च को फिर से रिलीज होगी 'रोड'

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता अभय देओल की फिल्म रोड सात मार्च को फिर से सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभय ने खुद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इसकी घोषणा की है। अभय देओल की फिल्म रोड भारत में ०५ मार्च, २०१० को रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अभय के अलावा तनिष्ठा चटर्जी और दिवंगत सतीश कौशिक ने मुख्य भूमिका निभाई थी। यह फिल्म अपनी रिलीज के १५ साल बाद एक बार फिर से सिनेमाघरों में रिलीज की जा रही है। देव बेनेगल निर्देशित'रोड, में अभय देओल, सतीश कौशिक और तनिष्ठा चटर्जी के अलावा, फिल्म के कलाकारों में मोहम्मद फैजल, यशपाल शर्मा, वीरेंद्र सक्सेना भी शामिल हैं। कहानी विष्णु के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने परिवार के हेयर ऑयल के व्यवसाय से बचना चाहता है।

अनार कैंसर की रोकथाम में भी मददगार

नई दिल्ली (आईएएनएस)। कहावत है 'एक अनार सौ बीमार'। अब सवाल है कि अनार को ही क्यों चुना गया? तो जवाब भी सिंपल और सहज सा है क्योंकि हार्ड कवर वाले अनार के अंदर खजाना भरा हुआ है। इस फल का हर एक हिस्सा हमारे काम का है। अनार का फूल हो, इसकी छाल हो, जड़ हो या फिर फल। अनार का जूस हमारे शरीर के भीतर कई प्रकार के बायोलॉजिकल और जैविक प्रक्रियाओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने की क्षमता रखता है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, अनार में मौजूद विभिन्न पोषक तत्व और एंटीऑक्सिडेंट्स इसे एक औषधीय फल बनाते हैं, जिससे हमारे स्वास्थ्य को अनगिनत लाभ होते हैं। अनार का जूस विटामिन सी, ए, के, ई और फोलिक एसिड का समृद्ध स्रोत माना जाता है। ये विटामिन हमारे शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए जरूरी हैं। विशेष रूप से विटामिन सी, जो शरीर में एंटीबॉडी उत्पादन को बढ़ाने का कार्य करता है, शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाता है और हमें सामान्य बीमारियों और संक्रमणों से बचाता है। वैज्ञानिक शोध में यह पाया गया कि अनार के जूस का नियमित सेवन इम्यून सिस्टम को सक्रिय करता है, जिससे शरीर ज्यादा प्रभावी तरीके से विभिन्न रोगों का मुकाबला कर पाता है। अनार में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स, खासकर पनील्जैनथिन, एल्लागिक एसिड और फ्लावोनॉयड्स, इसे एक शक्तिशाली एंटी-इंफ्लेमेटरी (सूजन कम करने वाला) और एंटीऑक्सीडेंट फल बनाते हैं। ये तत्व शरीर में सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में मदद करते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सूजन को कई गंभीर बीमारियों से जोड़ा गया है, जैसे हृदय रोग, कैंसर, टाइप 2 मधुमेह, और अल्जाइमर रोग। कई अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि अनार का जूस इन बीमारियों के जोखिम को कम कर सकता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन (एनएलएम) में प्रकाशित एक स्टडी में यह पाया गया कि अनार का रस सेहत के लिए नायाब है। यह सूजन से संबंधित मार्कर्स जैसे सी-रियैक्टिव प्रोटीन (सीआरपी) और इंटरल्यूकिन-6 को 30 फीसदी तक कम कर सकता है। इसके अलावा, अनार का जूस दिल के लिए भी फायदेमंद है।

ऑस्कर मिलना गर्व की बात : नमित मल्होत्रा

मुंबई (वार्ता)। निर्माता नमित मल्होत्रा का कहना है कि'ड्यूनः पार्ट टू'के लिए ऑस्कर मिलना उनकी टीम के लिए गर्व की बात है। प्राइम फोकस के फाउंडर, डीएनइजी के सीइओ और आने वाली मेगा इंडियन फिल्म'रामायण'के निर्माता नमित मल्होत्रा ने 2025 एकेडमी अवॉड्‌र्स में बेस्ट विजुअल इफेक्ट्स का ऑस्कर जीत लिया है।

डीएनइजी ,जो दुनिया की टॉप विजुअल इफेक्ट्स, एनीमेशन और क्रिएटिव टेक्नोलॉजी कंपनी में से एक है, ने 97वें ऑस्करअवॉड्‌र्स में'ड्यूनः पार्ट टू'के लिए बेस्ट विजुअल इफेक्ट्स का अवॉर्ड जीत लिया है। लॉस एंजेल्स में हुए इस ग्रैंड इवेंट में डीएनइजीकी टीम को उनके जबरदस्त विजुअल इफेक्ट्स के लिए यह बड़ा सम्मान मिला है। डीएनइजीके वीएफएक्स सुपरवाइजर स्टीफन जेम्स और राइस सालकॉम्ब ने प्रोडक्शन वीएफएक्स सुपरवाइजर पॉल लैम्बर्ट और स्पेशल इफेक्ट्स सुपरवाइजर गर्ड नेफ्जर के साथ मिलकर ये बड़ा अवॉर्ड अपने नाम किया है। नमित मल्होत्रा ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा:हमारी टीम के लिए इस साल'ड्यूनः पार्ट टू'के विजुअल इफेक्ट्स के लिए ऑस्कर जीतना एक जबरदस्त उपलब्धि है और हमारे सफर में एक और बड़ा माइलस्टोन है। 2011 से अब तक यह हमारा आठवां वीएफएक्सऑस्कर है, जो डीएनइजीकी क्रिएटिव और टेक्निकल लीडरशिप को साबित करता है। उन्होंने निर्देशक डेनिस विलेन्यूवे का शुक्रिया अदा किया, साथ ही पॉल लैम्बर्ट, ग्रेग फ्रेजर और फिल्ममेकिंग टीम के बाकी अहम सदस्यों की भी तारीफ की। इसके अलावा, उन्होंने लेजेंडरी पिश्रर्स की मैरी पैरेंट और उनकी टीम, और वार्नर ब्रदर्स का भी धन्यवाद किया।

रितेश पांडे और शिल्पी राज के होली स्पेशल गाने को एक मिलियन व्यूज

मुंबई (वार्ता)। रितेश पांडे और शिल्पी राज के होली स्पेशल गाने 'सकेत होता' ने एक मिलियन व्यूज का आंकड़ा पार कर लिया है। गाना 'सकेत होता' होली के रंगों और उत्साह को दर्शाता है और श्रोताओं को मस्ती के मूड में ले जाता है। गाना 'सकेत होता' के गीतकार आशुतोष तिवारी हैं, जबकि इस गाने में संगीत की मिठास आर्या शर्मा ने दी है। मिक्सिग राज शर्मा ने किया है। निर्देशक गोविंद प्रजापति हैं। संपादक सुमंत प्रजापति, डी आई रोहित सिंह हैं।

'वी आर फहीम एंड करुण फ्लेयर' 2025 में एकमात्र भारतीय फिल्म बनी

मुंबई (वार्ता)। फिल्म निर्माता ओनिर की फिल्म 'वी आर फहीम एंड करुण', ब्रिटिश फिल्म इंस्टीट्यूट के फ्लेयर 2025 में चुनी जाने वाली एकमात्र भारतीय फीचर फिल्म बन गयी है। ओनिर, जो क्वीर कथा और इंडी सिनेमा को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं, ने इसकी घोषणा की है। यह फिल्म 20 और 22 मार्च को होने वाले 39वें एडिशन में स्क्रीन की जाएगी। प्रसिद्ध फिल्मकार दीपा मेहता, फिल्म वी आर फहीम एंड करुण को प्रस्तुत कर रही हैं। उन्होंने इस फिल्म की सराहना करते हुए कहा, मुझे 'वी आर फहीम एंड करुण' को पेश करते हुए गर्व महसूस हो रहा है। यह फिल्म मुझे गहराई से छू गई, क्योंकि इसमें प्यार, दोस्ती और कर्तव्य जैसे संवेदनशील विषयों को दिखाया गया है।

आशुतोष गोवारिकर के बेटे कोणार्क की शादी में पहुंचे कई सेलेब्स

मुंबई (वार्ता)। प्रसिद्ध फिल्म निर्माता आशुतोष गोवारिकर और सुनीता गोवारिकर के बेटे कोणार्क गोवारिकर की शादी के रिसेप्शन में कई सेलेब्स पहुंचे। कोणार्क गोवारिकर ने कनकिया बिल्डर्स के राकेश बाबूभाई कनकिया की बेटी नियति कनकिया से मुंबई में एक भव्य समारोह में शादी कर ली। कोणार्क और नियति गोवारिकर की शादी के रिसेप्शन में बॉलीवुड के कई कलाकार शामिल हुए। इस दौरान कोणार्क और नियति काफी सुंदर लग रहे थे। शादी का जश्न 28 फरवरी को पारंपरिक हल्दी समारोह से शुरू हुआ और एक मार्च को संगीत समारोह के साथ जारी रहा, जिसमें परिवार और करीबी दोस्तों ने हिस्सा लिया। इन समारोहों ने हंसी, संगीत और भावनाओं से भरी इस शानदार शादी के लिए माहौल तैयार किया। विवाह समारोह बेहद भव्य था, जिसमें खूबसूरत सजावट और शानदार आयोजन स्थल ने जोड़े की प्रेम कहानी को और खास बना दिया। इस मौके पर पारंपरिक रीति-रिवाजों और आधुनिक भव्यता का खूबसूरत संगम देखने को मिला, जिससे यह शादी यादगार बन गई। कोणार्क और नियति ने अपने प्रियजनों की उपस्थिति में खुशी और उत्साह के साथ विवाह की शपथ ली। इसके बाद एक शानदार स्वागत समारोह हुआ, जिसमें स्वादिष्ट व्यंजन, लाइव परफॉर्मेंस के जरिये इस खास दिन का जश्न मनाया गया।आशुतोष और सुनीता सहित नवविवाहित कपल के परिवार ने कोणार्क और नियति को आशीर्वाद देते हुए सफेद रंग का ड्रेस कोट रखा. दुल्हन कढ़ाई वाले लहंगे में बेहद खूबसूरत लग रही थी और दुपट्टे काफी खूबसूरत लगा।

प्रभलीन संधू ने 'द इंडियन स्पाई' के अधिकार हासिल किए

मुंबई (वार्ता)। अभिनेत्री से निर्माता बनी प्रभलीन संधू ने प्रसिद्ध इतिहासकार मिहिर बोस लिखित द इंडियन स्पाई - द ट्रू स्टोरी ऑफ इंडियाज मोस्ट रिमार्केबल सीक्रेट एजेंट ऑफ वर्ल्ड वॉर के अधिकार हासिल कर लिये है। ऑलमाइटी मोशन पिक्चर की संस्थापक और निर्माता प्रभलीन संधू ने कहा,भगत राम तलवार की कहानी अविश्वसनीय और अकल्पनीय है। अब समय आ गया है कि न केवल हमारे देश, बल्कि दुनिया को उनकी असाधारण यात्रा के बारे में पता चले। यह जासूसी शैली को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है, साथ ही भारत के सबसे रहस्यमय खुफिया एजेंटों में से एक पर लंबे समय से लंबित स्पॉटलाइट को उजागर करता है, एक ऐसा व्यक्ति जिसके गुप्त अभियानों ने इतिहास को आकार दिया।

दक्षिण भारतीय फिल्म में डेब्यू को तैयार सोनाक्षी

मुंबई (आईएएनएस)। बॉलीवुड में दबंग, तेवर जैसी फिल्में देने वाली अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं। जानकारी के अनुसार अभिनेत्री तेलुगू भाषा की फिल्म जटाधारा में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। जटाधारा में सुधीर बाबू भी हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। इंडस्ट्री के सूत्रों ने अभिनेत्री के फिल्म में शामिल होने के संकेत दिए हैं। फिल्म में सोनाक्षी को एक मजबूत और अलग तरह की भूमिका के लिए चुना गया है। अपकमिंग फिल्म जटाधारा के बारे में बता दें, फिल्म का मुहूर्त पूजन हाल ही में हैदराबाद के एक मंदिर में किया गया। धूमधाम से आयोजित समारोह में मुख्य अतिथियों के तौर पर निर्देशक हरीश शंकर, पुष्पा २: द रूल के निर्माता रवि शंकर समेत फिल्म जगत के अन्य सितारे शामिल हुए। मुहूर्त पूजन में निर्देशक वेंकी अटलूरी, निर्देशक मोहना इंद्रगांती, शिल्पा शिरोधाकर समेत अन्य ने शिरकत की। जटाधारा एक्शन और सस्पेंस से भरपूर मनोरंजक फिल्म है, जिसमें अभिनेता सुधीर बाबू मुख्य भूमिका में हैं। जटाधारा की पौराणिक कथाओं के साथ कहानी को निर्माताओं ने मनोरंजक मोड़ दिया है। फिल्म के बारे में सुधीर बाबू ने कहा, मैं इस नई यात्रा के लिए रोमांचित हूं। 'जटाधारा' का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। मैं इस किरदार को निभाने के लिए उत्साहित हूं। स्क्रिप्ट में हमारी समृद्ध पौराणिक मान्यताओं को वैज्ञानिक तथ्यों के साथ सहजता से जोड़ा गया है, जो दर्शकों के लिए एक बेहतरीन और नया अनुभव लेकर आएगा और मेरा मानना है कि यह दर्शकों पर एक खास प्रभाव छोड़ेगा। जटाधारा के मुहूर्त समारोह में जी स्टूडियो के प्रस्तुतकर्ता उमेश के.आर. बंसल और प्रेरणा वी. अरोड़ा भी शामिल हुईं।